



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 9, 1987 (वैशाख 19, 1909)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1987 (VAISAKHA 19, 1909)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि वह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और
भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union
Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached
and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली दिनांक 2 मार्च 1987

सं० ए-38013/3/86-प्रशा०-3—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक तथा तदर्थ आधार पर स्थापनापत्र रूप से अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री ए० एस० वेदी को कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के आदेश सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24-11-73 की शर्तों के अनुसार, निवर्तन आयु होने पर 28 फरवरी, 1987 के अपराह्न में सरकारी सेवा से निवृत्त होने की सहषं अनुमति प्रदान करते हैं।

दिनांक 31 मार्च 1987

सं० ए-19014/3/87-प्रशा०-I—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में के०स०से० के श्री तरिन्दर सिंह को 27 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० पी० जैन,

अवर सचिव (का०प्रशा०)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1987

सं० 3/75/75-प्रशा०-II—श्री ओ०पी० चाप्पा को उनकी निवर्तन आयु पूरी हो जाने पर पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो में केन्द्रीय न्यायिक विज्ञान संस्थान अनुभाग के अनुभाग अधिकारी पद से 31-3-1987 (अपराह्न) में सेवा-निवृत्ति के फलस्वरूप कार्यमुक्त किया जाता है।

आर० एम० महाय,
उप निदेशक

समन्वय निदेशालय (पुलिस बतार)

नई दिल्ली, दिनांक 9 अप्रैल 1987

सं० ए-20011/5/68-प्रशासन-II—राष्ट्रपति समन्वय निदेशालय (पुलिस बतार) के निम्नलिखित अतिरिक्त सहायक निदेशकों को समन्वय निदेशालय (पुलिस बतार) में सहायक निदेशकों के पद पर 2200-75-2800-द० रो०-100-4000 रु० के वेतनमान में दिनांक 13 मार्च,

1987 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशों तक स्थानापन्न रूप में महर्षि नियुक्त करने हैं।

1. श्री के० सी० अग्निहोत्री।
2. श्री एम० के० शर्मा

बी० के० दुबे,
निदेशक, पुलिस दूर संचार

महानिदेशालय के०/रि०पु० वल

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० एफ-2/11/87-स्था०—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर के० के० मैनी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 4-9-1984 से स्थाई करने की महर्षि स्वीकृति दे दी है।

सं० ओ०डी०-2349/87-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने डाक्टर मुकुल कुमार को अस्थायी रूप में आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी०एम०पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 29 मार्च 1987 अपराह्न से महर्षि नियुक्त किया है।

एम० अशोक राज
महायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1987

सं० 10/11/85-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, जनगणना कार्य निदेशक, बिहार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी (मानचित्र) के पद पर कार्यरत श्री मोहम्मद अब्बास को भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय नई दिल्ली में तारीख 11-3-87 के पूर्वाह्न से 3 वर्ष की अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी अवधि पहले हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा रु० 2200-75-2800-द० री०-100-4000 के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी (ड्राइंग) के पद पर महर्षि नियुक्त करने हैं।

बी०एम० वर्मा,
भारत के महारजिस्ट्रार और
भारत सरकार के संयुक्त सचिव

वित्त मंत्रालय

राजस्व विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1987

मुखा नियंत्रक, शामकीय अफीम एवम् क्षारोद कारखाने
स्थापना

सं० 11/3/4/स्था/86—श्री अमर कुमार चक्रवर्ती, प्रशासनिक अधिकारी, शामकीय अफीम एवम् क्षारोद कारखाना, गाजीपुर, अधिवार्षिकी की आयु प्राप्त करने पर

31 मार्च 1987 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

ह० अपठनीय
मुख्य नियंत्रक,

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग
भारत के नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० 12 वा०ले०प० 1/259-69—महायक लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा (द्वितीय) कलकत्ता के कार्यालय में कार्यरत श्री बी० के० चक्रवर्ती लेखा परीक्षा अधिकारी (वा०) अपनी अधिवा-
सिकता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 28-2-87 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हो गये हैं।

डी० एन० आनन्द,
महायक नियन्त्रक/महा लेखा
परीक्षक (वा०)

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1987

सं० प्रशासन-1/का०आ० संख्या 12—निदेशक, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री दर्शन सिंह को 2375-3500 रु० के वेतनमान में दिनांक 1-3-1987 से स्थाई रूप से नियुक्त करने हैं।

सं० प्रशासन-1/का० आ० संख्या-13—निदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व-1, इस कार्यालय के श्री कुलदीप सिंह दलामाबादी स्थायी अनुभाग अधिकारी (अब महायक लेखा परीक्षा अधिकारी) को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के वेतनक्रम 2375-3500 रु० में 13 अप्रैल 1987 अपराह्न से आगे आदेश दिये जाने तक नियुक्त करने हैं।

मोहन खुराना,
उप निदेशक लेखा परीक्षा,
(प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० प्रशा० 1/8-132/87-88/डी०पी० सं० 4—श्री एम०वी० मुन्नाइमण्यन, लेखा परीक्षा अधिकारी, महालेखा-
कार (लेखापरीक्षा-1) का कार्यालय, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद 31-3-1987 को अपराह्न से सेवा से निवृत्त हुए।

दिनांक 14 अप्रैल 1987

सं० प्रशा० 1/पद्म०/8-132/87-88/104—निम्न-
लिखित महायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारियों के रूप में 2375-75-3200-
ई० बी०-100-3500 रु० वेतनमान में उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से प्रभावी अगले आदेशों तक

पदोन्नति दी जाती है। पदोन्नति के लिए दिये गये आदेश उनके वरिष्ठों के दावों पर बिना कोई प्रभाव डाले, यदि कोई हो, और आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय/उच्चतम न्यायालय में लंबित रिट याचिकाओं के परिणामों के अधीन माने जाएंगे।

उन्हें चाहिए कि वे अपना विकल्प भारत सरकार का० जा० सं० एफ/7/1/80-स्थापना पी०टी० 1, दिनांक 26-9-1981 की शर्तों के अनुसार पदोन्नति की तारीख से एक महीने के अन्दर दें।

नाम पद ग्रहण की तारीख
एम० दक्षीणामूर्ति 1-4-1987 (एफ० एन०)
विजय मुति
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार (ले० व० ह०) का कार्यालय, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 2 अप्रैल 1987

सं० ले० व० ह०/का० स्था० (हक व० रो०)/4/10-3---
इस कार्यालय की निम्नलिखित कर्मचारी अधिवर्षिता के कारण 31-3-1987 अवकाश से सेवा निवृत्त हो गयी है।

श्रीमती पी० शांदा मणि अम्माल—लेखा अधिकारी।

ह० अग्रणीय
महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा) प्रथम, म०प्र०

ग्वालियर, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० क्रमांक/प्रशासन 11/समूह-2/प्रमोशन/25/356---
महालेखाकार (लेखापरीक्षा) प्रथम म०प्र० ग्वालियर ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी के पद पर वेतनमान रु० 2000-3200 में उनके नाम के सामने दर्शाये दिनांक से पदोन्नत किया है :—

क्रमांक	नाम	स्थायी/क्रमांक	पदो० का
सर्वश्री			
1.	एस०सी० कुलश्रेष्ठ	02/2158	18-11-86
2.	जी०डी० चांदवानी	2421	18-11-86
3.	एन०सी० श्रीवास्तव	2318	19-11-86
4.	आर०एस० चौहान (भोपाल)	2406	29-11-86
5.	एस० एस० शर्मा	526	9-12-86
6.	सीनर्सिंह	2713	17-12-86
7.	वाय० एन० मिन्हा	355	30-12-86
8.	आर०सी० सक्सेना	599	24-1-87

1	2	3	4
सर्वश्री			
9.	तेज सिंह	1680	22-1-87
10.	ए०सी० बनर्जी	830	22-1-87
11.	ओ०एम० बाजपेयी	973	27-1-87
12.	के०एन० शर्मा	1344	30-1-87
13.	आर०सी० वाण्ये	1361	23-1-87
14.	बी० के० जैन	1428	24-1-87
15.	पी०एन० श्रीवास्तव (भोपाल)	1502	17-2-87
16.	एच०पी० द्विवेदी (भोपाल)	1526	18-2-87
17.	एम०एम० अग्रवाल (भोपाल)	1786	19-2-87
18.	के०पी०एम० सेंगर	2031	14-2-87
19.	एम० के० जैन (भोपाल)	2098	17-2-87
20.	पी०एल० साहू (भोपाल)	2103	23-2-87
21.	गिरधारी यादव (भोपाल)	2136	17-2-87

ह० अग्रणीय

उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय-1 (ए तथा इ) उत्तर प्रदेश
इलाहाबाद, दिनांक 15 अप्रैल 1987

सं० प्रशा० 1/11/44/अधि० 2094—महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)—प्रथम, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को उनके नाम के सम्मुख अंकित नियतियों से आशामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद रु० 2375-75-द० रो०-100-3500 वेतनमान पर नियुक्ति किया है —

सर्वश्री

1. राम कृष्ण मिश्र 13-04-87 (पूर्वाह्न)
2. प्रेम नारायण खन्ना 13-04-87 (पूर्वाह्न)
3. विपिन बिहारी श्रीवास्तव 13-04-87 (पूर्वाह्न)

मीनाक्षी चक,

उप महालेखाकार (प्रशासन)

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० प्रशा०-1/सी/470/129-130—निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता ने निम्नलिखित सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों को रुपये-2375-75-3200 ई० बी०-100-3500 रुपये के वेतनमान पर स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (ग्रुप-ख) के पद पर उनके नामों के साथ दिये गये तारीख से अगला आदेश जारी किये जाने तक

निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय के कार्यालय कलकत्ता में नियुक्त किये हैं।

क्र०सं० नाम कार्यभार ग्रहण करने की तारीख

सर्वश्री	
1. सुब्रत सेन	26-2-87 (पूर्वाह्न से)
2. सुकुमार साहा	28-2-87 ,,
3. विभाष कान्ती भट्टाचार्या	26-2-87 ,,
4. पवित्र कुमार सरकार-II	26-2-87 ,,

मुनील

उप० नि० ले० परीक्षा (प्रशा०)

श्रम मंत्रालय

श्रम विभाग

(श्रम व्यूरो)

शिमला-17004, दिनांक 1 मई 1987

सं. 5/1/87-सी.पी.आई.—मार्च, 1987 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1987 के स्तर 686 (छ सौ छयासी) पर स्थिर रहा। मार्च, 1987 माह का सूचकांक आधार वर्ष 1949=100 पर परिणतित किए जाने पर 834 (आठ सौ चौतीस) आता है।

बलराम

संयुक्त निदेशक

श्रम व्यूरो

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० प्रशा/II/2606/86—रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली, श्री कुण्ड कुमार सोबती, लेखा अधिकारी (पी/293) के दिनांक 5-3-87 को हुए नियुक्त को दुःख सहित अधिसूचित करते हैं। तदनुसार उन्हें इस विभाग के संख्याबल से दिनांक 5-3-87 (अपराह्न) से हटा दिया गया है।

डी० के० चेतसिंह,

रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

(प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरीयां सेवा

आर्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 7 अप्रैल 1987

सं० 7/जी/87—वार्धक्य प्रायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री ए० आर० दासु, स्थानापन्न संयुक्त निदेशक (मौलिक एवं स्थायी उप निदेशक) दिनांक 31 मार्च, 1987 अपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० 8/जी/87—श्री एस०एस० गुह्थाकुरता, स्थानापन्न उपनिदेशक (मौलिक एवं स्थायी एस०एस०) दिनांक 31

मार्च, 1987 अपराह्न से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त हुए।

एम० ए० अलहन,

संयुक्त निदेशक/जी०

कृते महानिदेशक, आर्डनैन्स फैक्टरीयां,

आयुध निर्माण बोर्ड डी० जी० एफ० सिविल सेवा

कलकत्ता, दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं० 5/87/ए/ई० 1 (एन० जी०)—महानिदेशक, आयुध निर्माणी महोदय श्री नगेन्द्र नाथ साहा, स्थानापन्न सहायक को कर्मशाला स्थित पद में, दृष्टिगतता पर बिना प्रणाम के तारीख 11-3-87 से स्थानापन्न सहायक स्टाफ अधिकारी के रूप में आगामी आदेशक न होने तक प्रोन्नत करते हैं।

2. उपर्युक्त प्रोन्नति माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गयी अपील के निर्णयानुसार पालन किया जाएगा।

3. श्री साहा ने दिनांक 11-3-87 से सहायक स्टाफ अधिकारी के उच्च पद का कार्यभार संभाल लिया है।

4. उपर्युक्त अधिकारी दिनांक 11-3-87 से दो वर्षों की परखावधि पर रहेंगे।

एस० दासगुप्ता,

उप महानिदेशक, प्रशासन

कृते महानिदेशक, आयुध निर्माणी

उद्योग मंत्रालय

विकास आयुक्त (ल०उ०) का कार्यालय

नई दिल्ली दिनांक 3 अप्रैल 1987

सं० ए-31012(44)/85-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग विकास संगठन में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के आगे दर्शायी गई तारीख से सहायक निदेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

क्र०सं० अधिकारी का नाम स्थायी रूप से नियुक्त किये जाने की तारीख

सर्वश्री 31-12-1985

- | | |
|-------------------|-------|
| 1. ए० चिदम्बरम | |
| 2. सी० रगनाथन | —वही— |
| 3. बी०ए० काम्बले | —वही— |
| 4. एस० के० वसु | —वही— |
| 5. वी० दोरास्वामी | —वही— |
| 6. एस० पी० शर्मा | —वही— |
| 7. टी० आर० मूर्ति | —वही— |

दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० ए-19018(117)/73-प्रशा० (राज०)—इलैक्ट्रॉनिकी विभाग, नई दिल्ली, में वज्ञानिक/अभियंता ("एस०ई०") के रूप में नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री एम० रामकृष्णन ने विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय में उपनिदेशक (इलैक्ट्रॉनिक्स) के पद का भार दिनांक 11 मार्च, 1987 (अपराह्न) से छोड़ दिया।

सी० सी० राय,

उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1986

सं० ए-17011/324/86-प्र-6—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान ने, निरीक्षण-निदेशक, बम्बई के कार्यालय में भण्डार परीक्षक (अभि०) श्री शत्रुघ्न पर्सवानी को दिनांक 12 सितम्बर, 86 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक, उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

आर० पी० शाही,

उप निदेशक (प्रशासन)

कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1986

सं० ए-17011/316/86/प्र-6—संघ-लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति श्री मनमोहन द्वे को 29-9-86 के अपराह्न से अगले आदेश दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III की अभियांत्रिकी शाखा में नियुक्त करते हैं।

श्री द्वे ने दि० 29-9-86 के अपराह्न से निरीक्षण निदेशक बम्बई के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण/निरीक्षण अधिकारी (परीवीक्षाधीन आरक्षित) के पद का कार्य-भार सम्भाल लिया है और वे कार्यभार सम्भालने की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 28 अक्टूबर 1986

सं० ए-17011/315/86/ए-6—संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई अभियांत्रिकी सेवा परीक्षा, 1984 के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति श्री के० करुपियाह (अनु० जाति) को 29-9-86 के पूर्वाह्न से अगले आदेश दिये जाने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड-III की अभियांत्रिकी शाखा में नियुक्त करते हैं। श्री करुपियाह ने दि० 29-9-86 के पूर्वाह्न से निरीक्षण अधिकारी (परीवीक्षाधीन आरक्षित) के पद का कार्य भार संभाल लिया है। और वे दिनांक 29-9-86 से 2 वर्ष की अवधि के लिये परीवीक्षाधीन रहेंगे।

आर० पी० शाही,
उप निदेशक (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० 2458बी/ए-19012(3-एस०के०एस०)/85-19बी
—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय

भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री स्वप्न कुमार सेनगुप्ता को सहायक रसायनज्ञ के पद पर उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रु० के वेतनमान के वेतन में, अस्थायी क्षमता में आगामी आदेश होने तक 25-3-87 के पूर्वाह्न से नियुक्त कर रहे हैं।

अमित कुशारी,
निदेशक (कार्मिक)

कलकत्ता-700016, दिनांक अप्रैल 1987

सं० 2435बी/ए-32013/1-डी० डी० जी० (भूविज्ञान) /85-19ए—राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित अधिकारियों को उप महानिदेशक (भूविज्ञान) के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार पूर्व परिशोधित 2250-125/2-2500 रु० के वेतनमान में (अब परिशोधित 5900-200-6700 रु०) अस्थायी स्थानापन्न क्षमता में आगामी आदेश होने तक, 7 अप्रैल, 1987 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

1. श्री एस० के० गुहा,
निदेशक (भूविज्ञान), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
2. श्री जी० जे० चांडक,
निदेशक (भूविज्ञान), प्रवरण कोटि,
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण,

एन० के० मुखर्जी,
वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1987

सं० 4(53)/75-एस०-एक—श्री बी०आर० भार्गव, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी (जो इस समय संगीत नाटक अकादमी में सहायक सचिव हैं) उन्होंने अकादमी में अपने स्थाई तौर पर समावेशन होने के परिणामस्वरूप 14 अगस्त, 1984 से सरकारी सेवा से त्याग-पत्र दे दिया है।

आई० एल० भाटिया,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 30 अगस्त 1986

सं० 5-9/85-सतर्कता—यतः श्री राम सेवक सिंह, जे० पी० ओ० को इस कार्यालय के दिनांक 21-8-85 के समसंख्यक ज्ञापन द्वारा केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1965 के नियम 14 के अंतर्गत

अधोलिखित आरोप के लिए एक आरोप-पत्र जारी किया गया था —

“कि कथित श्री राम सेवक सिंह जब दि०दु० योजना मे जे० पी० ओ० के रूप में काम कर रहा था तो वह सक्षम प्राधिकारी की पूर्वानुमति और स्वीकृति लिए बिना दिनांक 16-9-83 से अपनी इयूटी में अनाधिकृत रूप से गैरहाजिर है। अतः उस पर सक्षम प्राधिकारी से पूर्वानुमति और स्वीकृति लिए बिना दिनांक 16-9-83 से अनधिकृत रूप से इयूटी से गैरहाजिर रहने का आरोप लगाया जाता है जो एक सरकारी कर्मचारी के लिए बहुत ही अनुचित है और केन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1964 के नियम 3 का उल्लंघन है।”

यतः श्री बी०एल० ओबराय का जाच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था जिन्होंने जाच कार्यवाही करके दिनांक 17-6-86 की अपनी रिपोर्ट सं० 115/इ०ओ०/85 (बी) प्रस्तुत कर दी है जिसमें श्री राम सेवक सिंह के विरुद्ध लगाया गया आरोप सिद्ध हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी ने जाच अधिकारी के निष्कर्ष और रिकार्ड में उपलब्ध सबूतों और अन्य दस्तावेजों पर भावधानीपूर्वक विचार किया है और जाच अधिकारी के निष्कर्षों से सहमत है। उसे अपने मामले की पैरवी करने के लिए पर्याप्त मौका दिया गया था परन्तु उसने जानबूझ कर जाच कार्रवाई में भाग लेने में टाल-मटोल की। उसने सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी से चिकित्सा प्रमाण-पत्र द्वारा समर्थित छुट्टी का आवेदन-पत्र तक भेजने की चिन्ता नहीं की। उसका दिनांक 16-9-83 से बिना किसी वैध कारणों के इयूटी से गैर हाजिर रहना और आज तक भी इयूटी पर हाजिर न होना एक गंभीर अपराध है। अधोहस्ताक्षरी जाच अधिकारी के इन निष्कर्षों से सहमत है कि गैर-कानूनी तौर पर इयूटी से अनुपस्थित रहने का आरोप उसके विरुद्ध सिद्ध हो गया है। अतः वह उस आरोप का दोषी है। अधोहस्ताक्षरी अन्ततोगत्वा इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि श्री राम सेवक सिंह, जे०पी०ओ० सरकारी नौकरी में रखे जाने के लिए योग्य व्यक्ति नहीं है।

अब अतः अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम 1985, के नियम 11 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उचित और पर्याप्त कारणों के आधार पर श्री राम सेवक सिंह, जे० पी०ओ० को अब से तत्काल नौकरी से हटा दिए जाने का दंड देते हैं।

श्री राम सेवक सिंह जे० पी० ओ०
सुपुत्र श्री राम नारायण सिंह

गांव व डा० चाद पुर कोठीया
जिला—समस्तीपुर (बिहार)

हस्ताक्षरित
बलदेव चन्द

उप महाप्रबन्धक (प्रशा०/अनुशासनिक प्राधिकारी)
अनुलग्न जाच रिपोर्ट

प्रति —

1. गोपनीय कक्ष 2. गार्ड फाइल 3. लेखा (स्था०)
अनु० 4. समय कार्यालय 5. स्था०-2 अनुभाग 6. सामान्य
अनुभाग 7 सुरक्षा अधिकारी

भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण

बम्बई-1, दिनांक 6 अक्टूबर 1986

स० एफ 2-54/86-स्थापना-III—निदेशक, विभाग-
अध्यक्ष की हैसियत से भारतीय मात्स्यिकी सर्वेक्षण बम्बई,
में कनिष्ठ मात्स्यिकी विज्ञानी के पद पर श्री जी०के०
अहवाल को 26-8-86 के अपराह्न में अगले आदेश होने
तक के लिए अस्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

डा० डी० सुदर्शन
निदेशक,

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 7 अप्रैल 1987

स० पी०ए०-79 (19)/84-भर्ती-III/780—नियंत्रण,
भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री उलगाथन जवाहर,
स्थायी सहायक, परमाणु ऊर्जा विभाग बम्बई, को इस केन्द्र
में दिनांक 27 मार्च, 1987 के पूर्वाह्न से रुपये 2000-
60-2300-द० रो०-75-3200 के वेतनमान पर सहायक
कार्मिक अधिकारी के स्थानापन्न पद पर नियुक्त करते
हैं।

जे० राममूर्ति,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400085, दिनांक 8 अप्रैल 1987

स० क्रमनि/2/1(29)/83-प्रशा०—परमाणु ऊर्जा विभाग,
क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई भंडारी
श्री आर० चौधरी का इसी निदेशालय में दिनांक 1 अप्रैल
1987 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश होने तक 2000-60-
2300-द० रो०-75-3200-100-3500 रुपये के वेतनमान
में सहायक भंडार अधिकारी के पद पर अस्थायी तौर
पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

बी० जी० कुलकर्णी,
प्रशासन अधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 अप्रैल 1987

सं० ए-32013/1/82-ई० एम०—राष्ट्रपति, नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों की उप-निदेशक/नियंत्रक उडनयोग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ नियुक्ति की प्रत्येक के सामने दिखाई गई तारीख से छः माह की अवधि के लिए या पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो जारी रखने की अनुमति प्रदान करते हैं —

क्रम सं०	नाम	तदर्थ नियुक्ति की से	बढ़ाई गई अवधि तक
1.	श्री एम एम० इम्राहिम	16-1-87	15-7-87
2.	श्री के० प्रभाकर राव	11-2-87	10-8-87

मुकुल भट्टाचार्य,
उपनिदेशक प्रणामन

महाहर्तालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1987

सं० 3/87—प्रशासनिक अधिकारी, के०उ०शु० समूह “ख” के पद पर पदोन्नत होने पर श्री पी०ए० शामदासानी ने दिनांक 31-3-87 के पूर्वाह्न में प्रशासनिक अधिकारी, के०उ०शु० समूह “ख” के पद पर प्रभाग चन्द्रपुर में कार्यभार ग्रहण किया।

जे० आर० कैत,
उप महाहर्ता (कार्मिक और स्था०)

निरीक्षण महानिदेशालय

मीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1987

सं० 3/87—श्री एच०एच० खोकर ने जो पहले मीमा शुल्क गृह बम्बई में मूल्य निर्धारक (एपरेटर) ग्रुप “ख” के पद पर तैनात थे, इस महानिदेशालय के दिनांक 23-10-86 के आदेश सी०सं० 1041/47/84-प० प्रादे० यू० के अनुसार निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “ख” के पद पर नियुक्ति होने पर दिनांक 2-2-1987 (पूर्वाह्न) से बम्बई स्थित पश्चिमी प्रादेशिक यूनिट, नि०सं०नि०सी० शु० एवं के०सं०शु० में निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “ख” के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एच० एम० सिंह,
निरीक्षण अधिकारी

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-110060, दिनांक 14 अप्रैल 1987

सं० ए-19012/1202/86-स्थापना-पांच —अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री चन्द्र प्रकाश, कनिष्ठ अभियन्ता को अनिरीक्षण सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर (डिजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-दक्षता रोध०-75-3200-100-3500/- रुपये के वेतनमान में 25/8/1986 की पूर्वाह्न से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० आर० सिंगल,
अवर सचिव,
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1987

सं० 3-769/86-मुजलभू (स्था०)—श्री राम विशन को दिनांक 30-1-87 (पूर्वाह्न) में अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड पश्चिमी क्षेत्र, जयपुर में सहायक जलभूवैज्ञानिक के पद पर जी०सी०एम० (राजपत्रित) (समूह-ख) मूल वेतन 2000 रु० प्रतिमाह पर परिशोधित वेतनमान 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है। उनका मुख्यालय राज्य एकक कार्यालय, जोधपुर में होगा।

बी०पी०सी० सिन्हा,
मुख्य जलभूवैज्ञानिक एवं सदस्य

फरीदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1987

सं० 3-329/73-स्था० (अनु०)—श्री आर० मक्सेना को दिनांक 19-3-87 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में प्रणामन अधिकारी के पद पर जी०सी०एम० समूह “ख” (राजपत्रित) वेतनमान रु० 2375-75-3200-100-3500/- में अस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

एम० के० दास,
मुख्य अभियन्ता एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय

नई दिल्ली अप्रैल 1987

सं० 27/60/78-ई०सी० 9—राष्ट्रपति सहर्ष श्री एम० एन० खाटे वास्तुक द्वारा दिए गए त्यागपत्र को 6-2-87 (अपराह्न) से स्वीकार करते हैं।

पृथ्वीपाल सिंह,
उप-प्रणामन निदेशक

उद्योग तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय
 (कम्पनी कार्य विभाग)
 कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय
 कम्पनी अधिनियम 1956 के विषय में श्रीर
 बेलिएन्ट टानार्स प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी अधि-
 नियम 1956 की धारा 445(2) के अन्तर्गत।
 हैदराबाद, दिनांक 16 अप्रैल 1987
 सं० 2353/लिखि०/87—उच्च न्यायालय आन्ध्र
 प्रदेश, हैदराबाद के वर्ष 1985 के कम्पनी पेटिशन क्रमांक

13/1982 के मामले में 18 दिसम्बर को बेलिएन्ट टानार्स
 प्राइवेट लिमिटेड के परिसमापन का आदेश दिया
 गया।

आर० के० भट्टाचार्य,
 कम्पनियों का रजिस्ट्रार
 आन्ध्र प्रदेश

प्रकृष माई.टी.एन.एत.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 अप्रैल 1987

निदेश सं० सि०आर० 62/50232-अतः मुझे, आर०

भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे पहले इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 7 है, तथा जो एयस रोड रिचमंड टौन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12 अगस्त 1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का दृश्यमान प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक की शायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—56 GI/87

(1) श्री एम०एम० टी० मंदालप्प, अलियास रवि मंदालप्प, मुपुत्र नेट श्री एम०एम० तिममथ्या, नं० 47, तोप्पा मुक्लियार स्ट्रीट, सिविल स्टेशन, बेंगलूर-560 001।

(अन्तरक)

(2) 1 श्रीमती मह जबीन फातिमा पति श्री साधत आलि खान, (2) श्री लियाकत आलि खान मुपुत्र श्री साधत आलि खान, 'रेश्मा' नं० 6; एयस रोड (क्राम) बेंगलूर-560025 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिड-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1207/86-87 दिनांक 12-8-86)

सब संपत्ति जमीन और बिल्डिंग का कारपोरेशन नं० 7 (पुराना नं० 3ए), कारपोरेशन डिविजन नं० 61, (पुराना नं० 60), एयस रोड, रिचमंड टौन, बेंगलूर में स्थित है, जिसकी विस्तीर्ण 118 2.09 स्क्वायर मीटरम और जिस संपत्ति का पूरा विवरण सेल एग्रीमेंट तारीख 12-8-86 में दिया गया है।

आर० भारद्वाज
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, बंगलूर

तारीख 10-4-1987

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना-1

पूना-1, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० 37-ईई/2224/86-87—अतः मुझे श्री
अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
हमक पत्रात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सं० नं० 398ए. गणेश पेठ, पूने-2 है
तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन
रेंज आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए, बी
के अधीन, तारीख 23 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
व्यवस्था से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
की जाया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जा रहा था या छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल सि० लब्धा, कमलप्रभा अपार्टमेंट,
प्लॉट नं० 4 आदिनाथ सो० पूने-37।

(अन्तरक)

(2) मै० मारुति बिल्डर्स, 776/ए, सदाशिव पेठ,
पूने 30।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत क्र० 37-ईई/2224/86-87 जो
23 अगस्त 1986 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

अंजनी कुमार
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, पूना

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्रकृत भाग टी.एन.एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० जी० आर० आर० संख्या 5-415/एफयू०--

--अतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विचार करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बंगला मय भूमि है तथा जो आरमाडेल,
मल्लोताल, नैनीताल में स्थित है (और इससे उपाध्व
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-8-
1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
पायी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती प्रेमवतला शाह ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०पी० नन्दा (कर्ता) एच०यू०एफ० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला मय जमीन पैमाईसी 4862 वर्ग मी० एक
बंगला एक मंजिल 13 कमरे 4 बाथरूम तथा 5 बरामदे
हैं (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है) जिसका सम्पूर्ण
विवरण सेलडोड में वर्णित है) और जिसका पंजीकरण
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नैनीताल के कार्यालय में दिनांक
16-8-1986 को किया जा चुका है।

श्रीमती सरोजनी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री महिम चन्द्र भट्ट ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मेसर्स होटल लांगडेल प्रा० लि० ज्वाला काटेज
आर्यापाटा मल्ल ताल नैनीताल ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) विक्रेता (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० जी० आई० आर० संख्या एच-64/ए०जी०--

अतः मुझे, श्रीमती सरोजनी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि (बगीचा) है तथा जो लांगडेल
इस्टेट आर्यापाटा मल्लीताल नैनीताल में स्थित है (और
इससे उपावय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैनीताल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का
एक प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्त-
रिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का
शायद्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थात्साक्षरों के बाह्य
निमित्त में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में विधा
र्य है।

अनुसूची

भूमि (बगीचा) पैमाईसी 2,000/- वर्ग मी० स्थित
लांगडेल इस्टेट आर्यापाटा मल्लीताल नैनीताल। जिसका
पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नैनीताल के कार्यालय में
दिनांक 25-8-1986 को किया जा चुका है।

श्रीमती सरोजनी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स पार्क चैम्बर्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) भिनीत इलेक्ट्रिकल इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक, 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० ए० सी० रेंज-I/कल/1987—अतः मुझे,

आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 119, है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्वार०
ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 20-8-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

119, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
एक तल्ला में आफिस स्पेस नं० 1 ए० जो रजिस्ट्रार
भव एसुरेन्सेस कलकत्ता के पास डी० नं० -I10712
के अनुसार 20-8-86 में रजिस्ट्री हुआ।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स चित्रकूट प्रापर्टीज लिमिटेड ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

(2) मिनी इन्टरनेशनल लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-], कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल, 1987

निर्देश सं० टी० आर०-248/86-87/एम० एल०-1290

आई० ए० सी०/ क्यू०/आर०-1 कलकत्ता—अतः मुझे, श्री
आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 71 है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच. में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आर० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

71 पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित मकान का
एक तल्ला में स्पेस नं० 1 ए जो रजिस्ट्रार अथ एम्युनेसेस
के दफ्तर में डी० डी० नं० I-10713 के अनुसार
20-8-86 में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अभिय कुमार मुखर्जी एवं अन्यान्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्री तपन चक्रवर्ती ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश - सं० ए० सी०/रेंज-I/कल/1987—अतः मुझे,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

आई० के० गायेन,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 20 ए० है तथा जो ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, बिम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

20 ए०, ब्रड स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो रजिस्ट्रार अथ एसुरेन्सेस, कलकत्ता के पाम डीड नं० 1-10671 के अनुसार 20-8-1986 में रजिस्ट्री हुआ ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० के० गायेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्वय, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्रमुख कार्य टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-1/कल/1987—अतः मुझे,

श्री आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/1, है तथा जो लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में 1एसी, ए० क्यू० आर०-I/कल०/ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तर-रिती (अन्तरितियों) से भी ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

तः उक्त उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत अर्थार्थ :—

(1) डा० सोमेन घोष ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स डेनिम पारेख कनसोर्टियम प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां शुरू कराए गए हैं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधाएं :—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धि व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के साथ लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त कब्जों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

15/1 लाउडन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (स० आ० अ० ती०) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता के पास निरियल नं० सी० ए० 54 के अनुसार 6-8-1986 में रजिस्ट्री हुआ

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० CA 59/86-87/SL-1293.
I.A.C/Acq. R-I/CaI—अतः मुझे

श्री आई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित

बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 53 ए० है तथा जो मिरजा गालिब
स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय 1ए० सी०, एसीक्यू० आर०-1 कल० में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिगतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—56 GI/87

(1) मेसर्स एम० एम० के० एन्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स लाशी एग्रो इन्डस्ट्रिज प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

53 ए०, मिरजा गालिब स्ट्रीट, कलकत्ता में अब-
स्थित मकान का तिसरा तल्ला में यूनिट नं० 3 ए० जो,
सक्षम प्राधिकारी (स० आ० आ० नी०) अर्जन रेंज-1
कलकत्ता के पास मिररियल नं० सी० ए० 59 के अनुसार
22-8-1986 में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० के० गायेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्रश्न बाह्य : टी० एच० एच०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का. 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षर)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्य० 2/37ईई/8-86/48—

अतः मुखे, अशोक कक्काड़,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26-9 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जमकी सं० आवायि मकान प्लाट नं० 535, ब्लाक बी, न्यू फ्रेंड कालोनी है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेंट रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उसके अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तर्लिखी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा में किया

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जसवंत सिंह 8/25, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस एन सरिन बी-535, क्लक बी, न्यू फ्रेन्ड कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूरे स्तर सम्पत्ति के अर्थन रहे सिंग
कार्यवाहीमा करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप है—

(क) इस सूचना के साक्ष्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

ग्रामीय हाउस प्रापटी प्लॉट नं० 535, ब्लॉक बी,
न्यू फेड कालोनी, नई दिल्ली 471 वर्ग गज।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-

तारीख : 3-4-1987

मोहर :

प्रमुख बाईं टी. एन. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं. आई. ए. 2 एस आर-3-8-86/33—अतः

मुझे, श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो 1/4, गेयर प्रापटी नं० सी-85, तादादी 500 वर्ग गज एन०डी०एस० ई-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) रवि सिंह 43, एनडीएसई-2, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
- (2) श्री जीवन कुमार मेहन, टी-27, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 गेयर प्रापटी नं० सी-85, तादादी 500 वर्ग गज एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-4-1987
मोहर :

प्रमुख भाग. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2, एम० आर०
3-8-86 34—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या है तथा जो सी-85, एन डी
एस ई-2, नई दिल्ली 500 वर्ग गज में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 1987
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उससे द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतर्गती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तब पाया गया प्रवि-
ष्ट भिन्नताओं से उक्त अंतरक विधि के वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरित किया प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्री रवि सिंह सुपुत्र श्री सुरीन्दर जीत सिंह
के-43, एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) राकेश कुमार मेहन सुपुत्र राम देव मेहन टी-27,
ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/4 शेयर प्रापर्टी नं० सी-85, तादादी 500 वर्ग
गज, एन डी एस ई-2, नई दिल्ली।

अशोक कक्कड़

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ब की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

तारीख : 3-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्यू०/एम० आर०-3]

8-86/32—अतः मुझे श्री अशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और ज़िमकी सं० 1/2 प्रापटी नं० सी-86, एन० डी० एम०
ई-2 है तथा जो दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूचित में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली 500 वर्ग गज
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधिन तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सुरेन्द्रजीत सिंह (एच यू एफ) ।

के-43, एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री राम देव मोहन सुपुत्र स्वर्गीय मंगल मेन
मोहन टी-27, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 शेयर प्रापटी नं० सी-2-85, तावादी 500 वर्ग गज
एन० डी० एम० ई०-2, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 3 अप्रैल, 1987
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अप्रैल, 1987

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्ज्यू०/2 एम० आर०-3/
8-86/37—अतः मुझे, श्री अशोक कक्कड़,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 41, है तथा जो काटेगरी 3,
ग्रुप ए, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (और
इसमें उपावद्ध अनुसूचि में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधिन, तारीख अगस्त, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्वोक्त प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित दृष्टिकोण से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती लक्ष्मी दिवान पत्नी श्री डी० एन०
दिवान निवासी काटेज नं०-12, सर्विस एपार्टमेंट
दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री विश्वा बन्धु अग्रवाल पुत्र श्री आर० के० अग्रवाल
निवासी-डी०-1, पन्चशाल एन्कलेव, नई दिल्ली,
और श्री रमेश चन्द अग्रवाल पुत्र श्री रोकी राम
अग्रवाल, निवासी सी०-24, एन० डी० एम० ई०-1,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाह्यता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 41, काटेगरी नं०-3 ग्रुप ए, तादादी
401.34, वर्ग गज, कालिन्दी कालोनी, नई दिल्ली ।

अशोक कक्कड़
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 3-4-1987

मोहर :

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 मार्च 1987

निर्देश सं० 1 अगस्त 86—अतः मुझे, ए०आर० रेड्डी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 8, त्रिवेलयन बेसिन रोड, सौकारपेट,
मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबंध में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सरकार पेट, दम सं० 366/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त
1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब
समाप्त गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में दास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के दन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें अचानक में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

(1) श्रीमती तारा बेन दोशि।

(अन्तरक)

(2) श्री अरूपचन्द्र बोदरा और किरण वाई बोदरा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और सकान-डोर सं० 8, त्रिवेलयन बेसिन स्ट्रीट,
मद्रास-79 (दम० सं० 366/86)।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I (आई/सी), मद्रास-17

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 27-3-1987

मोहर :

प्रथम भाई.टी.एन.एन.-----

(1) ए० पी० मिशन ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शानबाज आशा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास-17

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1987

निदेश सं० 3, अगस्त 86—अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० डोर सं० 28, वेणुगोपाल अवन्थु,
स्पर्टांक रोड, मद्रास-31 है, जो मद्रास में स्थित है (और इसके
अनुबंध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पेरियमेट, दम सं० 815/86 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक 4 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किमा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि के बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 28, वेणुगोपाल अवन्थु,
स्पर्टांक रोड, मद्रास-31, दम सं० 815/86 ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख : 2-4-1987

मोहर :

प्रारूप आर्मा टी एन एस

(1) श्री पी० एस० दयान प्रसाद और 4 अन्यो।
(अन्तरक)

(2) श्री एन० अय्यननादन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचनाको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास-17

मद्रास, दिनांक 2 अप्रैल 1987

निवेश सं० 5/अगस्त/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० डोर सं० 34 और 35, स्वामी नार्इक्कन
स्ट्रीट, चिन्ताद्रिपेट है, जो मद्रास-2 में स्थित है (और इसके
अनुबंध में और पूर्ण रूप वर्जित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, थेरियमेंट दस० सं० 848/86 में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन अगस्त 1986।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से ऐसे अयमान प्रतिफल का
बहुत प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-56 GI/87

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबन्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान डोर सं० 34 और 35, स्वामी
नार्इक्कन स्ट्रीट, चिन्ताद्रिपेट, मद्रास-2 (दस० सं०-348/86)ए० आर० रेड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, मद्रास-17

तारीख : 2-4-1987

मोहर :

प्रकाश आर.टी.एम.एस.-----

(1) श्रीमती मंगलम अनन्ध नारायणन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मललीगा जेयचन्द्रीन ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 मार्च 1987

निदेश सं० 6/अगस्त/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 35 है तथा नौ रोजी रोड, चेटपेट, मद्रास-31 है, जो . . . स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट दस० सं० 959/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकर अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-8-86 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर के लिए की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ग) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्लपित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० 35, नौ रोजी रोड, चेटपेट, मद्रास-31 (दम० सं० 959/86) ।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 24-3-1987

मोहर :

प्रकृत आर्.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 7 अगस्त 86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 3549, जे ब्लॉक सं० 2 बेच
सं० 4 है, जो अण्णा नगर, मद्रास-40 में स्थित है (और
इससे अनुबंध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास चेन्टल-दस० सं० 1112/86
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन अगस्त 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब नामा नवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) डाक्टर पुराणी रामचन्द्रन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पार्वती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाकोप ६—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोद्विस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अपूरणी

भूमि और मकान लाट सं० 3549, जे० ब्लॉक सं०
2, बेच सं० 4, अण्णा नगर, मद्रास-40 (दस० सं०
1112/86)।

ए० आर० रेड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आक्रि आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास-17

तारीख : 7-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० 8/अगस्त/86—अतः मुझे, ए० आर० रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 108, अंगप्पा नाईक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेन्ट्रल दस० सं० 1107/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पी० एस० वीनवयाल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स युटिलिटी बिल्डर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान-सं० 108, अंगप्पा नाईक्कन स्ट्रीट, मद्रास-1 (दस० सं० 1107/86)।

ए० आर० रेड्डी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 (आई सी), मद्रास-17।

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्रमाण वादः टी.एन.एस.-----

भयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 9/अगस्त/86—अतः मुझे, ए० आर०

रेड्डी,

भयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर०एस०सं० 3141/8 (पार्ट) 314/3 (पार्ट) है, जो सं० 11, हार्लेस रोड, किलपाक, मद्रास में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुटसवा-स्कम दस० सं० 1006, 1008 और 1010/86 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त 1986।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवहार प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवहार प्रतिफल से, ऐसे व्यवहार प्रतिफल का लगभग प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुष्ठान जिसमें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अनुष्ठान के संबंध में कर्तव्य करने या उन्हें करने में सहायता के लिए; और/वा

(ख) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य वास्तिकों को जिन्हें भारतीय भाव-कट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भयंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनुष्ठानों के द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) श्री एन० कुमार रटन

श्रीमती जयश्री रटन

एस० पारति रटन और एस० पारवति रटन एस० पी० लक्ष्मीरटन।

(अन्तरक)

(2) अरुण राजकुमार फडिसिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति—

क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

के) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्तकारी के पक्ष लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेपः—इसमें प्रयुक्त सबों और वहाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही बर्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान सं० 11, हार्लेस रोड, किलपाक, मद्रास (दस० सं० 1006, 1008 और 1010/86)।

ए० आर० रेड्डी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास 17

तारीख : 2-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री डी० सुन्दरामुलू ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

(2) श्रीमती यु० शांता कुमारी ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० 3/सेप्टेम्बर/86—अतः मुझे, ए० आर०
रेड्डी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० ए० जी० 3, शांति कालोनी, अरिजट अण्णा नगर है, जो मद्रास-40 में स्थित है (और इसके अनुबंध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर-दस० सं० 2854/86 । में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-8-1986 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बड़ा प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान—डोर सं० ए० जी० 3, शांति कालोनी अरिजट अण्णा नगर, मद्रास ।

(दस० सं० 2854/86)

ए० आर० रेड्डी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वि० के० सोलंकी और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) दशरथलाल ओ० कचेरीया और कोकिला डी०
कचेरीया ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी बम्बई

बंबई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1बी 37-ईई-12496 85-86आई-1बी/46/

86-87—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 1, 3री मंजिल, जयवंत
अपार्टमेंट्स, ताडदेव रोड, दादरकर कंपाउंड, बम्बई-34
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची है और पूर्ण
रूप से विलुप्त है और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम, 1901 की धारा 269 क,ख के अधीन बंबई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
25-8-1986 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी लाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 1, 3री मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट्स, ताडदेव
रोड, दादरकर कंपाउंड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क्र०सं० आई-1बी/37-ईई/10692/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बंबई,

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1बी, बंबई

बंबई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37ईई/12477/85-86 आई-1बी

86 87--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, इमारत
नं० 7बी, नवजीवन को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०,
लॉमिंग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित) है और जिसका करार-
नामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269, क, ख
के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में
रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) ठाकरभाई गुलाबभाई देसाई और श्रीमती
भानूमती टी० देसाई।

(अन्तरक)

(2) भंवरलाल सी० संधवी और उगामेन पारसमल
संधवी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरकों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 26, 7वीं मंजिल, इमारत नं० 7बी, नव-
जीवन को-ओप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लॉमिंग्टन रोड,
बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क्र०सं० आई-1बी-37-ईई/10687/85-
85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 25-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1बी, बंबई

तारीख : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री किशनलाल जैन ।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 ग (1) के अधीन सक्षम

(2) मेसर्स गिता वाग्पोरेशन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश अई-1बी/37ईई-अई-1बी/48/86-87/12469/

85-86-अतं मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

श्री एस.सी. स. कार्यालय स. 103, प्रसाद चेबर्स, अपेरा
हाउस, रॉकसी मिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है (श्री
इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्री पूर्ण रूप में वर्णित है (श्री
जिमका करारनामा आयकर अधिनियम, 1902 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बहिष्कार
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5-56 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बर्ताव/संस्थापना के बाव
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रवृत्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कार्यालय स. 103, प्रसाद चेबर्स, अपेरा हाउस, रॉकसी
मिनेमा के पास, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-1बी/37ईई-10686/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-
8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-4-1987
मोहर

आरूप आई.टी.एन.एम.-----

(1) मेसर्स इंडो मायगन एजेंसी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सञ्चाल

(2) मेसर्स अंकुर एनसपोर्ट इण्डरनेशनल

(अन्तर्गती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1बी/37ईई/12441/आई-1बी/49/

86-87—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 204, दूसरी मंजिल, अमीर इंडस्ट्रियल इस्टेट, सब गिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, त्रिस्तु भागतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे या, लिपान्त में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बावत :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्थात् हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 204, दूसरी मंजिल, अमीर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, सब गिल कम्पाउण्ड, लोअर परेल, बम्बई-13 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10681/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई: टी. एन. एस.

(1) श्रीमती आर. वी. गाहुकार ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल डी. गावा और गुनीन डी. गावा ।

(अन्तरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
पारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं. अई-1बी/37ईई-12437 अई-1बी/50/
86-87-अंत. मुझे, निम्न अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि 'आवर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लेट सं. 401/बी, गोल्ड काउन प्रिमायजल को. -आप. सामायटी लि., ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका कगारनामा बायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया पाया गया प्रतिफल, निर्मालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित हो किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिना भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ महिगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहीं भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के एकपक्ष में प्रकाशन की तारीख

45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के एकपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45

दिन के भीतर उक्त संपत्ति में हितवस्तु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बहिस्तोषारी के राष्ट्र लिखित में किए जा सकेंगे।

सूचीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और चर्चों का, जो उक्त अधिनियम, के बन्धक 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट सं. 404/बी, गोल्ड काउन प्रिमायजल को. -आप. सामायटी लि., ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं. अई-1बी/37ईई/10678 85-86 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निम्न अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 6-4-1987

सोद्गर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई-12412/आई-1बी/51/86-87-अत. मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 20, 6ठी मंजिल, प्रसन्ना आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बेम्ब्रीट रोड, माऊगांव, 7संबई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) डा० ई० एफ० सिल्वेरीया, 2. डा० (श्रीमती) मरीया सिल्वेरीया, और 3. डा० (श्रीमती) आजीना (सिल्वेरीया)।

(अन्तरक)

(2) एल० जे० गोम्स और डी० पी० गोम्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जहाँ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 20, 6ठी मंजिल, प्रसन्ना को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बेम्ब्रीट रोड, माऊगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10669/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 6-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना**बाजार मूल्य**

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1बी/12410/86-87—अतः मुझे,
निसार अहमद,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० कायानय प्रिमायेंस सं० 705, प्रसाद चेंबर्स,
स्वदेशी मिल कम्पाउण्ड, अपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है
और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और
जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269
क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986,को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकर्ता बिलेज के अनुसार अंतरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधानार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नानालाल लक्ष्मीचन्द गहा ।

(अन्तरक)

(2) हर्षद एम० गहा और शरव एम० गहा ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।**अनुसूची**कार्यालय प्रिमायेंस सं० 705, प्रसाद चेंबर्स, स्वदेशी
मिल कम्पाउण्ड, अपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई- 10668
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बी, बम्बई

दिनांक: 6-4-1987

मोहर :

इसका आई.डी.एन.एड.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० अई-1बी/37ईई-12381/अई-1बी/

53/86-87—अतः मुझे, निम्न अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 601, 6ठी मंजिल, अलंकार को०—आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 187, बलराम स्ट्रीट, ग्राण्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269कख अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है दिनांक 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब बाबा बवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अंतरण व ईई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :-

(1) श्रीमती चन्द्राबाई परमराम जमनाली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मज्नाबहेत धिरजलाल तनाजिया और श्री धिरजलाल गुलजीभाई तमलजिया।

(अन्तर्गति)

(3) अन्तरक ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधा :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने वे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशुप किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 601, 6ठी मंजिल, अलंकार को०—आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 187, बलराम स्ट्रीट, ग्राण्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई 1बी, 37 ईई-10657/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निम्न अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक: 6-4-1987

माहूर :

प्रकृष आर्. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1बी/37ईई-12377/अई-1बी/54/

86-87—अत मुझे, निमार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० रजिस्ट्री जो काशी मयद स्ट्रीट, जिसका सी० एम० सं० 330, एफ० पी० सं० 155, मांडवी डिवीजन, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 अगस्त 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्रावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्ग के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती राजा योगेशकुमार गाधिया ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स कनिष्ठा कन्स्ट्रक्शन एण्ड इन्वेस्टमेंट प्रा० लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो काशी मयद स्ट्रीट, जिसका सी० एम० सं० 330, एफ० पी० सं० 155, मांडवी डिवीजन, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1बी/37ईई-10655/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निमार अहमद

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 10-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष बाई-डी. एन. एन. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्वांस, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 अप्रैल 1987

निर्देश सं० अई-1बी/37ईई-12373/अई-1बी/551

86-87--अतः मुझे, निम्नार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 103, पहली मंजिल, भायखला
इमान को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 8, डा० (श्रीमती)
लिला मे विल मार्ग, बम्बई-8, में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
भायकर अधिनियम, 1902 की धारा 269 कख के अधीन
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,
दिनांक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
व्यवहार प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती
(अंतरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

- (1) श्रीमती गिगीबाई वलीमोहम्मद इमा पटेल ।
(अन्तरक)
- (2) श्री हाजी अब्दुल नतिफ हाजी हमम वाटली वाला ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 103, पहली मंजिल, भायखला इमान को०
आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 8, डा० (श्रीमती) लिला
मेलविल मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1बी/37ईई-10651/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-
8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निम्नार अहमद
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 6-4-1987
मोहर :

प्रथम भाई, टी. एन. एस.

(1) श्री मनोहर एम. बेहरानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री महेन्द्र कुमार सोहनलाल जैन और श्रीमती निरु महेन्द्र जैन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निर्देश सं० अई-1बी/37ईई-12336ई-1बी/

86-87—अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 27, इमारत सं० 14, नवजीवन सोसायटी, 7वीं मंजिल, लमिंगटन रोड, बम्बई-7 में स्थित है और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 18-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्यवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाधा प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दे किए; और/या

(ख) एही किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या कि या कि या बाय बाय या धन या धन के सूचना के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-56 GI/87

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रखने किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 27, इमारत नं० 14, नवजीवन सोसायटी, 7वीं मंजिल, लमिंगटन रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1बी/37ईई/10640/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1बी/37ईई-12270/आई-1बी/57/

86-87—अतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित मूल्य रु.
1,00,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 15 और 16, तल माला, ए टाटिया
इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लॉट सं० 7, प्राइवेट स्कीम ग्राफ श्री सिता राम
मिल्स लि०, सी० एस० सं० 72(अश), लोअर परेल डिस्ट्रिक्ट,
बम्बई-13 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करानामा आयकर अधिनियम
1901 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-8-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य पर कर के दायरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गढ़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दायरमान प्रतिफल में, एक उचित प्रतिफल का
अच्छा प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिणी
(अन्तरिणी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कर के अन्तरण के लिए किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मेसर्स मद्राम मरीन प्राइवेट लि०।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स मोनशेर इण्टरप्राइजेस।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के अन्तरक के अर्थ भी बाधक —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में उक्त-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम में आया है, का अर्थ
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट सं० 15 और 16, तल माला, ए टाटिया इण्डस्ट्रि
इस्टेट, प्लॉट सं० 7, प्राइवेट स्कीम ग्राफ श्री सिता राम मिल्स
लि०, सी० एस० सं० 72(अश), लोअर परेल डिस्ट्रिक्ट, बम्बई-13
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1बी/37ईई/10615/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1बी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आइ.टी.एन.एम.-----

(1) एम० के० एम० अब्दुल मलिक ।

(अन्तरक)

(2) गशिया अब्दुल अजोज ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1सी/37 ईई/ 8474/अई०

1-बी/60/86-87--अतः मुझे, श्री निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 601, 6वीं मंजिल, ए-विंग और कार पार्किंग स्पेस नं० 11, जो तल मालेपर, आग्रीपाड़ा राजपूत विला को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, मेघराज रोड टी मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में औ० पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका कारनामा आयकर अधिनियम, 1901 की धारा 269 ग के अधीन बम्बई स्थित प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 8-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हदयमान प्रतिफल के लिए जमा किया गया है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्त हदयमान प्रतिफल से ऐसे हदयमान प्रतिफल के पश्चात् प्राप्त है और बंकरक (बंकरका) और बंकरकी (बन्तरितीयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ठग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(अ) अन्तरण से हुआ किसी भी रूप की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के शायदश में कमी करने या उससे बचने में सुविधा प्रदान

(ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा उक्त अधिनियम के अधीन या किसी भी भाषा में उक्त अधिनियम के अधीन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाही करता है ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अधीन उक्त अधिनियम में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 601, 6वीं मंजिल, ए-विंग, और कार पार्किंग स्पेस नं० 11, जो तल मालेपर, आग्रीपाड़ा राजपूत विला को-ऑप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, 17, मेघराज रोड टी मार्ग, बम्बई-8 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा की क्र० सं० अई-1 बी/37ईई-10638-ए/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा :-

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1बी/37ईई-12436/86-87

—अतः मुझे, श्री निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लॉट नं० 114, विंग-ए, विकास फिल्टे टॉवर्स, परेल टैन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) जे० पी० रिगशिया (हि० अ० कु०)
(अन्तरक)
- (2) क्लारियन एण्ड रटाइव्हिंग सर्विसेस लि०।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॉट सं० 114, विंग-ए, विकास फिल्टे टॉवर्स, परेल टैन्क रोड, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1बी/37ईई/10677/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 23 मार्च 1987

त्रिवेण सं० आई 1बी/10/37-जी 86-87 अतः मुझे,

अंजनी कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सब खुला जमीन का हिस्सा जो, भाड़ूतो सहित
बुकाने जिसको "दाउद बाग न्यू शाप" से पहचाना जाता है।
दाउद बाग शाप, दाउद बाग हॉटल, जयरामजभाय प्रापर्टी,
जमीन, जिसका विस्तार 470.6 चौरस मिटर, 210.6 चौरस
मिटर, 290.9 चौरस मिटर, 989.8 चौ० मिटर, 496.5
चौरस मिटर और 6,900 चौरस मिटर है, जो सुखलाजी स्ट्रीट
और जिसका सी० एस० सं० 224, ताडदेव डिवीजन है।

चौरस है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 21-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तस्क (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावत
हो कभी करों या नुस्खे धरने में सुविधा के लिए
कर/का

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य वास्तवों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के लिए, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) हिज हायनेस डा० सिएदना महमूद बुरुहानुद्दीन
साहेब ।

(अन्तरक)

(2) श्री अमीर अली रशिद जाफर ।

(अन्तरक)

(3) भाड़ूत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सम्बोद्धताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० बाम -1825/86 और
जो, उपरजिस्ट्रार, अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सब खुला जमीन का हिस्सा जो, भाड़ूतो के सहित बुकाने
जिसको "दाउद बाग न्यू शाप" से पहचाना जाता है दाउद
बाग शाप, दाउद बाग हॉटल, जयरामजभाय प्रापर्टी, जमीन
जिसका विस्तार 470.6 चौरस मिटर, 210.6 चौरस
मिटर, 290.9 चौरस मिटर, 989.8 चौरस मिटर, 496.5
चौरस मिटर और 6,900 चौरस मिटर है। जो सुखलाजी
स्ट्रीट और जिसका सी० एस० सं० 224, ताडदेव डिवीजन
है ।

निसार अहमद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1बी, बम्बई

दिनांक 10-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती वासुमती एच० पटेल और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स ठक्कर डेबलोपमेंट्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-4/37ईई/31166/86-87—अतः सुझे,
लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-4/37-ईई/31166/86-87
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका कारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जो स्ट्रक्चर के साथ, जिसका सिटी सर्वे सं०
563,563(1 और 2) जिसका नया सर्वे सं० 130, हिस्सा सं०
4, बिहनेज मालाड, भाद्रन नगर रोड, कांदिवली (पश्चिम),
जिसका विस्तार 708.10 चौंस मीटर है और जिसका
रजिस्ट्रेशन जिला बम्बई शहर और बम्बई उपनगर जिला
में है।

लक्ष्मण दास
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्रकाशक: टी. एन. एन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-4/37-ईई/31106/86-87--प्रतः मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आई-4/37-ईई/31106/86-87--खुला

जमीन का हिस्सा, जो विलेज दहिसर, जिसका सर्वे सं० 28,

हिस्सा सं० 2, सिटी सर्वे सं० 1141, तालूका बोरिवली, बी०

एस० डी० जिसका विस्तार लगभग 1547 चौरस यार्ड है।

याने 1293.6 चौरस मिटर है। जिसका रजिस्ट्रेशन बम्बई

शहर जिला और बम्बई उपनगर जिला में स्थित है।

(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)

और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा

269-ग के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-86,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दायमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दायमान प्रतिफल से, ऐसे दायमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वस्तु, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत के
वायव्य से करी कर ले या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या अन्य अधिनियम या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना वांछित था, रूपान्तरण में परिवर्तन
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रकांत एन० गहा और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री सितागम बी० शर्मा और अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिना
कार्यवाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, तबोहस्तधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय (1) में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगे। न. न. क. 1961 में
दिया गया है।

अनुसूची

सं० आई-4/37-ईई/31106/86-87--खुला जमीन
का हिस्सा, जो विलेज दहिसर, जिसका सर्वे सं०
28, हिस्सा सं० 2, सिटी सर्वे सं० 1141, तालूका बोरिवली,
बी० एस० डी० जिसका विस्तार लगभग 1547 चौरस
यार्ड है। याने 1293.6 चौरस मिटर है। जिसका रजिस्ट्रेशन
बम्बई शहर जिला और बम्बई उपनगर जिला में है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-4/37-ईई/31106/
/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री नवाब खान गनी

(अन्तरक)

(2) मेसर्स भुरिया बिज्डर्स एण्ड डेवलोपर्स ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-4/37-ईई/31283/86-87--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे सं० 143 से 158, 171, 185 से 193, 212 से 215, 218 से 248, इराणीवाडी, हेम कुलकर्णी रोड सं० 4, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंभीर प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृजित के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृजित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"जमीन जिसका सर्वे सं० 143 से 158, 171, 185 से 193, 212 से 215, 218 से 248, इराणीवाडी, हेम कुलकर्णी रोड सं० 4, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37-ईई/31283/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

एक बार, टी. ए. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/31072/86-87—अतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० --मब खुला जमीन का
हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 106, 106, हिस्सा
सं० 5 और सर्वे सं० 107, हिस्सा सं० 5, सी० टी० एम०
सं० 1208 और 1209, सब हक, टायटल क्लेमका फायदा
जो एफ० एम० आय का है। जो लिंकिंग रोड और डी० पी०
रोड को जोड़ने के लिए जो जमीन आरक्षित की गयी है। और
रमत गमत की जमीन और म्युनिमिपल शाला के लिए आरक्षित
की गयी जमीन जो विलेज एक्धार, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-
400 092 में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब-
जिला और बम्बई शहर और बम्बई उपनगर में है।

(और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेमर्स दाणी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) मेमर्स रलहन बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में छिपे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सं० आई-4/37-ईई/31072/86-87 ।

मब खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे सं० 106, हिस्सा
सं० 5 और सर्वे सं० 107, हिस्सा सं० 5, सी० टी० एम०
सं० 1208 और 1209, सब हक, टायटल क्लेमका फायदा
जो एफ० एम० आय का है। जो लिंकिंग रोड और डी० पी०
रोड को जोड़ने के लिए जो जमीन आरक्षित की गयी है। और
रमत गमत की जमीन और म्युनिमिपल शाला के लिए आरक्षित
की गयी जमीन जो विलेज एक्धार, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-
400 092 में स्थित है। जिसका रजिस्ट्रेशन जिला और सब-
जिला और बम्बई शहर और बम्बई उपनगर में है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-4/37ईई/31072/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक . 9-4-1987

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई-12374/85-86—अत.

मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवेचना करने का कारण है
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, उर्वशी, माहिम, बम्बई-25 में
स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 25-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्बात है—

(1) डा० शशीकांत ह्री० वेलींग और श्रीमती शैला
एम० वेलींग ।

(अन्तरक)

(2) रीयल इनवेस्टमेंट को० लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्बात के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्बात के सम्बन्ध में कोई भी वाक्य है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 1, जो दसवीं मंजिल, उर्वशी, एफ० पी०
सं० 914, टी० पी० एम० 4, माहिम, बम्बई-400025 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/10652/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-
5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० के० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती अनुराधा ई० ठाकुर ।

(अन्तरक)

(2) डा० शशीकांत ह्यू० वेलींग और डा० श्रीमती
शैला एस० वेलींग ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक अप्रैल 8, 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई/37552/85-86—अतः

मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, उर्वशी, माहिम, बम्बई-25 में
स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 14-8-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करवा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:— ऊपर प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 3, जो सातवीं मंजिल, उर्वशी, एफ० पी०
सं० 914, टी० पी० एम० 4, माहिम, बम्बई-400025 में
स्थित है ।अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/37552/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।ए० के० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई-37797/85-86—

अतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 131-ए, पुरशोत्तम टावर्स, दादर, बम्बई-28 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 28-8-1986,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकी) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पद्मजा अजित नेहरूकर और श्री अछयूत शंकर नाडकर्णी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अंजली साधूर और श्रीमती रेखा भंडारे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्या करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"प्लॉट सं० 131-ए, जो ए विंग, तेरहवीं मंजिल, पुरशोत्तम टावर्स, प्लॉट सं० 884-885-886, टी० पी० एम० 4, माहिम, गोखले रोड, साउथ, दादर, बम्बई-400028 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई-37797/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-1सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीमती अमृतनेन जमनादास

(अन्तरक)

2. श्री रोहित पी० मेहता और
श्री कृष्णा आर० मेहता

((अन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कर्मवाहिनी करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वादोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाप में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।बालकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयदा बुरखार

अर्जन रेंज 1 सी बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं० आई-1 सी/37ईई/12160/85-86 — अतः मुझे

ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लॉट नं० 13 स्वस्तिक बडाला, बम्बई
31 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
के बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 8-8-1986को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय प्रतिफल के पंद्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-
रितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-(क) अंतरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) इसी किसी काम या किसी भन या अन्य वास्तविकता
को, बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

151 तीसरी मंजिल स्वस्तिक, प्लॉट नं० 151, सीवरी बडाला
रोड नं० 9, बडाला बम्बई 400031 में स्थित है।
अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/सी/37ईई/10610/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक
4-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रकरण नम्बर टी. एन. एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं० अई-1/सी/37ईई/-12380/85-86:— अतः मुझे,
ए० के० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 798 दादर माटुंगा इस्टेट
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269-क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 26-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आगस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बर्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. आर० एण्ड आर० एसोसिएट्स।

(अन्तरक)

2. श्री सेमी लल्ला और
श्रीमती सेमी लल्ला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्तन के
लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्तन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 798 पर प्रीमायसेस जो जमशद रोड,
दादर माटुंगा इस्टेट बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० 'अई-1/सी/37ईई/10656/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1 बी० वाई बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री महमद उर्फ अब्दुल रहमान मिडडे और
श्रीमती जहानारा उर्फ मिडडे

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, दिनांक अप्रैल 1987

सं० आई-1/सी/37ईई/125501/85-86:— अतः मुझे

वि० वि० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इससे
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लट नं० 2 बिल्डिंग नं० 5, वर्ली,
बम्बई में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्या-
लय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 2 जो 12ए मंजील, बिल्डिंग नं० 5, सी०
एम० नं० 868, 1/868, वर्ली, बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्र स० आई-1/सी/37ईई/10695/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० वि० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रे 11-सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

इसका आदेश टी. एन. ए.

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना कायदा अधिनियम

कार्यालय, बहुमूल्य भाषांतर आयोग (निरीक्षण)

अर्जन रज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

सं० आई-1/सी/37ईई-12428/85-86 — अतः मुझे,
वि० वि० गुप्ता,

भाषांतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० 10, बिल्डिंग नं० 20 ए, कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित है) और इसमें उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अधिभार की गई है और इसे यह विश्वास करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया कि अधिभार निम्नलिखित अनुसूची में उक्त अंतरण निश्चित के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी भाव की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक से कमी करने या उसके करने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषांतर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भाषांतर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सेवा समिति को आय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड (अन्तरक)

2. श्री दिलिप दीप चन्द असनानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अधिन की निम्न कार्यवाहियां करावा हों।

उक्त अधिनियम के अधिन के अन्तरक के अन्तरक की वास्तविकता—

(क) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अस्तबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि को भी अधिनियम के अन्तरक को नहीं, के अधिन पूर्वोक्त व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति प्रकाश;

(ख) इस सूचना के प्रकाशन के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दृश्यमान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताक्षरी के पास विहित में किए या सूचीने।

संक्षेपितः :—इसमें प्रकृत सूची और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

शाप नं० 10, बिल्डिंग नं० 20 ए, सेवा समिति को आय हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलीवाडा, बम्बई 400037 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स० आई-1/सी/47ईई/10672/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० वि० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
आयकर आयुक्त निरीक्षण)
अर्जन रज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

अन्वयार्थ. टी. प्र. एफ. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई/12251/86-87— अतः मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 33, दादर सील्वर बीच, ग्राफ सूर्यवंशी एस० मार्ग, बम्बई 28 में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—56 GL/87

1. श्री नवशेरवान मलवाला।

(अन्तरक)

3. श्रीमती परमाबेन के० शाह और श्री प्रेमचन्द के० शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धारा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उसके समन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वि-वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्तगारी की जाए बिना में किए जा सकेंगे।

सम्बन्धित।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही बर्त होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 33, जो दादर सील्वर बीच को-ऑप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ऑफ सूर्यवंशी एस० मार्ग, बम्बई 400028 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37 ईई/10611/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1-सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई-1/सी/37ईई/12122/85-86 --- अतः

मुझे, ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 798, सी० एस० नं० 519/10, दादर माटूंगा, इस्टेट, बम्बई में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किंवा जाना जा रहा था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री खोरशेद मनेकशाह पटेल,
आर्देशीय मनेकशाह पटेल और
विलु झरीर कपाडिया

(अन्तरक)

2. आर० एण्ड आर० एसोमियेट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लॉट नं० 798, सी० एस० नं० 519/10, माटूंगा इस्टेट, बम्बई में है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/सी/37ईई/10606 86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1/37ईई/37488/86-87 -- अतः मुझे,

वि० बि० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 16 ए, श्रवोन अपार्टमेंट, माहीम, बम्बई 16 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. कुमारी शम्पा धरमदेव जेटली,
कुमारी कांता धरमदेव जेटली और
कुमारी मुक्ता धरमदेव जेटली

(अन्तरक)

2. श्री जयन्त बसन्त सराफ,
श्री वसन्त कृष्णा सराफ और
श्री सतीश वसन्त सराफ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी बढ्ति बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 16 ए, जो श्रवोन अपार्टमेंट, 153, वीर सावरकर मार्ग, माहीम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/37488/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बि० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक 8-4-1986

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ईई/12429/85-86 - अतः मुझे,
बि० बि० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या शाप नं० 11, बिल्डिंग नं० 20 ए,
कोलीवाड़ा, बम्बई-37 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम में व्यवमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है

कि वशापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवमान-
मान प्रतिफल से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिफल से
की अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में
क्रियत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. सेवा समिति को आप हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड
(अन्तरक)
2. श्री हन्दुर दीपचन्द असनानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

शाप नं० 11, जो बिल्डिंग 20 ए, सेवा समिति को आप
हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, कोलीवाड़ा, बम्बई-400037
में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-137ईई/10673/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बि० बि० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष माई. ए. ए. ए. ए.

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

साउथ बंगाल

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/सी/37ईई/12351/85-86--प्रतः मुझे,

वि० बी० गुप्ता,

भाष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विधायन करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 1, बिल्डिंग नं० 2, वर्ली,
बम्बई-23 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और
मुझे यह विद्वान

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बहु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
अन्तरित से कभी कटौत या उचित करने से विधि
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के बिना भारतीय डाक-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
विधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कुमारी बेला एन० पारीख

('अन्तरक')

2. कुमारी बीना एन० पारीख

('अन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आपत्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त कच्चा और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो तीसरी मंजिल, बिल्डिंग नं० 2, सी०
एस० नं० 868, 1/868, वर्ली, बम्बई, 400023 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1/सी/37ईई/12361/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
28-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई/12384/85-86—अतः सुखे,
वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 48, मधुवन अपार्टमेंट, प्लॉट नं० 60-61, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार, नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मिलींद ललित कुमार उपाध्याय,
श्री नकुल ललित कुमार उपाध्याय,
और श्रीमती निर्मला ललित कुमार उपाध्याय,
(अन्तरक)
2. श्री सुरेन्द्र कुमार बन्सरधर अग्रवाल।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 48, जो सातवीं मंजिल, मधुवन अपार्टमेंट्स, ए विंग, प्लॉट नं० 60-61, अब्दुल गफूर खान रोड, बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1/सी37ईई/10658/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० वि० कृगुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1/37ईई/12293/85-86—अत. मुझे,

वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 102, 103, 104, बेस्टल 1, बम्बई-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-8-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तःस्थिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. स्काल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड और

दी बोम्बे डाईंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग को० लिमिटेड (अन्तरक)

2. भारत ओवरसीस बैंक लिमिटेड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 102, 103, 104, नेस्टल 1, पांडुरंग बुधकर मार्ग, बम्बई-400025 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई/10626/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई/12278/86-87—अतः मुझे,
वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 78, कर्मा क्षेत्र, सायन (प०),
बम्बई-37 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम, की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 8-8-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कल्पतरू (इण्डो सायगांव) कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड
(अन्तरक)

2. श्री जमना दास नान जी बराई और
श्री दिपक जमनादास बराई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गाया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 78, जो सातवीं मंजिल, बी-2, कर्मा क्षेत्र,
कोमरेड हरबंस लाल मार्ग, शनमुखानन्द होल के पास, सायन
(प०), बम्बई-400037 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/10621/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निर्देश सं० आई-1सी/37ईई/12446/86-87—अतः, मुझे,
वि० वि० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० 4, बी व्हाय अपार्टमेंट, वर्ली,
बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वहापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्गत (अंतरकों) और अंतर्गती
(अंतरितियों) के नीचे ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सन्धि के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—56 GI/87

1. श्रीमती लता कांतीलाल पारेख

(अन्तरक)

2. सुरजभान बाबूलाल अरगवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांटे भीजाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 4, जो वि व्हाय अपार्टमेंट, इमारत नं० 3,
प्लॉट नं० 9, स्कीम नं० 5, वर्ली इस्टेट, बी० जी० खेर
मार्ग, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/10683/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
26-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० वि० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

तारीख : 8-4-1987

मोहर :

धन्यवाद, दो एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-1सी/37ईई/12339/86-87—अतः, मुझे, ए० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विव्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं० जे/3, जे/4 इडन हाल, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है (और इसमें उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1986

को उक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितता) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अक्षरों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से दर्शाया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंटी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविक को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तराती द्वारा उक्त नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कि, में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती माधवी सोबी।

(अन्तरक)

2. श्री फिनिन लोबो।

(अन्तरिता)

को यह सूचना प्रार्थना करके पूर्णतः संपत्ति की बचने के लिए उचित रूप से करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तत्पश्चात् 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यक्त व्यक्तियों को किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

यह सूचना—इसमें पर्यक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 ग में परिभाषित है, नहीं बर्क होगी, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० जे०/3, जे०/4, गेरेंज के साथ, जो इडन हाल, वसवीं मंजिल, लायन को० ग्राम० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, डा० एनी बेसन्ट रोड, वर्ली बम्बई-400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-1सी/37ईई/10641/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-1सी/37ईई/12498/85-86—अतः, मुझे,

वि० बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या यूनिट नं० 1, सर्विस इण्डस्ट्रियल इस्टेट
वर्ली, बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1987
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अंशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसका वर्तमान प्रतिफल से, जिस अंशमान प्रतिफल का
अवशेष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के द्वारा किसी वाय की वास्तविक
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
को कभी करने या उचित करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी वाय या किसी धन या अन्य आस्थितियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, स
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या वा किया जाना चाहिए या, जिसके को इन्हीं
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स नीलम इस्टेट्स।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सोपारीवाला एक्सपोर्ट्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में आई.टी.आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाल
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० 1, जो तत्व मंजिल, ए विंग, सर्विस इण्डस्ट्रियल
इस्टेट, हिन्दू सायकल रोड, एडजॉर्निंग गोपाल नगर सोपड़
पट्टी, वर्ली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-1सी/37ईई/10693/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

अथवा आर्.डी.एन.ए.-----

1. मैसर्स दीपक प्रिंटर्स

(अन्तरक)

2. श्री धीरेण पी० शाह और

श्री पद्मा चन्द सी० शाह

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

निदेश सं० अई-1 सी/37ईई/12482/85-86—अतः मुझे,
वि० बी० गुप्ता,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या यूनिट नं० 14, दी एन्टरप्राइज, प्रभा
देवी, बम्बई-25 में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में रहित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-ब में यथा परिभाषित
है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।यूनिट नं० 14, जो दूसरी मंजिल, दी एन्टरप्राइज को०
आप० प्रीमायसेस सोसायटी लिमिटेड, 308, वीर सावरकर
मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-400025 में स्थित है।अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1 सी/37ईई/10689/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वि० बी० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

एतद् अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 8-4-1986

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं० आई-1/सी/37ईई/12445/85-86— अतः मुझे,
ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 3, बि व्हाय, अपार्टमेंट, वर्ली, बम्बई-18 में स्थित है और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संजय कांतिलाल पारेख

(अन्तरक)

2. सूरजभान बाबूलाल अग्रवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होगी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरणाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 3, जो, बि व्हाय, अपार्टमेंट, इमारत नं० 3 प्लॉट नं० 9, स्कीम नं० 5, वर्ली इस्टेट, बी० जी० खैर, मार्ग, वर्ली, बम्बई 400018 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/सी/47ईई/10852/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, 8 अप्रैल 1987

सं० अई-1/सी/37ईई/12349/85-86— अतः मुझे,

ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 9, माधव अपार्टमेंट, वीर
सावरकर मार्ग, बम्बई 28 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करार
नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
18-8-1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पूर्ण प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मालती एस विद्यार्थी,

(अन्तरक)

2. श्री अणोक कांतीलाल संधानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 9, जो दूसरी मंजिल, माधव अपार्टमेंट, 312,
वीर सावरकर मार्ग, बम्बई 400028 में स्थित।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-1/सी/37ईई/10646/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

दिनांक: 8-4-1987

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. बोनी एन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती कृष्णा वाई चन्द्रराव कदम और
श्रीमती नलीनी हेमन्त कदम

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल 1987

सं. आई-1/सी/37ईई/12341/85-86— अतः मुझे,
ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजुरी फ्लैट नं० 502, शांती कुंज, दादर (पु),
बम्बई 14 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पट्टा प्रतिपादित से अधिक है और (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सप्ताहन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो पांचवीं मंजिल, शांती कुंज, 87
नागगांव क्रोस रोड, दादर (पु), बम्बई 400014 में स्थित
है।

अनुसूची जैसा कि सं. आई-1/सी/37ईई/10643/85
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
18-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

बी० बी० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

सं० आई-1/सी/37ईई/37798/85-86— अतः मुझे,
ए० के० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लेट नं० 132 ए, पुरुषोत्तम टावरम,
साउथ दादर, बम्बई-28 में स्थित है (अंग्रे इसमें उपावृद्ध
अनुसूची में अंग्रे पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख
28-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अजीत विष्णू नेहरूकर और
श्री अछयू णंकर नाडकर्णी,

(अन्तरक)

2. श्रीमती रेखा भण्डारः

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
अर्थात् बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 132 ए, जो ए बिग, तेहरवीं मंजिल, पुरुषोत्तम
टावरम, टी० पी० एम० 4, माहीम, प्लेट नं० 884-85-
86, आफ गोखले रोड, साउथ दादर, बम्बई 400028 में
स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-1/सी/37ईई/37798/
85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
28-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० के० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

तारीख : 8-4-1987

मोहर :

वस्तु बाहर. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

सं० अई-3/38ईई/17/86-87—अतः मुझे, वि०
बि० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या न्यू सर्वे० नं० 1/2019, 1/2020,
3/4/2020, सी० एस० नं० 75, दादर डायमण्ड, डिविजन,
बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 22-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहायता
के लिए, और/या

(ख) पूर्ण किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा
किया जाना चाहिए था छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अहमद सविन अल्लाबा,
फजल हमीम अल्लाना,
कुमारी अमिना हविन अल्लाना

(अन्तरक)

2. बी बी ई० एस० टी० बर्कर्स यूनिट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा जिसका न्यू सर्वे नं० 1/2019,
1/2020, 3/4/2020, सी० एस० नं० 75, दादर नारायण
डिविजन, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 149/82 और जो उप
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-1986 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वि० बि० गुप्ता,

, सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),
अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987.

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 सी, बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 अप्रैल, 1987

सं० आई-3/37ईई/जी/18/86-87:— अतः सूची, वि०

बी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या अपार्टमेंट, नं० 8, (अब नं० 302),
पार्वती बिल्डिंग, प्लॉट नं० 12, स्कीम नं० 6, रोड नं० 5,
सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अके
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
के अधीन, तारीख 23-10-1986 ?

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसी अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
नहीं करी कर रहे या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री योगिनी भारतकुमार मेहता

(अन्तरक)

2. श्री जसवन्ती काती लाल संघवी और

श्री विजय काती लाल संघवी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अपार्टमेंट नं० 8 (अब नं० 302), पार्वती बिल्डिंग,
तीसरी मंजिल, प्लॉट नं० 12, स्कीम नं० 6, रोड नं० 5,
सायन म्युनिसिपल गार्डन के सामने, सायन अस डिपो के पीछे,
सी० एस० नं० 287/6, सायन (प०), बम्बई 400022 में
स्थित है।

अनुसूची जसा दि० विलेख नं० 1169/85 और जो उप
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-10-1986 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वि० बि० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रकट नम्बर टी० एन० एस० ७७३३-८८

1. एच० एम० एस० लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. कल्पतरु हेबिटेड।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

सहायक आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जुन रंज 1, बम्बई

बम्बई, विनांक

सं० अई-3/37ईई/3923/86-87— अतः मुझे, वि०
बि० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या फायनल प्लॉट नं० 382, टी० पी० एस०
नं० 3, आफ लेडी जमशेदजी रोड, माहि, बम्बई में स्थित
है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

1-10-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के व्यवधान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसकी व्यवधान प्रतिफल से ऐसे व्यवधान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित अनुबंध के अन्तर्गत निश्चित
के वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी भाग की वास्तविक अन्त-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अधिकार से
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए
कर/वा

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के अन्तर्गत बन्धित हो जाय प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति से अंतरण के लिए
अनुमति प्राप्त हुई है।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्गत के संबंध में कोई भी बाधक है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उत्तमवन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि बाध में बन्धित होती है, के बीच पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के बीच उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोद्घातकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

समाप्ति:—इसमें प्रयुक्त वर्णों और पंक्तियों का, को उक्त
अधिनियम, के बन्धन 20-क में परिभाषित है,
वही वर्ष होगा जो उक्त बन्धन में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका फायनल प्लॉट नं० 382,
टी० पी० एस० 3 आफ लेडी जमशेदजी रोड, सी०
एस० नं० 756, माहिम, बम्बई है

अनुसूची जमा कि विलेख नं० 2437/86 और जो उप
रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 1-10-1986 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

वि० बि० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रंज 1 सी, बम्बई

दिनांक : 8-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल, 1987

सं० आई-2/37ईई/37184/85-86:— अतः मुझे, के०

सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लेट नं० 52, बान्द्रा, सिब्रेझ अपार्टमेंट्स
को आप हाउ० सोसा० लि०, 50 बुलक रोड, बान्द्रा में स्थित
है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा
269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसके वर्धन में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्:—

1. श्री सरोज होरमस जी बाटलीवाला।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश एस० वर्मा और
श्रीमती दीप जे० वर्मा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्धन के संबंध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही बर्त होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 52, बान्द्रा सिब्रेझ अपार्टमेंट्स को आप हाउसिंग
सोसायटी लि०, 50, बुलक रोड, बेन्डस्टड, बान्द्रा (ख०),
बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जमा कि क्र सं० आई-2/37ईई/37184/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के सी० शाह,
सक्षम प्राधिकारी,
महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) स्विटा इण्टरप्रायजेस (मालक—श्रीमती क्षरीना एस० मर्चेंट)

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एच० के० गोसर और श्री एच०एस० गोसर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37215/86-87—अतः

मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० बी/बी, न्यू कमल को० ग्राप० हाऊस सोमायटी लि०, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

“दुकान सं० बी/बी, तल माला, न्यू कमल को०—ग्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 248, लिफ्टिंग रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-2/37ईई/37215/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

(अन्तरक)

(अन्तरिती)

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37289/86-87--अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 77-ए, सेंट जान बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 8-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके छयमान प्रतिफल से ऐसे छयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वेय से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिदि :--

- (1) श्री एन० जी० गोराडिया (हि० अ० कु०)
(अन्तरक)
- (2) ग्लायन्स केमोटैक्स इण्डस्ट्रिज लिमिटेड ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 77-ए, मोना लिसा (पश्चिम) को०-ग्रॉप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सेंट जान बाप्टिस्ट रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37289/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987
मोहर :

प्रथम भाग, टी. एन. एच.

(1) श्री एन. एन. भोजवानी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं. अई-2/37ईई-37301/86-87—अतः मुझे,
के. सी. शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. फ्लैट जो 4थी मंजिल पर, बिब्वाना अनेक्स,
सर्वे सं. 257, एच. सं. 4, दांडा, पाली हिल रोड, बांद्रा,
बम्बई, कार पार्किंग स्पेस और टेरेस के साथ में स्थित है और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
8-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवसाय प्रतिफल से, ऐसे व्यवसाय
प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की वापस, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
ने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
था या कि वा वा प्राप्ति या छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती कुसुमरानी मारवाह और श्री संजीवकुमार
मारवाह ।

(अन्तरिती)

(3) निब्वाना को.—आप. हाउसिंग सोसायटी लि.।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के लिए
कार्यवाहियां कराया

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों या
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट जो 4थी मंजिल पर, निब्वाना अनेक्स, प्लॉट जिसका
एस. सं. 257, हिस्सा सं. 4, दांडा, पाली हिल रोड, बांद्रा,
जो कार पार्किंग स्पेस और टेरेस के साथ, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र. सं. अई-2/37ईई/37301/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के. सी. शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजेंन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37314/86-87--अतः मुझे
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल ले०-पे०-पेयान
माउण्ट मेरी रोड, बांद्रा बम्बई-50 में स्थित है और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका
कारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक
8-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बासविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्स चपालाल के० वर्धन एण्ड कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुनील कान लखानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, या भी
अवधि जब में समाप्त होता है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल ले०-पे०-पेयान माउण्ट मेरी रोड,
बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37314/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजेंन रेंज-2 बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री अजित के. सेठी ।

(अन्तरक)

(2) श्री भवर्गल ए० मुंध्रा ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37331/86-87--अत' मुझे
के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 9 हरी भवन, लाट सं० 263
बांद्रा (प) बम्बई-50 (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 8-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 9 हरी भवन 30वां रोड, लाट सं० 263,
टी० पी० एस० 3, पहली मंजिल, बांद्रा (प), बम्बई-50 में
स्थित है

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37331/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 8-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

हकूमत, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37438/86-87—अतः सुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लेट सं० 13, 13वीं मंजिल, क्लिफ टावर
माउंट मेरी रोड और काणे रोड का जंक्शन, बांद्रा बम्बई-
50 में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), और जिसका कथारनामा आयकर अधिनियम की
की धारा 269 कब्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अतिरिक्त की गई

है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्ध प्रतिफल से अधिक है और अंत-
रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंत-
रण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अंतरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती तूरजहां बी० कामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री जी० आर० परेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्चन के निम्न
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के वर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट सं० 13, 13वीं मंजिल, क्लिफ टावर, माउंट मेरी
रोड और काणे रोड का जंक्शन, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37438/86-
87 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

रक्षक बाई.डी.एस.एस.,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई-37448/86-87—अतः मुझे

के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दि० जे० डी० अल्वेसप्रिमायसेस को०—आप०
हाउसिंग सोसा० लि० हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है
और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,
दिनांक 14-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
गन्तु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित
न वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय बाव-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बाव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
न, न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती मरीया ए० ई० बोकारो ।

(अन्तरक)

(2) 1. नोरंगलाल मुंधा और 2. गायत्रीदेवी मुंधा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निम्न
कार्यवाहियां शुरू करता है ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

“दि जे० डी० अल्वेसप्रिमायसेस को०—आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, (लाट सं० 27(अंश), टी० पी० एस० -4,60
ए/बी, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/37448/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-
8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रंजन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई-37516/86-87—अतः मुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 12, मिल्टर राक को०-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 14-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एवं अंतरण के लिए तय ब्याज तथा
व्याज प्रतिफल निम्नलिखित सड़बसेब से उक्त अंतरण विधि से
वित्तीय रूप से अधिक नहीं किया गया है।—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व
में किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री माधव कृष्णासोमण ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती पुष्पा एस० बदीयानी ।

(अन्तरिती)

(3) एम० के० सोमण और परिवार ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति में अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्मीकण्ठः—इसमें प्रयुक्त शब्दों की उपाय का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, नहीं बर्ण होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 12, 6ठी मंजिल, मिल्टर राक को०-आप०
हाउसिंग सोसायटी लि०, 59-59ए, टर्नर रोड, बांद्रा (प),
बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/37516/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-
8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आयरन नायर ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

आयकर अधिनियम

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37546/86-87—अतः मझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, मासाबायेल, सी० टी० एस० सं० 496, बांदा (प), बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी धन का अर्जन. उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तरक से कभी करने का उद्देश्य इसमें से निष्का के लिए. और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिका के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि का भी अवधि पास में सभाय होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों का या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, 5वीं मंजिल, निर्माण धीन इमारत, मासाबा-येल, सी० टी० एस० सं० 496, मैन्युअल गोनपाल्वीज रोड और सेंट एन्थोनी रोड का जंक्शन, बांदा (प), बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37546/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्रत्यक्ष आई.टी.एन.एन.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37591/86-87---अतः मझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, 8वीं मंजिल, सी० क्रोफ्ट,
शेर्ली माला रोड, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका
करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक
18-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अनुवृत्ति प्रतिपादित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, अज्ञान में मन्त्रित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनी धारा 269-ख के अनुसरण
के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख का उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूनम हिरानन्द बजाज, श्रीमती बन्दना
श्रीचन्द्र बजाज और श्रीमती काजल लखमीचन्द्र
बजाज ।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेन्द्र सेठ और श्री राजेन्द्र सेठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों से स किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में मूल-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताओं के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा और यहाँ का; या उक्त
अधिनियम के अध्याय 21-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 3, 8वीं मंजिल, मनिश मि क्रोफ्ट, शेर्ली माला
रोड, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37591/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37547/86-87—अतः

मझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल, मांभावेयल, एम०
गोन्ताल्वी रोड और सेंट एन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा
(प), बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 14-8-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था,
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेपर्स परेरा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० पी० कारडोस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तदनुबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 1, 6ठी मंजिल, निर्माणाधीन इमारत, मांभा-
वेयल, सी० टी० एम० सं० 496, मैन्सुल गोन्ताल्वीज रोड
और सेंट एन्थोनी रोड का जंक्शन, बांद्रा (प), बम्बई-50 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37547/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
14-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स अलंकार इंटरप्राइसीस ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री एस० सी० अग्रवाल और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निवेश सं० आई-2/37ईई-37641/86-87--अतः मुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 502 गाड्स गिफ्ट, प्रोफेसर अल्मेडा
रोड बांद्रा (प) बम्बई-50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा
आयकर अधिनियम की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 21-8-1986,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य जास्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—56 GI/87

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

फ्लैट सं० 502, गाड्स गिफ्ट, प्रोफेसर अल्मेडा रोड, बांद्रा
(प), बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37641/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-4-1987

मोहर :

प्रकल्प बाई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती मुक्ता चन्द्रशेखर राव ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री मोहमदअली हुसैन बारदानवाला और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए
कार्यवाहियां करती हैं।

निदेश सं० अई-2/37ईई-37688/86-87—अत मुझे,
के० सी० शाह,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० दि बांद्रा ओसिएन व्ह्यूको-ऑप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, 19, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269
क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 22-8-1986

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है

स्पष्टीकरण :—उपरोक्त प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अंतरक (अंतरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
जबदर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में गम्भीर रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन आय से के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

फ्लैट सं० 19, 1सल राड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित
है ।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-2/37ईई/37688/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक : 9-4-87

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37704/86-87—अत मुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 3, तल माला, फ्रेंडशिप बांद्रा को०—
आप० हाउ० सोसा० लि०, 23वां रास्ता, बांद्रा, बम्बई-50
में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है और जिसका करानामा आयकर अधिनियम की धारा 269
कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री
है, दिनांक 9-4-1986.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
संग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विहित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपभाग (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जेकब मथाई ।

(अन्तरक)

(2) श्री आयबन सरत ओलिवेरा फर्नांडीस और श्रीमती
आर० एम० फर्नांडीस ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

(4)

(वह व्यक्ति जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि
वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जानने करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 3, तल माला, फ्रेंडशिप बांद्रा को०—आप० हाउसिंग
सोसायटी लि०, प्लॉट सं० 54-ए, 23वां रास्ता, टी० पी०
एस०-3, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई-2/37ईई/37704/85-
86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 9-4-1987

मोहर

पुस्तक, आवक, खरीद, पुस्तक, पुस्तक, www.mca.gov.in

(1) साकीन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

माधवार अधिवेशन, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती मेरी लिसबोअ ।

(अन्तरिती)

आगत वृत्तान्त

कार्यालय, सहायक मायकर मायकर (मिनीजरी)

करी गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।'

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई-37716/86-87-—अतः मुझे,
के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट नं० 203, ग्रीन स्टार, रिजर्वी काम्प्लेक्स, शोर्ली, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचीसे में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 काबू के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-8-1986

अब पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिली (अन्तरिलियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है २—

(क) बंतरक से हुई किसी जाय को वास्त, उक्त कर्मिबन्धन को अधीन कर देने से बंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को बिना भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जब-कहू अधिनियम, 1957 (1957 का 27) या प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सचिवा में दिए।)

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

सकल सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

મનસાથી

फ्लैट सं० 203, ग्रीन स्टार, रिजवी काम्पलेक्स, शेर्ली, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37716/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा बिनांक 22-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

वक्ष्य बाई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (i) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37ईई-37730/86-87—अत. मुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 51, मेंट सबस्टिन होम्स को०—
आप० सोसायटीज, प्लॉट सं० 1, 1, रिबेलो रोड, बांद्रा,
बम्बई-50, में स्थित है और इससे उपायुक्त अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधि-
नियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 24-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जी० आर० परेरा और 3 अन्य ।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पटेल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांत्यताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 51, सबस्टिन होम्स को०—आप० सोसायटी
प्लान सं० 1, 1, रिबेलो रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित
है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-2/37ईई/37730/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

प्राकृष भाई डी.एन.एच.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० अई-2/37ईई-37733/86-87—अत मुझे,
के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- ₹ से अधिक है

और जिसकी सं० प्लेट सं० 8, ओसिएन व्ह्यू, 19, हिल रोड,
बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, दिनांक 22-8-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एकद्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शायी गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाबिल के कमी करने या उससे बचने के सुविधा
के लिए; और/वा

ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थात् :—

(1) श्री रमजानअली मोहनभाई दरेडिया ।
(अन्तरक)

(2) श्री टी० बबुरद्दीन जे० बबानी और जिवाभा
एम० बबानी ।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरितियों ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के दि
कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उ
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में कि
गया है।

अनुसूची

प्लेट सं० 8, ओसिएन व्ह्यू, 19, हिल रोड, बांद्रा, बम्बई-
50 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० अई-2/37ईई/37733/86-
87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 22-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक 9-4-1987
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 9 अप्रैल 1987

निदेश सं० आई-2/37-जी/3907/अगस्त 1986—

अतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
69-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
उत्तरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
, 00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जो, बंमारा हिल रोड,
मिर्जा, जिसका सिटी सर्वे सं० ए/640, म्युनिसिपल अण्डर सं०
24/76, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री है दिनांक 21-8-1986

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) 1. कुमारी मिठू दादी बाक्सटर, 2. कुमारी सिकल
दादी बाक्सटर 3 कुमारी रोगन दादी बाक्सटर,
4 कुमारी हिल्लू दादी बाक्सटर और 5. कुमारी
रबी दादी बाक्सटर ।

(अन्तरक)

(2) श्री निखिल ईश्वरलाल खान्डवाला ।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० 1996/86 और जो,
उपरजिस्ट्रार, अधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1986
को रजिस्टर्ड किया गया है ।

के० सी० शाह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक : 9-4-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रकरण आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वाय० पी० सेठी ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

(2) मैसर्स मिडास स्टील प्रोसेस प्राइवेट लि० ।

(अन्तरिती) *

बाह्य प्रकाश

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अ.न. रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41344/8-87-अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० गाला सं० एच और आई०, कांजूर को०-अप०
इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०, क्वारी रोड, भांडुप, बम्बई-400 078
में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री ई, दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की दरमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
नसके दरमान प्रतिफल से ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्नाह
अतिरिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन का अन्य जातिबों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों, यह
सूचना को तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

गाला सं० एच० और आई०, कांजूर को०-अप० इण्ड-
स्ट्रियल इस्टेट लि०, क्वारी रोड, भांडुप, बम्बई-400 078
में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41344/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक
1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० अई-3/37-ईई/41359/86-87—अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट्स जो निर्माणाधीन नियोजित इमारत
में, बोली, गटीला विलेज, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और
जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा
269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
अधिक प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी बाय की वास्तविक, उक्त
अधीनस्थ के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
नहीं करी कर दे या उक्त कर देने के विषय में किए;
की/या

(ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या किया जाने में
प्रतिषेध के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसार
है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन है—

13—56GI/87

(1) भैंसरी नीलकण्ठ कारपोरेशन ।

(अन्तरक)

(2) सल्फर रिफायनरी प्राइवेट लि० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्चन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त इमारत सम्पत्ति में हितवन्धु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोग्यताप्राप्ति के साथ
लिखित में किए या करने के।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्लैट्स जो निर्माणाधीन नियोजित इमारत में, बोली,
गटीला विलेज, चेंबूर, बम्बई-71 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41359/
6-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

प्र० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41362/86-87—अतः मुझे,

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
धसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० राईट्स, टायटल और इण्टरेस्ट आफ वेंजर्स
अज लिजिस, सम्पत्ति जो बोर्ला, गाटला विनेज, चेंम्बूर, बम्बई-
400 071 में स्थित है ।

रिविशन सं०	सब प्लॉट सं०	प्रेसेंट सं०	हिस्सा सं०
83	—	10	—
88	3	—	1
88	4	—	0
88	4	2	0
88	4	4	0
88	4	6	0
89	9	0	0

में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) और जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961
की धारा 269-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिणी
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय गाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचन, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सल्फर रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक

(2) गेम्स लिमिटेड कारपोरेशन ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

राइट्स, टायटल और इण्टरेस्ट आफ वेंजर्स अज लिजिस,
सम्पत्ति जो बोर्ला, गाटला विनेज, चेंम्बूर, बम्बई-400 071
में स्थित है ।

रिविशन सं०	सब प्लॉट सं०	प्रेसेंट सं०	हिस्सा सं०
83	—	10	—
88	3	—	1
88	4	—	0
88	4	2	0
88	4	4	0
88	4	6	0
89	9	0	0

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41362/-
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. ए.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41415/86-87—अतः

मुखे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्यमान करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय सं० 9, दूसरी मंजिल, बसंत विहार,
कमर्शियल सेंटर, बसंत टाकीज के पास, चेम्बूर, बम्बई में स्थित
है) और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
शेष प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से स्वीकृत नहीं पाया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के सिद्ध; आई/बा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भारत अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिद्ध;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) बसंत विकास डेवलपर्स।

(अन्तरक)

(2) भिपीशन ट्रेडर्स प्राइवेट लि०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवशु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपाहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संकेतित है कि इस सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति
अधिनियम के अन्तर्गत 20-क में परिभाषित
है, 1922 का अधिनियम के अन्तर्गत अर्थात्
अतः है।

अनुसूची

कार्यालय सं० 9, दूसरी मंजिल, बसंत विहार कमर्शियल
सेंटर, बसंत टाकीज के पास, चेम्बूर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/411415/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

- (1) श्री रमेश वरदास चेतसुख अग्रवाल और अन्य ।
(अन्तरक)
- (2) डायमण्ड बिल्डर्स ।
(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41437/86-87—अतः मुझे;

ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सी० टी० एस० सं० 6927, 6928, 6929, 6930, 5579ए, 5579बी, 5580, 5581 और 5582, कोले कल्याण, सी० एस० टी० रोड, सांताक्रुज, बम्बई में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सी० टी० एस० सं० 6927, 6928, 6929, 6930, 5579ए, 5579बी, 5580, 5581 और 5582, कोले कल्याण, सी० एस० टी० रोड, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41437/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिस्तः—

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) मेसर्स एम० एम० इण्टरप्राइजेस ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एम० एम० एस० इंजीनियर्स ।

(अन्तरिती)

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37ईई/41542/86-87—अतः मुझे,
मुझे ए० प्रसाद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट सं० 1, तल माला, विरवानी
इण्डस्ट्रियल प्रिमायमेस को०-ग्राप० सोसायटी लि०, मोरेगांव
(पूर्व), बम्बई-63 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269-क के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-
1986,

जो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवस्था
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और यह विश्वास
करने का कारण है कि गन्नापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके समान प्रतिफल से, ऐसे समान प्रतिफल का
उत्पन्न प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
होना चाहिए, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय भाष-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
संशोधित अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
प्रयत्नशील करार हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्वय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जहां उक्त अधिनियम में दिया
गया है।

अनुसूची

"यूनिट सं० 1, तल माला, विरवानी इण्डस्ट्रियल प्रिमायमेस
को०-ग्राप० सोसायटी लि०, मोरेगांव (पूर्व), बम्बई-63 में
स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41542/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

ग्रुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० अई-3/37-ईई/41656/86-87---अत.

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन का हिस्सा जिसका विस्तार लगभग
4581.15 चौरस मीटर है। जो, चेन्नूर बम्बई में स्थित
है। और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की
धारा 269-घ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के
कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए उन्तर्गत की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंगे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय का बावत, उक्त
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) मेरी लैण्ड कन्स्ट्रक्शन कम्पनी (प्रा०) लि०।
(अन्तरक)

(2) मेसर्स गुडविल कन्स्ट्रक्शन्स।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका विस्तार लगभग 4581.15
चौरस मीटर है। जो चेन्नूर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41656/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-3, बम्बई

दिनांक 10-3-1987

मोहर :

प्राकृत्य आई. टी. एन. एस.....

(1) श्री मोपाली धर्म वाग्वली और अन्य ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

(2) गेम्स जयन्तीनाल इन्वस्टमेंट्स ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41690/86-87—अनः

मुझे ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन जिसका सर्वे सं० 9, हिस्सा सं० 2, सर्वे सं० 10, हिस्सा सं० — और सर्वे सं० 7, हिस्सा सं० 2, सी० टी० एस० सं० 346, विलेज पहाडी, गोरगांव, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम बंधुधर्मानुसार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था कि या ऐसी सम्पत्ति से सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपाबद्ध स्थावर सम्पत्ति के पक्ष लिखित में किया जा सकेगा ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

“जमीन जिसका सर्वे सं० 9, हिस्सा सं० 2, सर्वे सं० 10, हिस्सा सं०— और सर्वे सं० 7, हिस्सा सं० 2, सी० टी० एस० सं० 346, विलेज पहाडी, गोरगांव, बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41690/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 01-08-86 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) रेखाचन्द लक्षाराम रामचन्दानी ।

(अन्तरक)

(2) प्रिया कन्स्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41691/86-87--अतः

मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० इमारत सं० 3ए और ए-4, प्लॉट जिसका
सर्वे सं० 132, 133, हिस्सा सं० 1 (अंश), 134 हिस्सा
सं० 1 और सर्वे सं० 135 हिस्सा सं० 111 (अंश), शास्त्री
नगर, एल० बी० एस० मार्ग, घाटकोपर (प), बम्बई-86
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिकोण
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
यन्त्रप्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उप
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
न मिले, और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी भन या अन्य आस्तियों
को बिना भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए, या, दिनांक से संबंधित

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

इमारत सं० 3ए और ए-4, प्लॉट जिसका सर्वे सं० 132
133, हिस्सा सं० 1 (अंश), 134, हिस्सा सं० 1 (अंश)
और 135, हिस्सा सं० 111 (अंश), आफ एल० बी० एस०
मार्ग, शास्त्री नगर, घाटकोपर (प), बम्बई-86 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० आई-3/37-ईई/41691/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रमुख बाबू.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

प्रारम्भ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/41742/86-87—अतः

मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा जो बंगला टेनामेंट और स्ट्रक्चर्स के साथ प्लॉट सं० 9 प्राइवेट स्कीम शास्त्री नगर ट्रिमलैण्ड सोसायटी मुलुंड (प) जिसका पहला सं० 5 बी० आई० 145 (अंश) और अब सिरीग्रल सं० 146/ए2 सिटी सर्वे सं० 260 (अंश) और टिक्का सं० 40 मुलुंड (प) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-8-1986

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम की व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मग यह विश्वास करने का कारण है कि बहापूर्णतः सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके व्यवधान प्रतिफल से, ऐसे व्यवधान प्रतिफल के यह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किवा बचा है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा न मिले; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें वास्तविक आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित होने का प्रकट नहीं किया गया था या किवा जाना चाहिए था, विभागे में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

14—56 GI/87

(1) श्री धर्मपाल बी० चौधरी और अन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र पी० सोमैया और अन्य ।

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्णतः सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पाठ लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन का हिस्सा जो बंगला टेनामेंट्स और स्ट्रक्चर्स के साथ प्लॉट सं० 9 प्राइवेट स्कीम पहला जिसका सं० 5बी आई 145 (अंश) और अब सिरीग्रल सं० 146/ए2 और सिटी सर्वे सं० 260 (अंश) और टिक्का सं० 40 शास्त्री नगर ट्रिमलैण्ड सोसायटी मुलुंड (प) बम्बई में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41742/86/87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रकाश बाई. टी. एन. एम.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आयकर सहायक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निर्देश सं० अई-3/37-ईई/41799/86-87—अन:

मुझ ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 लाख 10 हजार/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० जी, सर्वे सं० 329 हिस्सा सं० 8 और सी० टी० एस० सं० 433 जिसका म्युनिसिपल वार्ड सं० पी० 6911 और पी 6912 आनन्दीलाल पोदार रोड, मालाड (पूर्व), बम्बई-64 में स्थित है (और इससे लपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-8-1986

का पत्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दखलाने प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दखलाने प्रतिफल से, ऐसे दखलाने प्रतिफल के कुछ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित पत्रोक्त रूप से उचित नहीं किया गया है :-

उक्त अन्तरण से हुई किसी एक को अन्तरक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारण से किया करने या अन्तरक अन्तरक के अन्तरक से अधिक/अन

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरक धारा 269-ब, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) बि लेट बैंक पंडित हरी प्रपन्ना
आयुर्वेदिक चैरीटेबल ट्रस्ट ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स खंडेलवाल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना के तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिग्रहणकारी के पास लिखित में आया या करे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बन्धन 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त बन्धन में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० जी, सर्वे सं० 329 हिस्सा नं० 8 और सी० टी० एस० सं० 433 जिसका म्युनिसिपल वार्ड सं० पी० 6911 और पी० 5912 आनन्दीलाल पोदार रोड मालाड (पूर्व) बम्बई-64 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41799/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

[ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

प्रकट बाई.टी.एन.एन.-----

(1) श्री आर० के० लाडसारीया ।

(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश सी० कामदार और अन्य ।

(अन्तर्गति)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 मार्च 1987

निवेश सं० अई-3/37-ईई/41850/86-87—अतः मुझे,
ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इससे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट सं० 4912 इमारत सं० 178 पंत
नगर, वेस्ट फ्रेंड्स को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० घाट-
कोपर बम्बई में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक
1-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बम्बई प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
रखा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(ग) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में हविषा
के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या यह किया जाना चाहिए था, छिपाने में हविषा
के लिए;

अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्ति

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिये
गये हैं।

अनुसूची

"फ्लैट सं० 4912 इमारत सं० ए-178 पंत नगर
वेस्ट फ्रेंड्स को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि० घाटकोपर
बम्बई-75 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्र० सं० अई-3/37-ईई/41850/
86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-
1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 31-3-1987

मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) मेसर्स जी० निलायम एण्ड कंपनी ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री टी० भास्कर शेट्टी और अन्य ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 मार्च 1987

निदेश सं० आई-3/37-ईई/41613/86-87--अतः

मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1-00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान सं० 3 तल माला माधव अपार्टमेंट-जवाहर रोड घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकत्र नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान सं० 3 तल माला माधव अपार्टमेंट, जवाहर रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि सं० आई-3/37-ईई/41613/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 10-3-1987

मोहर :

सघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अक्तूबर, 1987

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1987

स० एफ० 8/2/87प-I (ख)—सघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित कोर्सों में प्रवेश हेतु 18 अक्तूबर, 1987 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा आयोजित की जाएगी—
कोर्स का नाम तथा रिक्तियाँ की संभावित सं०

(1) भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून, जुलाई 1988 में प्रारम्भ होने वाला 85वाँ कोर्स) एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध) "सी" प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवारों के लिये आरक्षित 32 रिक्तियाँ सम्मिलित हैं। 150*

(2) नौ सेना अकादमी, गोवा जुलाई 1988 में प्रारम्भ होने वाला कोर्स) 43*

(क) समान्य सेवा

(एन० सी० नौ सेना स्कन्ध "सी" प्रमाणपत्र-धारियों के लिए 6 आरक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं।) 32*

(ख) नौ सेना विमानन

(3) वायु सेना ए० एफ० स्टेशन बेगमपेट, त्रिकुल्लराबाद जुलाई, 1988 में प्रारम्भ होने वाले उच्चान पूर्व प्रशिक्षण कोर्स आर्थात् न० 144 एफ० (पी०) (कोर्स) 40*

(4) अधिकारी प्रशिक्षण शाला, मद्रास [अक्तूबर, 1988 में प्रारम्भ होने वाला 48वाँ एम० एम० सी० (एन० टी०) कोर्स)] 262*
*उपर्युक्त सख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। इसमें प्रशिक्षण क्षति सम्मिलित है।

म्यान दे (1) (क)—उम्मीदवार से यह अपेक्षा की जाती है कि वह आवेदन पत्र के कालम 9 में यह स्पष्ट उल्लेख करे कि वह सेवाओं के अपने वरीयता क्रम से किस क्रम पर विचार किए जाने का इच्छुक है। उन्हें यह भी परामर्श दिया जाता है कि वह नीचे पैरा (ख) में बताई गयी शर्तों के अनुसार जितनी वरीयताओं के इच्छुक हों उन सभी का उल्लेख करे, ताकि योग्यताक्रम में उनके रैंक को देखते हुए नियुक्ति करते समय उनकी वरीयताओं पर यथोचित विचार किया जाए।

(ख) यदि दो अथवा अधिक कोर्सों/सेवाओं का विकल्प दिया जा रहा है तो अंतिम विकल्प अ० प्र० शा० होगा। अ० प्र० शा० प्रथम वरीयता, तभी हो सकती है, जबकि यही एक मात्र विकल्प है।

(ग) उम्मीदवारों को यह ध्यान रखना चाहिए कि नीचे ध्यान दे (II) में बताई गयी परिस्थितियों के अतिरिक्त

उन्हें केवल उन कामों पर नियुक्ति के लिए विचार किया जाएगा जिसके लिए उन्होंने अपनी वरीयता लिखी होगी और अन्य किसी कोर्स (कोर्सों) के लिए नहीं।

(घ) किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र में पहले से निर्दिष्ट वरीयताओं को बढ़ाने परिवर्तन करने के बारे में कोई अनुरोध आयोग द्वारा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विशेष ध्यान (II) स्थायी कमीशन प्रदान करने के लिए भा० सैन्य अकादमी/नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्सों के इस परीक्षा से बचे हुए उम्मीदवार यदि बाद में अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों के लिए विचार किए जाने के इच्छुक हैं तो निम्नलिखित शर्तों के अधीन अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) प्रदान करने के लिए विचार योग्य हो सकते हैं। चाहे उन्होंने अपने आवेदनपत्रों में इस कोर्स के लिए अपनी पसन्द नहीं बताई है।

(1) यदि अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों के लिए प्रतियोगी सभी उम्मीदवारों का लेने के बाद भी कमी है, और

(II) जो उम्मीदवार अल्पकालीन सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) हेतु वरीयता व्यक्त न करने पर भी प्रशिक्षण के लिये भेजे जाते हैं, उन्हें योग्यता सूची के क्रम में उस अंतिम उम्मीदवार के बाद रखा जायेगा जिन्होंने इस कोर्स के लिए विकल्प सूचित किया है, क्योंकि ये उम्मीदवार उस कोर्स में प्रवेश पा जायेंगे जिसके लिए वे व्यक्त वरीयता के अनुसार हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी : एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध)/वायु सेना स्कन्ध (वरिष्ठ प्रभाग)/(नौसेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र प्राप्त उम्मीदवार अल्पकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) कोर्सों की रिक्तियों के लिए भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं चूंकि अभी तक उनके लिए इस कोर्स में कोई आरक्षण नहीं है, अतः इस कोर्स में रिक्तियों को भरने के लिए उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को अभी एन० सी० सी० में "सी" प्रमाणपत्र (सेना स्कन्ध) वायु सेना स्कन्ध का (वरिष्ठ प्रभाग) (नौ सेना स्कन्ध) की परीक्षा उत्तीर्ण करनी है, किन्तु अन्यथा वे आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता में बैठने के पात्र हों, तो वे भी

आवेदन कर सकते हैं किन्तु उन्हें एन० सी० सी० "सी" प्रमाणपत्र (सेना स्कन्ध)/ वायु सेना स्कन्ध/(नौ सेना स्कन्ध) का वरिष्ठ प्रभाग की परीक्षा उत्तीर्ण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा जो कि आई० एम० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौसेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय आर०, एण्ड आर०, सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०) वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं० 6, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 30 जून, 1988 तक पहुंच जाए।

आरक्षित रिक्तियों के लिए प्रतियोगिता की पात्रता हेतु उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय कैडेट कोर में जो सेवा की हो वह सीनियर डिबीजन सेना स्कन्ध में 2 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और सीनियर डिबीजन वायु सेना/नौ सेना स्कन्ध में 3 शैक्षणिक वर्षों से कम न हो और आयोग के कार्यालयों में आवेदनों की प्राप्ति की अन्तिम तारीख को उसे राष्ट्रीय कैडेट कोर से मुक्त हुए भारतीय सैन्य अकादमी/नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी कोर्स के लिए 24 मास से अधिक न हुए हो।

टिप्पणी II भारतीय सेना अकादमी कोर्स/वायु सेना अकादमी कोर्स/नौ सेना अकादमी कोर्स में एन० सी० सी० (सेना स्कन्ध/सीनियर डिबीजन वायु सेना स्कन्ध/ नौ सेना स्कन्ध) के "सी" प्रमाणपत्र धारी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए परीक्षण परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त इन उम्मीदवारों के पर्याप्त सख्या में न मिलने के कारण न भरी गई आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित समझा जाएगा और उन्हें सामान्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

आयोग द्वारा आयोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा बोर्ड में योग्यताप्राप्त उम्मीदवारों के लिए आयोजित बौद्धिक और व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के आधार पर उपर्युक्त कोर्सों में प्रवेश दिया जाएगा।

(क) परीक्षण की योजना स्तर और पाठ्यचर्या, (ख) अकादमी/शाला में प्रवेश हेतु शारीरिक क्षमता स्तर तथा (ग) भारतीय सेना अकादमी नौसेना अकादमी अधिकारी प्रशिक्षणशाला और वायु सेना अकादमी में प्रवेश पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा आदि की संक्षिप्त सूचना के सम्बन्ध में

और (घ) आवेदनपत्र भरने के लिए मार्गदर्शन संकेत आदि क्रमशः परिशिष्ट I, II, III और में विस्तार से समझाये गये हैं।

2. परीक्षा के केन्द्र : अगरतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, चण्डीगढ़, कोचीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर(गोहाटी), हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जयपुर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी (गोवा), पटना, पोर्ट ब्लेयर, रायपुर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर, त्रिभुवन, त्रिवेन्द्रम, उदयपुर और विशाखापत्तनम।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उक्त पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किये जायेंगे, तो भी आयोग परिस्थितिबश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षा पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय-सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी [नीच पैरा 18 (ii) देखिए]। उम्मीदवार को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने उक्त केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निदिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा औचित्य बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 18 सितम्बर 1987 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

3. पात्रता की शर्तें :

(क) राष्ट्रिकता :

उम्मीदवार या तो—

- (1) भारत का नागरिक हो, या
- (2) भूटान की प्रजा हो, या
- (3) नेपाल की प्रजा हो, या
- (4) निम्नलिखित शरणाधीन, जो स्थायी रूप से भारत में रहने के इरादे से 1 जनवरी, 1962 से पहले आ गया हो, या
- (5) भारतीय मूल का व्यक्ति हो जो भारत में स्थायी रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और पूर्वी अफ्रीकी देश जैसे कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टांगानिका और जंजीबार) जाम्बिया, मालावी, जैन्, और ह्योपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (2), (3) (4) और (5) के अन्तर्गत आने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत सरकार ने पात्रता प्रमाणपत्र प्रदान किया हो। लेकिन नेपाल के गोरखा उम्मीदवारों के लिए यह पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिए पात्रता प्रमाणपत्र आवश्यक है उसे उक्त परीक्षा में इस शर्त पर अन्तिम रूप से प्रवेश दिया जा सकता है कि सरकार द्वारा उसे आवश्यक प्रमाणपत्र संघ लोक सेवा आयोग द्वारा परिणाम की घोषणा से पहले दे दिया जाए।

(ख) आयु सीमाएं, लिंग और वैवाहिक स्थिति :

- (1) भारतीय सैन्य अकादमी के लिए : केवल ऐसे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म जुलाई 1964 के पहले वा तथा 1 जुलाई 1969 के बाद का न हो।
- (2) नौ सेना और वायु सेना अकादमी के लिए : केवल अविवाहित पुरुष उम्मीदवार पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1966 के पहले और 1 जुलाई, 1969 के बाद न हुआ हो।
- (3) अधिकारी प्रशिक्षणशाला के लिए : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या अविवाहित) पात्र हैं जिनका जन्म 2 जुलाई 1963 के पहले और 1 जुलाई 1969 के बाद न हुआ हो।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाणपत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाणपत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा अनुरक्षित मैट्रिकुलेटों के रजिस्ट्रों में दर्ज की गई हो और यह उद्घरण विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो। विश्वविद्यालय या हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा प्रमाणपत्र परीक्षा के लिए लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के बाद ही प्रस्तुत किए जाने अपक्षित है।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कुण्डली, शपथ पत्र, नगर निगम के सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म संबंधी उद्घरण तथा अन्य ऐसे ही प्रमाणपत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए "मैट्रिकुलेशन, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र" वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाणपत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या वर्ष और महीने ही होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित प्रमाणित/प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस

संस्थान के हेड मास्टर/प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाणपत्र की अनुप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ज उमने मैट्रिकुलेशन, उच्चतर माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो। इस प्रमाणपत्र में उम मंथ्या के दाखिले रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वसास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

टिप्पणी (1) उम्मीदवार यह ध्यान रखे कि आयोग उम्मीदवार की जन्म की उमी तारीख को स्वीकार करेगा जो कि आवेदनपत्र प्रस्तुत करने की तारीख को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाणपत्र या समकक्ष के प्रमाणपत्र में दर्ज है और इसके बाद उसमें परिवर्तन के किसी अनुरोध पर न तो विचार दिया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी (2) उम्मीदवार यह भी नोट कर लें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए जन्म का तारीख एक बार घोषित कर लेने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें परिवर्तन या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं :

- (1) भारतीय सेना अकादमी, और अधिकारी प्रशिक्षण-शाला के लिए किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष योग्यता :
- (2) नौ सेना अकादमी के लिए : भौतिकी एवं गणित विषयों के साथ बी० एम० सी० डिग्री अथवा इंजीनियरी स्नातक।
- (3) वायु सेना अकादमी के लिए : किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्यालय में भौतिक और/या गणित विषय के साथ डिग्री या समकक्ष। जिन उम्मीदवारों ने अपनी डिग्री परीक्षा भौतिकी और/या गणित के अलावा अन्य विषय लेकर उत्तीर्ण की है वे भी पात्र हैं, किन्तु शर्त यह है कि उन्होंने हायर सेकेंडरी परीक्षा (पुराना पैटर्न) या स्कूली शिक्षा 10+2 पैटर्न के अंतर्गत 11/12वें स्तर की परीक्षा या कोई समकक्ष परीक्षा गणित और भौतिकी विषयों के साथ उत्तीर्ण की हो।

नौ सेना/वायु सेना की पहली पसन्द वाले स्नातकों को ग्रेजुएशन के प्रमाण के रूप में प्रोविजनल सर्टिफिकेट सेवा वायन बोर्ड द्वारा परीक्षण पूरा होन के दो सप्ताहों के अन्दर क्रमशः सेना मुख्यालय (रिक्तिंग) नौ 6 एस० पी० (ई०) सेना मुख्यालय (आर० एण्ड आर सेक्शन)/वायु सेना मुख्यालय पी० ओ० 3 (ए) को प्रस्तुत करना है।

जो उम्मीदवार अभी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं परन्तु उनकी डिग्री परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण आई० एस० ए०/एस० एस०, सी० (एन० दी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवार के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर०' सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को और वायु सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०) वायु सेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम ब्लॉक, वेस्ट ब्लॉक नं० 6 रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली, 110066 को निम्नलिखित तारीख तक पहुंच जाए जिसके न पहुंचने पर उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(1) भा० से० अकादमी, नौ सेना तथा वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिए 30 जून, 1988 तक या उससे पहले।

(2) अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में प्रवेश के लिए 15 सितम्बर, 1988 या उससे पहले जिन उम्मीदवारों के पास व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हैं जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष मान्यता-प्राप्त हैं वे भी परीक्षा के लिए पात्र होंगे। अपवाद की परिस्थितियों में आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी में युक्त न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर आयोग के विचार में, इस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो,

टिप्पणी 1: ऐसे उम्मीदवार जिन्हें डिग्री परीक्षा में अभी अर्हता प्राप्त करनी है और जिनको संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में बैठने की अनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको दी गई यह विशेष छूट है, उन्हें डिग्री उत्तीर्ण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है और बुनियादी अर्हक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से आयोजित किए जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्ब या अन्य किसी कारण से इस तारीख को और आगे बढ़ाने से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी 2: जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीशन से अपवर्जित हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पात्र नहीं होंगे, अगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रद्द की जाएगी।

टिप्पणी 3: विशेष सेवा नाविकों को छोड़कर बाकी नाविक (जिनमें किशोर और कारीगर प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको अपने नियत कार्य पूरा करने में

छह महीने से कम समय बाकी है। इस परीक्षा में बैठने के पात्र नहीं होंगे, जिन विशेष सेवा नाविकों को अपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके आवेदनपत्र तभी लिए जाएंगे जब वे उनके कर्मांडिंग अफसरों के द्वारा निर्धारित रूप में अनुरोधित हों।

4. शुल्क

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु० 28.00 (अट्ठारह रुपये) के शुल्क का भुगतान करना होगा जो केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों या कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो।

टिप्पणी 1: केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटें (डाक टिकटें नहीं) डाकघर से प्राप्त करें और आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर इसके लिए निर्धारित स्थान पर चिपका दें। जारी करने वाले डाकघर से उस डाकघर की तारीख की मुहर सहित उन टिकटों को इस तरीके से रद्द किया जाए कि रद्द करने की मुहर को छाप आंशिक रूप से आवेदन पत्र पर भी अपने आप आ जाए। रद्द किए गए टिकट की छाप स्पष्ट होनी चाहिए ताकि तारीख तथा जारी करने वाले डाकघर की पहचान स्पष्ट रूप से हो सके। "केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकटों के स्थान पर किसी भी हालत में डाक टिकटें स्वीकार नहीं की जाएंगी।

टिप्पणी 2: (i) उम्मीदवारों को अपने आवेदनपत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए, पोस्टल आर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें, विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो इस अनुरोध के साथ जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा-शुल्क" के लेखा शीर्षक में जमा हो जाए और आवेदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए, जिन आवेदन-पत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जायेगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होगा जो नीचे के पैरा के आधार पर निर्धारित शुल्क की छूट की मांग करते हैं। अनुसूचित जाति/अनु-

सूचित जन जाति के उम्मीदवारों को शुल्क नहीं देना होगा।

- (ii) आयोग, यदि चाहे तो निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब उसको इस बात का आश्वासन हो कि आवेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) में वस्तुतः विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 और 25-3-1971 के बीच की अवधि में भारत में प्रजनन कर आया था या भूतपूर्व पश्चिमी पाकिस्तान का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है तथा पहली जनवरी, 1971 और 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान, भारत प्रजनन कर आ चुका था या वह बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन कर आया था या वह श्रीलंका में वस्तुतः प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है जो अक्टूबर, 1964 के भारत, श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत में आया था या आने वाला है और निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

- (iii) जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क दे दिया है पर जिसको आयोग ने परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको रु० 15 00 (पन्द्रह रुपये) वापस कर दिया जाएगा। परन्तु अगर कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त करने पर अस्वीकार कर दिया गया हो कि उम्मीदवार डिग्री या समकक्ष परीक्षा में अनुत्तीर्ण हुआ या डिग्री या समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिए शुल्क की वापसी मजूर नहीं की जाएगी।

- (iv) जो उम्मीदवार अक्टूबर, 1986 अथवा मई, 1987 में आयोजित सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और इन परीक्षाओं के परिणाम के आधार पर किसी कोर्स के लिए उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में रु० 28 00 (अष्टाईस रुपये) का शुल्क वापस किया जा सकता है पर वह जरूरी है कि अक्टूबर 1987 की सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापस पाने के लिए उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में पहली अप्रैल, 1988 या उससे पहले पहुँच जाए।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किये गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी

अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

5 आवेदन कैसे करे

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को साथ में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, सशस्त्र लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों या "रोजगार समाचार" में प्रकाशित आवेदन प्रपत्र का मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम अपने हाथ से बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (फुलस्केप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन प्रपत्र और उपस्थिति पत्रको भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों में उपलब्ध छपे हुए आवेदन प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रको भी प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि इस विज्ञापन के साथ में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों, उम्मीदवार इस बात का ध्यान रखें कि पिछले वर्ष की परीक्षा के लिए निर्धारित नमूना आवेदन प्रपत्र में आवेदन करने पर स्वीकार्य नहीं होगा, उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि वे सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के सभी प्रश्न-पत्रों के लिए एक ही प्रवेश प्रमाणपत्र और अनुक्रमांक से परीक्षा दे चाहे उन्हें आयोग से एक से अधिक प्रवेश प्रमाणपत्र क्यों न प्राप्त हुए हों,

जिस लिफाके में आवेदनपत्र भेजा जाए, उस पर मोटे अक्षरों में "सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा, अक्टूबर, 1987" लिखा जाए।

- (क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्न-लिखित प्रपत्र भेजने चाहिए।

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/ भारतीय पोस्टल ऑर्डर/केन्द्रीय भर्ती शुल्क टिकट या भारतीय मिशन की रसीद (शुल्क माफी हेतु दावे के मामले को छोड़कर) (ii) फुलस्केप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (साथ में प्रकाशित नमूने के अनुसार), (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० x 7 से० मी०) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियाँ एक आवेदन प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्था. पर लगी हो, (iv) एक पोस्टकार्ड अपने पते के साथ (v) 11.5 से० मी० x 27.5 से० मी० आकार के दिना टिकट चगे हुए तो निम्नलिखित अपने पते के साथ।

- (ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अंतर्राष्ट्रीय रूप का प्रयोग करना है, चाहे माध्यमिक स्कूल छोड़ने के प्रमाणपत्र या समकक्ष प्रमाणपत्र में जन्म की तारीख हिंदी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित करने कि जो आवेदन प्रपत्र वह प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय

“अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो, वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन पत्र में की गयी प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपाठ्य हों, यदि वे प्रविष्टियां पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रामक हैं तो उनके निर्बचन में होने वाली भ्रान्ति या संदिग्धता के लिए उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिये। अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदनपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचा हो तो आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा। भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति लोक उद्यमों में सेवारत है उनको वह परिवचन (अण्डरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है। उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि यदि आयोग को उनके नियोक्ता से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने में सम्बद्ध अनुमति रोकने हुए कोई पत्र मिलता है तो उनका आवेदनपत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा/उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

जो उम्मीदवार मशस्त्र सेना में सेवारत है उन्हें अपने आवेदन पत्र अपने कमांडिंग अधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करने चाहिए, जिन्हें वह आयोग को अर्पित करेंगे।

टिप्पणी :—जिन आवेदनपत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा (उपर्युक्त पैरा 4 के अंतर्गत शुल्क माफी के दावे को छोड़कर) या जो अधूरे या गलत भरे हुए हों, उनको एकदम अस्वीकृत कर दिया जायेगा और किसी भी अवस्था में अस्वीकृति के संबंध में अभ्यावेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्रों के साथ आयु तथा शैक्षिक योग्यता, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति और शुल्क में छूट आदि का प्रमाणपत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा, इसलिए वे इस बात को मुनिष्ठित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पात्रता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं। अतः परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अन्तिम होगा। यदि किसी बाद की तारीख को स्थापन करने समय यह पता चलता है कि वे पात्रता की सभी शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाने के शीघ्र बाद जिसकी जनवरी, 1988 माह में घोषित किए जाने की संभावना है, सेना मुख्यालय/नौ सेना मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय, जैसा

सामला हो, को प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित मूल प्रमाण-पत्रों को उनकी सत्यापित प्रतियों सहित तैयार रखें :

- (1) जन्म की तारीख दर्शाने हुए मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र अथवा इसके समकक्ष।
- (2) डिग्री/अनंतिम डिग्री प्रमाण पत्र/अंक सूची जिसमें स्पष्ट रूप से यह दर्शाया गया हो कि डिग्री परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है और डिग्री पाने के पात्र है।

सर्वप्रथम' से० च० बो० के साक्षात्कार हेतु सभी पात्र अर्हता प्राप्त उम्मीदवारों को सेवा चयन केन्द्रों को जाने हुए अपने मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रमाण-पत्र मूल रूप से से० च० बो० के साक्षात्कार के लिए अपने साथ लाना होगा अन्यथा उन्हें से० च० बो० के साक्षात्कार में प्रवेश होने की अनुमति नहीं दी जाएगी चयन केन्द्र में मूल मैट्रिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने के संबंध में कोई छूट की अनुमति नहीं है।

5. परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के घोषित हो जाने के तुरन्त बाद सेना मुख्यालय द्वारा सफलता प्राप्त उम्मीदवारों से कुछ अतिरिक्त सूचना को भेजने के लिए कहा जाएगा, उपर्युक्त प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतियां सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच आर० टी० जी०, 6 (एस० पी०) (ई) पश्चिम ब्लॉक 3, विंग 1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को उस समय तत्काल भेजने होंगे, जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त कर लेंगे उन्हें साक्षात्कार के तुरन्त बाद मूल प्रमाणपत्रों को प्रस्तुत करना होगा।

यदि उनका कोई भी दावा अमन्य पाया जाता है तो उनके विरुद्ध आयोग द्वारा पैरा 6 के अनुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।

6. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नांकित कदाचार का दोरी घोषित होता है या हो चुका है :—

- (1) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना, या
- (2) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना, या
- (3) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना, या
- (4) जाली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना, या
- (5) अशुद्ध या अमन्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना, या
- (6) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनिर्णित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना, या
- (7) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना, या

- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखना जो अप्रलील भाषा या अभद्र आशय की हों, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना, या
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करना या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाना, या
- (11) उम्मीदवारों को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाणपत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन करना, या
- (12) ऊपर खंडों में उल्लिखित सभी या किसी कदा-चार को करने की कोशिश करना या करने के लिए उकसाना,

तो उन पर अपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रोसीक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे :—

- (क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा
- (ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए :
 - (i) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए
 - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा उसके अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है और
- (ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है, तो उसके विरुद्ध उपयुक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किंतु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो; और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर, यदि कोई विचार न कर लिया गया हो।

उम्मीदवारों को ध्यान देना चाहिए कि वे आवेदनपत्र, नियमावली, पाठ्यक्रम आदि के लिये संघ लोक सेवा आयोग को न लिखें। ऊपर समझाए अनुसार इस विज्ञापन के साथ, छापे गये आवेदनपत्र का प्रयोग किया जाय।

7. आवेदन प्रपत्र लेने की अंतिम तारीख :

भरा हुआ आवेदनपत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धोलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 22 जून, 1987 (22 जून, 1987 से पहले की

किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र में डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 6 जुलाई, 1987) तक या उससे पहले डाक द्वारा प्रवेश्य भिजवा दिया जाय, या स्वयं आयोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाय।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल, अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिये कह सकता है कि वह 22 जून, 1987 से पहले की किसी तारीख में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले तथा चम्बा जिले के पांगी उपमंडल अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (I) : जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहां के रहने वाले आवेदन को प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निविष्ट करना चाहिए, अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

- (II) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदनपत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराएं या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी कर्मचारी को दिये गये आवेदनपत्र के लिये आयोग जिम्मेदार नहीं होगा। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र विचार नहीं किया जाएगा।

8. आयोग/सहायता/व्यवस्था मुख्यालय के साथ पत्र-व्यवहार : निम्नलिखित मामलों को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र व्यवहार नहीं करेगा :

- (i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदनपत्र, जिसमें देर से प्राप्त आवेदनपत्र भी सम्मिलित हैं,

की पावती दी जाती है तथा आवेदनपत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी की जाती है इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दी गयी है, अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

यदि परीक्षा में संबंधित आवेदनपत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख में एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए।

- (ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदनपत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी, किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदनपत्र का परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख में एक महीने के पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे में बंचित हो जायेगा।

- (iii) जिन उम्मीदवारों को परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उनको अनुक्रमिक निदिष्ट करते हुए प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया जाएगा और उनमें निदिष्ट-अनुक्रमांक वही होगा जो उम्मीदवारों को पावती कार्ड द्वारा पहले सूचित आवेदन पंजीकरण संख्या है। किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में प्रवेश तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक उसके पास उक्त परीक्षा का प्रवेश प्रमाणपत्र नहीं है।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिये प्रवेश प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया है, यह अर्थ नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अंतिम रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार के आवेदनपत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये अर्हताप्राप्त कर लेने के बाद ही उनकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारी की पुष्टि कर दिये जाने तक उम्मीदवारी अनंतिम रहेगी।

(iv) उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पत्र या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

(v) उम्मीदवार ध्यान रखे कि प्रवेश प्रमाणपत्र कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(vi) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था अवश्य कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदनपत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गये पत्र आदि आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण: आवेदन के संबंध में सभी पत्र-व्यवहार सूचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पते पर करना चाहिए और उनमें निम्नलिखित विवरण अवश्य होना चाहिए:—

1. परीक्षा का नाम
 2. परीक्षा का वर्ष और महीना
 3. आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर या जन्म की तारीख (अगर आवेदन पंजीकरण संख्या/रोल नंबर नहीं मिला हो।)
 4. उम्मीदवार का नाम (पूरा और साफ लिखा हुआ)
 5. पत्र-व्यवहार का पता, जैसा आवेदनपत्र में दिया है।
- विशेष ध्यान: (1) जिन पत्रों में ऊपर का व्योरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

(2) यदि किसी परीक्षा की समाप्ति के बाद किसी उम्मीदवार का पत्र/पत्रादि प्राप्त होता है या इसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं दिया गया है तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और उस पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

(3) सेवा चयन बोर्ड से साक्षात्कार के लिये आयोग द्वारा अनुशानित उम्मीदवारों ने अगर परीक्षा के लिये आवेदन करने के बाद अपना पता बदल लिया हो तो उनको चाहिए कि परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम घोषित हो जाते ही अपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्राच रिट्यूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) द्वितीय तल, वेस्ट ब्लॉक 3, विंग-1, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 को सूचित कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार इन अनदेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार

के लिये सम्मन-पत्र न मिलने पर अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

जिन उम्मीदवारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अनुशंसित हैं उनको अपने साक्षात्कार के संबंध में सभी पूछताछ और अनुरोध सीधे सेना मुख्यालय, ए० जी० ब्रांच, रिक्रूटिंग 6 (एस० पी०) (ई०) (i) वेस्ट ब्लॉक 3, तृतीय तल, विंग-1, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 और वायु सेना उम्मीदवारों के लिये पी० ओ० 3 (ए०)/वायु सेना मुख्यालय, विंग-7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं० 6 रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पत्र द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साक्षात्कार को स्थगित करने से सम्बद्ध अनुरोध पर केवल यथार्थ परिस्थितियों में और प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया जाएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेवा मुख्यालय/वायु सेना मुख्यालय होगा।

विशेष ध्यान :—यदि किसी उम्मीदवार को भारतीय सैन्य अकादमी हेतु अप्रैल, 1988 के पहले हफ्ते तक और अधिकारी प्रशिक्षणशाला हेतु जुलाई, 1988 के चौथे हफ्ते तक सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार पत्र प्राप्त नहीं होता है तो उसे सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०), वेस्ट ब्लॉक-3, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 को साक्षात्कार पत्र न मिलने के बारे में लिखना चाहिए।

(vii) मूल प्रमाणपत्रों का प्रस्तुतिकरण :—सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार में अर्हता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में से आई० एस० ए०/एस० एस० सी० (एन० टी०) प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में सेना मुख्यालय/भर्ती 6 (एस० पी०) (ई०) नई दिल्ली-110022 को तथा नौ सेना के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में नौ सेना मुख्यालय/आर० एण्ड आर० सेना भवन, नई दिल्ली-110011 को या वायु सेवा के प्रथम विकल्प वाले उम्मीदवारों के मामले में पी० ओ० 3 (ए०) वायुसेना मुख्यालय, विंग 7, प्रथम तल, वेस्ट ब्लॉक नं० 6, रामाकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110066 को अपनी शैक्षणिक योग्यताओं आदि के समर्थन में अपने मूल प्रमाण-पत्रों की दो सत्यापित प्रतियां सहित सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार परीक्षण के पूरा होने के दो सप्ताहों के अन्दर और [30 जून, 1988 एस० एस० सी० (एन० टी०) के मामलों में 15 सितम्बर, 1988 से पहले प्रस्तुत करने होंगे] उक्त प्रमाण-पत्रों की सत्य अनुप्रमाणित प्रतिलिपियां या फोटोस्टेट प्रतियां किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएंगी।

जो उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार

के समय अपनी आयु के समर्थन में अपने मूल प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

(9) लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीदवार का साक्षात्कार, अन्तिम परिणाम की घोषणा और अन्तिम रूप से योग्य पाये गये उम्मीदवारों का प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश :—

मंथ लोक सेवा आयोग अपनी विवक्षा से लिखित परीक्षा के लिए निर्धारित न्यूनतम अंक प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की एक सूची तैयार करेगा। वे उम्मीदवार उन सभी प्रविष्टियों के लिये जिनके लिये उन्होंने अर्हता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तित्व परीक्षाओं के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीदवार आई०एस० ए० (डी० ई०) कोर्स और या नौसेना (एस० ई०) कोर्स और/या वायु सेना अकादमी कोर्स की लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिए अर्हता प्राप्त करने हैं या नहीं उनको मार्च/अप्रैल, 1988 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षण के लिये भेजा जाएगा और जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये अर्हता प्राप्त करते हैं उनको जून/जुलाई, 1988 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये भेजा जायेगा।

उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर अपनी ही जोखिम पर वहां परीक्षणों में शामिल होंगे और सेवा बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है, उनके दौरान या उसके फलस्वरूप अगर उनकी कोई चोट पहुंचती है, तो उसके लिए सरकार की ओर से कोई क्षतिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, वह किसी व्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो, उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के साथ संलग्न प्रपत्र में इस आशय के एक प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे। स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों में अलग-अलग न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त करने होंगे जोकि आयोग द्वारा निर्णय के अनुसार निश्चित किये जायेंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बोर्ड के परीक्षणों में प्राप्त कुल अंकों के आधार पर उम्मीदवारों को योग्यताक्रम में रखा जायेगा। अलग-अलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में किस प्रकार सूचित किये जायें इस बात का निर्णय आयोग अपने आप करेगा और परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा। परीक्षा में सफल होने मात्र से भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या अधिकारी प्रशिक्षण-शाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई अधिकार नहीं मिलेगा अन्तिम चयन आर्थिक क्षमता और अन्य सभी बातों में उपयुक्तता के अतिरिक्त उपनयन रितियों की संख्या को दृष्टि में रखते हुए योग्यता के क्रम से किया जाएगा।

टिप्पणी :—वायु सेना, नौ सेना विमानन के प्रत्येक उम्मीदवार को पायलट संबंधी अभिरुचि का परीक्षण केवल एक बार

किया जाता है, अतः पहले परीक्षण में उसने जो ग्रेड प्राप्त किया है। उसको वायु सेना चयन बोर्ड में लिये जाने वाले बाद के प्रत्येक साक्षात्कार में स्वीकार किया जाएगा। जो उम्मीदवार पायलट संबंधी अभिरूचि के पहले परीक्षण में फेल हो जाता है वह भारतीय वायु सेना का (एफ० पी०) शाखा नौसेना विमानन हेतु प्रवेश के लिये आवेदन नहीं कर सकता।

(10) प्रशिक्षण कोर्स में प्रवेश के लिए अर्हतायें:—जो उम्मीदवार राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सेना अकादमी वायु सेना उड़ान महाविद्यालय, नौ सेना अकादमी, कोचीन और अधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर अनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल दिये गये हैं उनको भारतीय सेना अकादमी नौ सेना अकादमी, वायु सेना अकादमी या थल सेना अकादमी में अल्पकालीन सेना कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विचार नहीं किया जायेगा। जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी से अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण पहले भारतीय सेना अकादमी में वापस किया गया हो उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो पर बाद में एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रतिष्ठानों में वापस किया हो वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के लिये पात्र नहीं होंगे।

जिन उम्मीदवारों की एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षण शाला एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स से वापस किया गया है उनके बारे में थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन देने की बात पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिन उम्मीदवारों को एक अधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण एन० सी० सी० तथा स्नातक कोर्स में पहले वापस किया गया हो, उनको भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

(11) भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रति-बन्ध:—भारतीय सेना अकादमी और नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी के कोर्स के उम्मीदवारों को इस बात का परिचय देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा तब तक वे शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीदवार अपने आवेदन की तारीख के बाद शादी कर लेता है उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं जायेगा चाहे वह इस परीक्षा में या अगली किसी परीक्षा में भले ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षण काल में शादी कर लेगा उसे वापस भेजा जाएगा और उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया वह उससे वसूल किया जायेगा अल्पकालिक

सेवा कमीशन एन टी के पाठक्रम का कोई उम्मीद-वार:—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साथ शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति/पत्नी है या थी।

(ख) जिसने पहले ही जीवित पति/पत्नी होते हुए भी किसी व्यक्ति से शादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो।

अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश अल्पकालीन सेवा कमीशन की प्राप्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये और शादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के अनुसार अनुमोदनीय है और ऐसा करने के अन्य ठोस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के अनुपालन में छूट दे सकती है।

(12) भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के समय अन्य प्रतिबन्ध: भारतीय सेना अकादमी, नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद, उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य नहीं होंगे। भारतीय सेना अकादमी या नौ सेना अकादमी या वायु सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अन्तिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको और किसी भी साक्षात्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जो उम्मीदवार भारतीय सैन्य अकादमी, नौ सेना अकादमी/वायु सेना अकादमी से त्याग पत्र देते हैं उन्हें उनकी योग्यता के आधार पर अधिकारी प्रशिक्षण शाला में लेने हेतु विचार किया जा सकता है बशर्ते कि उस कोर्स विशेष में स्थान खाली हो।

13. संघ लोक सेवा आयोग ने "संघ लोक सेवा आयोग की वस्तुपरक परीक्षाओं हेतु उम्मीदवार विवरणिका" शीर्षक से एक समुल्य पुस्तिका छपी है। यह इस उद्देश्य से छपी गई है जिससे सं० लो० से० आ० की परीक्षाओं या चयनों के भावी उम्मीदवारों को सहायता मिल सके। यह पुस्तिका प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, देहली-110054 के पास बिक्री के लिए सुलभ है और इसे उनसे सीधे मेल आर्डर द्वारा या नकद भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। इन्हें केवल नकद भुगतान पर (1) किताब महल, रिजोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी" ब्लाक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001 और (2) उद्योग भवन नई दिल्ली-110001 पर स्थित प्रकाशन शाखा का बिक्री काउण्टर और (3) गवर्नमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-700001 से भी लिया जा सकता है। मैनूअल भारत सरकार के प्रकाशनों के विभिन्न मुफ्तसिल शहरों में स्थित एजेंटों से भी उपलब्ध है।

14. उम्मीदवार को अपना आवेदनपत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुप्रेष को ितो भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

डी० पी० राय
उप सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

परिशिष्ट—1

(परीक्षा की योजना, स्तर और पाठ्य-विवरण)

1. परीक्षा की योजना:

1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—

(क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति में लिखित परीक्षा,

(ख) उन उम्मीदवारों का बुद्धि और व्यक्तिगत परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग ख के अनुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सविसेज सेलैक्शन सेंटर में साक्षात्कार के लिये बुलाया जाये।

2. लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय और प्रत्येक विषय के लिये नियत अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

(क) भारतीय सेना अकादमी में प्रवेश के लिये

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ख) नौ सेना अकादमी में प्रवेश के लिये:

विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
* 3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

(ग) अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश के लिये:

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100

(घ) वायु सेना अकादमी में प्रवेश के लिये:

विषय	अवधि	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 घण्टे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घण्टे	100
3. प्रारम्भिक गणित	2 घण्टे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं, वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात् भारतीय सेना अकादमी, नौसेना अकादमी, अफसर ट्रेनिंग स्कूल और वायु सेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 300, 300 और 200 और 300 होंगे।

सभी विषयों के प्रश्नपत्रों में केवल वस्तुपरक प्रश्न ही होंगे। प्रश्नपत्र (परीक्षण पुस्तिकायें) केवल अंग्रेजी में तैयार किए जाएंगे। उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाणपत्रों के साथ उम्मीदवार सूचना विवरणिका दी जाएगी जिसमें नमूना प्रश्नपत्रों सहित वस्तुपरक प्रकार के परीक्षण का पूरा ब्योरा शामिल होगा।

4. प्रश्नपत्रों में जहां भी आवश्यक होगा केवल तौल और माप की मीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों को ही पूछा जाएगा।

5. उम्मीदवारों को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने चाहिए। किसी भी दशा में उन्हें प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।

6. परीक्षा के एक या सभी विषयों के अर्हक अंकों का निर्धारण आयोग की विवक्षा पर है।

7. उम्मीदवारों को वस्तुपरक प्रश्नपत्रों (प्रश्न पुस्तिकाओं) के उत्तर देने के लिये कैलकुलेटर का प्रयोग करने की अनुमति नहीं है। अतः वे उसे परीक्षा भवन में न लाएं।

(ख) परीक्षा का स्तर और पाठ्य विवरण स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रश्नपत्रों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा।

अन्य विषयों में प्रश्नपत्रों का स्तर लगभग वही होगा जिसकी हिमी भारतीय विषयविद्यालय के स्नातक में अपेक्षा की जा सकती है।

पाठ्य विवरण

अंग्रेजी (कोड सं० 01)

प्रश्नपत्र इस प्रकार का होगा कि जिससे उम्मीदवार की अंग्रेजी और अंग्रेजी के शब्दों के बोध की परीक्षा ली जा सके।

सामान्य ज्ञान (कोड सं० 02)

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं और दिन-प्रतिदिन देखे और अनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामले के वैज्ञानिक पक्ष की जानकारी, जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति में अपेक्षा की जा सकती है, जिसने हिमी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो।

प्रश्नपत्र में भारत के इतिहास और भूगोल में संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार को उन विषयों का विशेष अध्ययन किए बिना देना चाहिए।

प्रारंभिक गणित (कोड सं० 03)

अंकगणित

संख्या पद्धतियाँ:—घनपूर्ण संख्याएँ, पूर्णांक, परिमेय, और वास्तविक संक्रियाएँ, मूल संक्रियाएँ—जोड़, घटाना, गुणन और विभाजन, वर्ग मूल, दशमलव भिन्न

एकिक विधि—समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रति-शतता, साधारण तथा चक्रवृद्धि व्याज में अनुप्रमेय, लाभ तथा हानि, अनपात और समानपात विवरण।

प्रारंभिक संख्या सिद्धांत:—विभाजन की कलन विधि अभाज्य और भाज्य संख्याएँ, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण अपवर्तक और गुणनखंड/गुणन खंड प्रमेय/महत्तम समापवर्तक तथा लघुत्तम समापवर्तक, युक्लिड की कलन विधि।

आधार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघु-गण कीय सारणियों का प्रयोग।

बीजगणित

आधारभूत संक्रियाएँ: साधारण गुणनखंड 1 शेष फल प्रमेय, बहुपदों का महत्तम समापवर्तक और लघुत्तम समापवर्तक सिद्धांत, द्विघ समीकरणों का हल डाके मूलों और गुणांकों के बीच संबंध (केवल वास्तविक मूल पर विचार किया जाए) दो अक्षात राशियों में युगपत रेखिक समीकरण-विश्लेषण और ग्राफ संबंधी हल दो चरों में युगपत रेखिक असमिकाएँ और उनके हल प्रायोगिक प्रश्न जिनके दो चरों में दो युगपत, रेखिक समीकरण या असमिकाएँ बनती हैं या एक चर में द्विघात, समीकरण तथा उनकी हल

समुच्चय भाषा तथा समुच्चय अंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा प्रतिबन्ध तन्ममक घातांक नियम।

त्रिकोणमिति

ज्या \times कोटिज्या \times स्पर्शरेखा \times , जब $0^\circ \leq \times 90^\circ$

ज्या \times कोटिज्या, \times स्पर्शरेखा \times , का मान क्योंकि

$\times = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ और 90° सरल त्रिकोणमिति

तत्समक

त्रिकोणमितीय सारणियों का प्रयोग

ऊँचाइयों और दूरियों के सरल कोण

ज्योमिति

रेखा और कोण, समतल और समान आकृति निम्न-लिखित पर प्रमेय:—(1) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (2) समांतर रेखाएँ, (3) किसी त्रिभुज की भुजाएँ और कोण, (4) त्रिभुज की सर्वगमना समकोण त्रिभुज माध्यिकाओं और शीर्ष लम्बों का समान, (7) समान्तर चतुर्भुजों, आयत और वर्ग के कोणों भुजाओं के विकल्पों के गुण धर्म, (8) वृत्त और उनके गुण धर्म जिनमें स्पर्श रेखा तथा अभिलम्ब भी शामिल हैं, (9) स्थातिक समक विस्तार कलन

वर्गों, आयतों, समानान्तर चतुर्भुजों, त्रिभुजों और वृत्तों के क्षेत्रफल, उन आकृतियों के क्षेत्रफल जो इन आकृतियों में विभाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्र वही) घनामों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन लम्ब वृत्तीय शंकुओं और बेलनों का पार्श्व-ऊँचाय तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन

सांख्यिकी

सांख्यिकी तथ्यों का संग्रह तथा सारणीयत आलेखी निरूपण बारम्बारता बहुभुज आयत चित्र शलाका चार्ट, पाई चार्ट आदि केन्द्राय प्रवृत्ति के माब रेखाओं के बीच कोण

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीदवारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षात्कार के अतिरिक्त मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएंगे जैसे ग्रुप परिचर्या, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें निर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जायेगा, ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेधा शक्ति जांच के लिए हैं। मोटे तौर पर यह परीक्षण वास्तव में न केवल उनके बौद्धिक गुणों की जांच के लिए हैं अपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषताओं तथा सामाजिक घटनाओं के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट-2

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिए उम्मीदवारों के शारीरिक मानक

टिप्पणी : उम्मीदवारों को निर्धारित मानकों के अनुसार शारीरिक रूप से स्वस्थ होना आवश्यक है। स्वस्थता संबंधी मानक नीचे दिये जाते हैं।

बहुत से ग्रहता प्राप्त उम्मीदवार बाद में स्वास्थ्य के आधार पर अस्वीकृत कर दिये जाते हैं। अतः उम्मीदवारों को उनके अपने हित में मलाह दी जाती है कि वे अंतिम अवस्था पर निराशा से बचने के लिए आवेदनपत्र भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लें।

1. सेवा चयन बोर्ड द्वारा अनुशंसित उम्मीदवार को सेना के चिकित्सा अधिकारियों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा करानी होगी। अकादमी या प्रशिक्षणालय में केवल उन्हीं उम्मीदवारों को प्रवेश दिया जाएगा जोकि चिकित्सा बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित कर दिए जाते हैं। चिकित्सा बोर्ड की कार्यवाही गोपनीय होती है जिसे किसी को नहीं दिखाया जायेगा किन्तु अयोग्य, अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित उम्मीदवारों को उनके परिणाम की जानकारी चिकित्सा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा दे दी जायेगी तथा उम्मीदवारों को चिकित्सा बोर्ड से अपील का अनुरोध करने की प्रक्रिया भी बना दी जाएगी। उम्मीदवारों के लिए नीचे संक्षिप्त रूप में दिए गए निर्धारित शारीरिक मानकों के अनुसार स्वस्थ होना आवश्यक है :—

(क) उम्मीदवार का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य ठीक होना चाहिए तथा उन्हें ऐसी बीमारी/अशक्तता से मुक्त होना चाहिए जिससे उनके कुशलतापूर्वक कार्य करने में बाधा पड़ सकती हो।

(ख) उनमें कमजोर शारीरिक गठन दैहिक दोष की स्थिति नहीं होनी चाहिए।

(ग) कद कम से कम 157.5 सेमी० (नौ सेना के लिए 157 से० मी० तथा वायु सेना के लिए 162.5 से० मी०) का हो। गोरखा और भारत के उत्तर पूर्व क्षेत्र के पर्वतीय प्रदेशों, गढ़वाल तथा कुमाऊँ के व्यक्तियों का 5 से० मी० कम कद स्वीकार्य होगा। लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के मामले में न्यूनतम कद में 2 से० मी० की कमी भी स्वीकार्य की जा सकती है। कद और वजन के मानक नीचे दिए जाते हैं :—

कद और वजन के मानक

सेंटीमीटरों में कद (बिना जूता)	किलोग्राम में वजन		
	18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष
1	2	3	4
152	45	48	47
155	46	47	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55

1	2	3	4
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	66	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	79

उपर्युक्त सारणी में दिए गए औसत वजन का +10 प्रतिशत (नौ सेना के लिए वजन सामान्य सीमा के अन्दर माना जाएगा; किन्तु भारी हड्डियों वाले लम्बे चौड़े व्यक्तियों तथा पतले पर अन्यथा स्वस्थ व्यक्तियों के मामले में गुणवत्ता के आधार पर इसमें कुछ छूट दी जा सकती है)

(घ) छाती भली प्रकार विकसित होनी चाहिए तथा पूरा सांस लेने के बाद इसका न्यूनतम फुलाव 5 से० मी० होना चाहिए। माप इस तरह फीता लगाकर की जाएगी कि इसका निचला किनारा सामने चूचक से लगा रहे और फीते का ऊपरी भाग पीछे स्कंध फलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोण (लोअर एंगिल) को छूते रहना चाहिए। छाती का एक्स-रे करना जरूरी है इसे यह जानने के लिए किया जाएगा कि छाती का कोई रोग तो नहीं है।

(झ) शरीर में हड्डियों और जोड़ों का कोई रोग नहीं होना चाहिए।

(च) उम्मीदवार के सम्बन्ध में मानसिक विकृति या दौरा पड़ने का पूर्ववृत्त नहीं होना चाहिए।

(छ) उम्मीदवार सामान्य रूप से सुन सके। उम्मीदवार को इस योग्य होना चाहिए कि वह शान्त कमरे में प्रत्येक कान से 610 से० मी० की दूरी में जोर की कानाफूँसी सुन सके, कर्ण नासिका कंठ की पिछली या अब की बीमारी का कोई प्रमाण न हो।

(ज) हृदय या रक्त वाहिकाओं के सम्बन्ध में कोई क्रियात्मक या आंगिक रोग नहीं होना चाहिए, रक्त दाब सामान्य हो।

(झ) उदरपेशियां सुविकसित हों तथा जिगर या तिल्ली बड़ा, टुई न हो उदर के आंतरिक अंग का कोई बीमारी होने पर उम्मीदवार अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

(ज) यदि किसी उम्मीदवार को हर्निया है और उसकी शल्य चिकित्सा न की गई हो तो वह उम्मीदवार अनुपयुक्त होगा यदि हर्निया की शल्य चिकित्सा हो गई हो तो वह वर्तमान परीक्षा में कम से कम एक वर्ष पहले हुई हो जिसका जखम पूरी तरह ठीक हो चुका हो।

(ख) हाइड्रोसील वेरिकोसील या पाइल्स का रोग नहीं होना चाहिए।

(ग) मूत्र की परीक्षा की जाएगी और यदि इसमें कोई असमान्यता मिलती है तो इससे उम्मीदवार अस्वीकृत हो जाएगा।

(ङ) चर्म का ऐसा रोग जिससे अशक्तता अथवा विकृति होने की संभावना है तो उसमें भी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

(च) उम्मीदवार को दूर-दृष्टि चार्ट में प्रत्येक आंख में ऐनक सहित या ऐनक बिना (नौ सेना तथा वायु सेना के लिए केवल ऐनक बिना) 6/6 पढ़ने समर्थ होना चाहिए, मायोपिया 3.5 डी तथा हाइपरमेट्रोपिया 3.5 डी (एस्टिगमेटिज्म) सहित से अधिक नहीं होना चाहिए। यह जानने के लिए कि आंख में कोई रोग तो नहीं है आंख की आंतरिक परीक्षा ओपथल मोस्काप से की जाएगी। उम्मीदवार के दोनों नेत्रों की दृष्टि अच्छी होनी चाहिए। वर्ण दृष्टि का मानक सी० पी०—3 होगा। उम्मीदवार में लाल व हरे रंगों को पहचानने की क्षमता होनी चाहिए।

नौ सेना हेतु उम्मीदवारों का दृष्ट-स्तर निम्न प्रकार होना चाहिए :—

दूर दृष्टि . . . 6/6, 6/6 तक सुधार योग्य 6/9

निकट दृष्टि . . . एन-5 प्रत्येक आंख

वर्ण दृष्टि . . . एन० एच० बी० द्वारा बी० पी०-1

मायोपिया 0.75 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो और हाइपरमेट्रोपिया अच्छी आंख में 1.50 डायोप्ट्रेस से तथा बुरी आंख में 2.50 डायोप्ट्रेस से अधिक न हो।

नेत्र-पेशी मतुलन

मेडोम टेस्ट के साथ हैट्रोफोरिया से निम्नलिखित से बिल्कुल अधिक न हो।

(i) 6 मीटर पर — एकमोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एसीमोफोरिया 8 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(ii) 30 सेंमी० पर — एकमोफोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एसीमोफोरिया 06 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरफोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस

(ड) उम्मीदवार के पर्याप्त संख्या में छुदरती व मजबूत दांत होने चाहिए, कम से कम 14 दांत बिन्दु वाले उम्मीदवार स्वीकार्य हैं। जब 32 दांत होते हैं तो कुल 22 दांत बिन्दु होते हैं : उम्मीदवार को तीव्र पायरिया का रोग नहीं होना चाहिए।

(ण) छाती का एक्स-रे परीक्षा में ग्रेज पशुका की उपस्थिति हेतु ग्रव मेरुदण्ड के निचले भाग की परीक्षा भी शामिल होगी मेना चिकित्सा बोर्ड द्वारा जरूरी समझने पर मेरुदण्ड के अन्य भागों की एक्स-रे परीक्षा की जाएगी।

2. केवल वायु सेना के उम्मीदवारों के लिए उपर्युक्त के साथ निम्नलिखित चिकित्सा मानक भी लागू होंगे :—

(क) वायु सेना के लिए स्वीकार्य मानव देह सम्बन्धी माप निम्न प्रकार है :—

वय	162.5 सें० मी०
टांक की लम्बाई	कम से कम 99 सें० मी० और अधिक से अधिक 120 सें० मी०
अग्र की लम्बाई	अधिक से अधिक 64 सें० मी०
बैठ कर ऊंचाई	कम से कम 81.5 सें० मी० और अधिक से अधिक 96 सें० मी०

(ख) मेरुदण्ड का एक्स-रे फटिफिक दिया जाएगा। एक्सरे में प्रकट निम्नलिखित शर्तें अनर्हक होंगी।

(i) मेरुदण्ड का कणिकागुल्मीय रोग।

(ii) आथ्राइटिस/स्पीडिलोसिस

(iii) मंद से अपेक्षाकृत अधिक कायफोमिस/लडोमिस स्कोलियोसिस काल-पद्धति द्वारा 15 से अधिक अस्वीकृति का कारण बनेगा।

(iv) स्पीडिलोमिस थैसिस/स्पीडिलोमिस

(v) हर्निएटिड न्यूक्लियस पलपोसस।

(vi) कशेरुका का सम्पीडन अस्थिभंग

(vii) श्वेयर मेन का रोग

(viii) प्रदर्शनीय तंत्रिकीय या परिसंचरणीय अभाव के साथ ग्रेज पशुका।

(ix) कोई अन्य अपसामान्यता जिसे विशेषज्ञ ऐसा ठहराए।

(ग) छाती का एक्स-रे जरूरी है।

(घ) दृष्टि

दूर की दृष्टि 6/6, 6/6 तक
सुधार योग्य 6/9

पास की दृष्टि प्रत्येक आंख की एन-5

ण दृष्टि बी० सी०-1 (एम० आई० एच०)
मेनीफेक्ट हाइपरमेट्रोपिया-2.00 डी० से अधिक न हो।
नेत्र पेशी मन्तुलन

मडोक्रम रोड टेस्ट के साथ हेयोकोरिया निम्नलिखित से अधिक न हो :—

- (i) 6 मीटर पर एक्सोकोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एक्सोकोरिया 6 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरकोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
- (ii) 33 सेमी० पर — एक्सोकोरिया 16 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
एक्सोकोरिया 06 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
हाइपरकोरिया 1 प्रिज्म डायोप्ट्रेस
मायोपिया कुछ नहीं
एम्बिंगमेट्रिज्म 0.75 डी०
केवल

द्विनेत्री दृष्टि—अच्छी द्विनेत्री दृष्टि का होना अनिवार्य है।
प्यूजन तथा स्टर्बोसिस तथा साथ में अच्छा आयाम व
गहनता।

(क) मानक

(i) वाक परीक्षित : प्रत्येक कान से 610 से० मी० से
कानाफूसी सुनाई दे।

(ii) श्रव्यतामिति 250 एच० एस० तथा 4000
एच० जैड० के बीच की आव-
नियों में दक्षिणतः कमो 10
डी० बी० से अधिक नहीं।

(च) रुटीन ई० मी० जी० तथा ई० ई० जी० सामान्य सी०
में हो।

3. नौ सैनिक विमानन शाखा के उम्मीदवार हेतु स्वास्थ्य
मानक वही होंगे जो वायु सेना के उड़ान ड्यूटी हेतु उम्मीद-
वार के हैं।

4. किसी एक सेवा के लिए निर्धारित विशेष परीक्षण
किए जाने के दौरान यदि किसी अक्षमता का पता चलता है
तो मेडिकल बोर्ड द्वारा अनहर्क-ठहराए जान की स्थिति में
यह अक्षमता उम्मीदवार को अन्य सेवा (सेवाओं) के लिए
भी अयोग्य ठहरा सकती है।

परिशिष्ट-3

सेवा आदि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गये हैं :—

भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों
के लिए :—

1. भारतीय सेना अकादमी में भर्ती करने से पूर्व—

(क) उसे इस आशय का प्रमाणपत्र देना होगा कि वह
यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या
उमके परिणामस्वरूप यदि कोई चोट लग जाए
ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या अन्यथा आव-

श्यक किसी सजिवल आपरेशन या गंवेदनाहरण
दवाओं के परिणामस्वरूप उममें कोई शारीरिक
अशक्तता आ जाने या उसकी मृत्यु हो जाने पर
वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को सरकार के
विरुद्ध किसी मुआवजे या अन्य प्रकार की राहत
का दावा करने का हक न होगा।

(ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस आशय के
बन्ध पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी
ऐसे कारण से जो उमके नियन्त्रण में समझे जाने
हैं उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा होने से पहले वापिस
आना चाहता है, या कमीशन श्रम्बीकार कर देता
है तो उसपर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र और किए
गये व्यय तथा दिए गये खेतन और भत्ते की कुल
राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित
करें उसे वापिस करनी होगी।

2. अन्तिम रूप से चुने गये उम्मीदवारों को लगभग 18
महीनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन उम्मीदवारों के नाम
सेना अधिनियम के अधीन "जैटलमैन कैडेट" के रूप में दर्ज
किए जायेंगे। "जैटलमैन कैडेट" पर साधारण अनुशासनात्मक
प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना अकादमी के नियम और
विनियम लागू होंगे।

3. यद्यपि आवास, पुस्तक वर्दी, बोर्डिंग और चिकित्सा
सहित प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी,
लेकिन यह आशा की जाती है कि उम्मीदवार अपना खर्च
खुद बर्दाश्त करेंगे। भारतीय सेना अकादमी से (उम्मीद-
वार का न्यूनतम मासिक व्यय 90.00 रु० से अधिक होने
की संभावना नहीं है) यदि किसी कैडेट के माता-पिता या
संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या आंशिक रूप में बर्दाश्त करने
में असमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय सहायता दी
जाती है। लेकिन जिन उम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक
की मासिक आय 500.00 रु० या इससे अधिक हो। वे
इस वित्तीय सहायता के पात्र नहीं होंगे। वित्तीय सहायता
की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्तियों और
सभी साधनों से होने वाली आय का भी ध्यान रखा
जाएगा।

यदि उम्मीदवार के माता-पिता या संरक्षक किसी प्रकार
की वित्तीय सहायता प्राप्त करने के इच्छुक हों तो उन्हें
अपने पुत्र/संरक्षित के भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण
के लिए अन्तिम रूप से चुने जाने के तुरन्त बाद अपने जिले
के जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से एक आवेदन-पत्र देना
चाहिए। जिने जिला मजिस्ट्रेट अपनी अनुमति सहित भारतीय
सेना अकादमी देहरादून के कमांडेंट को अग्रेषित कर देगा।

4. भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम
रूप से चुने गए उम्मीदवारों को आने पर कमांडेंट के पास
निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।

(क) प्रतिमास रु० 90.00 के हिसाब से 5 महीने का जेब खर्च	450.00
(ख) वस्त्र तथा उपकरण की मदों के लिए	1500.00
योग	1950.00

उम्मीदवारों को वित्तीय महायता मंजूर हो जाने पर उपयुक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी।

90.00 रु० प्रतिमास के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 450.00 रु०

5. भारतीय सेना अकादमी में निम्नलिखित छात्रवृत्तियां उपलब्ध है :—

- (1) परशुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के कैडेटों को दी जाती है। छात्रवृत्ति की राशि अधिक से अधिक 500.00 रु० प्रति वर्ष है जो कैडेटों को भारतीय सेना अकादमी में रहने की अवधि के दौरान दी जाती है, बशर्ते कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो, जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी वित्तीय सहायता के हकदार न होंगे।
- (2) कर्नल कंडल फ्रक मेमोरियल छात्रवृत्ति : इस छात्रवृत्ति की राशि 360/- रुपए प्रति वर्ष है और यह किसी ऐसे पात्र मराठा कैडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का पुत्र हो। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाली किसी वित्तीय महायता के अतिरिक्त होती है।

6. भारतीय सेना अकादमी के प्रत्येक कैडेट के लिए सामान्य शर्तों के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होने वाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कमांडेंट को सौंप दिया जाएगा। इस भत्ते को जो रकम खर्च होगी वह।

- (क) कैडेट को कमीशन दे दिए जाने पर दे दी जाएगी।
- (ख) यदि कैडेट को कमीशन नहीं दिया गया तो भत्ते की यह रकम राज्य को वापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी। किन्तु यदि प्रशिक्षणाधीन कैडेट त्यागपत्र दे दे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपयुक्त वस्तुओं को उससे वापस ले लिया जाएगा। इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटारा कर दिया जाएगा।

7. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्यागपत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। लेकिन प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने वाले जैटलमैन कैडेट को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्र स्वीकार होने तक धर जाने

की आज्ञा दे दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च उनसे वसूल किया जाएगा। भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिसे जैटलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे सेना मुख्यालय अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापिस भेज दिया जाएगा।

8. कमीशन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक करने पर ही दिया जाएगा, कमीशन देने की तारीख प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से अगले दिन से शुरू होगी। यह कमीशन स्थायी होगा।

9. कमीशन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते, पेंशन और छुट्टी दी जाएगी तथा सेवा की अन्य शर्तें भी वही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लागू होंगी।

(1) प्रशिक्षण

10. भारतीय सेना अकादमी में आर्मी कैडेट को "जैटलमैन कैडेट" का नाम दिया जाता है उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फैंट्री के उपयुक्तियों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकें, प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने के उपरान्त जैटलमैन कैडेटों को सैकिण्ड लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशन प्रदान किया जाता है बशर्ते कि एस० एच० ए० पी० ई० शारीरिक रूप से स्वस्थ हों।

11. सेवा की शर्तें :

1. वेतन :

रैंक	वेतनमान
सैकिण्ड लेफ्टिनेंट	750-790
लेफ्टिनेंट	830-950
कैप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
मेजर (वेतन का चयन ग्रेड)	1880-50-1900
लेफ्टिनेंट-कर्नल (चयन द्वारा)	1750-1950
लेफ्टिनेंट कर्नल (चयन ग्रेड वेतन)	2000-50-2100
लेफ्टिनेंट कर्नल (समय वेतनमान)	1900 नियत
कर्नल	1950-2175
ब्रिगेडियर	2210-2400
मेजर जनरल	2500-125/2-2750
लेफ्टिनेंट जनरल	3000 प्रतिमास
लेफ्टिनेंट जनरल (आर्मी कमाण्डर)	3250 प्रतिमास

2. योग्यता, वेतन और अनुदान :

लेफ्टिनेंट कर्नल और उसमें नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रु०, 4500 रु०, 6000 रु० के एक भुगतान अनुदान के हकदार हैं। उद्भूत प्रशिक्षण (वर्ग "ख") रु० 70 की दर पर योग्यता वेतन के अधिकारी होंगे।

3. भत्ते :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :-

(क) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय-समय पर लागू दरों और शर्तों के अनुसार इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ते दिये जाते हैं।

(ख) 75 रु० प्रतिमाह की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।

(ग) निर्वासन भत्ता भारत से बाहर सेवा करने पर ही देय है, इसके भुगतान की दरें उपर्युक्त विदेश भर्तों की संगत एकल दर की 25 प्रतिशत से लेकर 40 प्रतिशत राशि तक अलग-अलग है।

(घ) विद्युत्ति भत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहां परिवार सहित नहीं रखा जा सकता है, तब अफसर 140/- रु० प्रतिमाह की दर से विद्युत्ति भत्ता प्राप्त करने के हकदार होते हैं।

(ङ) सज्जा भत्ता :- प्रारम्भिक सज्जा भत्ता रु० 2100 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद 1800 रु० नये सज्जा भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(च) थल सेना में ब्रिगेडियर के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

4. तैनाती :

थल सेना अफसर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किये जा सकते हैं।

पदोन्नति:

(क) स्थायी पदोन्नति

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिए निम्नलिखित सेवा सीमाएं हैं।

समय वेतनमान से

लेफ्टिनेंट

2 वर्ष कमीशन
प्राप्त सेवा

कैप्टन

मेजर

लेफ्टिनेंट कर्नल (चयन द्वारा)

लेफ्टिनेंट कर्नल

कर्नल

ब्रिगेडियर

मेजर जनरल

लेफ्टिनेंट जनरल

जनरल

(ख) कार्यकारी पदोन्नति

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर अफसर उच्चतर रैंकों पर कार्यकारी पदोन्नति के लिए पात्र होंगे मर्ने कि रिक्तिया उपलब्ध हों :-

कैप्टन

मेजर

लेफ्टिनेंट कर्नल

कर्नल

ब्रिगेडियर

मेजर जनरल

लेफ्टिनेंट जनरल

3 वर्ष

6 वर्ष

6-1/2 वर्ष

8-1/2 वर्ष

12 वर्ष

20 वर्ष

25 वर्ष

(ग) नौ सेना अकादमी गोवा में भर्ती होने वाले उम्मीदवारों के लिए :

1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुन लिए जाएंगे, उन्हें नौसेना कार्यकारी शाखा से कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। उन उम्मीदवारों को नौसेना अकादमी, गोवा कैप्टन के पास निम्नलिखित राशि जमा करवानी होगी।

(1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र नहीं दिया हो :-

(1) 100.00 रुपए प्रतिमास की
दर से छः मास के लिए जेब

खर्च

600.00 रु०

(2) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के लिए 1260.00 रु०

जोड़

1860.00 रु०

(2) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय सहायता के लिए आवेदनपत्र दिया हो :-

(1) 100.00 रु० प्रतिमास की दर से दो मास के लिए जेब खर्च	20.00 रु०
(2) कपड़ों और मज्जा-सामग्री के लिए	1260.00 रु०
जोड़	1460.00 रु०

(ख) (i) चुने हुए उम्मीदवारों को कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जाएगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—

(क) कैडेट प्रशिक्षण तथा 6 मास का नौकाएं प्रशिक्षण	1 वर्ष
(ख) मिडशिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण	6 मास
(ग) कार्यकारी सब लेफ्टिनेंट तकनीकी कोर्स	12 मास
(घ) सब-लेफ्टिनेंट	

उपर्युक्त प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, अधिकारियों का नौ-वहन निगरानी संबंधी पूर्ण प्रमाण पत्र लेने के लिए भारतीय नौसैनिक जहाजों पर नियुक्त किया जाएगा, जिसके लिए कम से कम 6 मास की अवधि आवश्यक है।

(ii) नौ सेना अकादमी में कैडेटों के लिए शिक्षण, आवास और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेगी किन्तु कैडेटों के माता-पिता अभिभावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा। यदि कैडेट के मातापिता/अभिभावकों की मासिक आय 500 रुपये से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा आंशिक रूप से पूरा न कर सकते हों तो सरकार कैडेट के लिए 90 रु० प्रति मास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती है। वित्तीय सहायता लेने का इच्छुक उम्मीदवार अपने चुने जाने के बाद शीघ्र ही अपने जिला मजिस्ट्रेट के माध्यम से आवेदन-पत्र दे सकता है जिला मजिस्ट्रेट उस आवेदन पत्र को अपनी अनुशंसा के साथ निदेशक, मानव समाधान एवं भर्ती, नौसेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा यदि किसी मातापिता/अभिभावक के दो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौ सेना जहाजों/प्रतिष्ठानों के साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त वित्तीय सहायता दी जा सकती है बशर्ते कि मातापिता/अभिभावक की मासिक आय 600 रु० से अधिक न हो।

(iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेना के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाना है अकादमी छोड़ने के बाद उनसे पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उन्हें

उपर्युक्त परा (ii) के अनुसार अकादमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली वित्तीय सहायता के समान सहायता दी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैडेटों की मिड शिप मैन के रैंक में पदोन्नति कर दी जाएगी और वे वेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।

(iv) कैडेटों का सरकार से निःशुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सभी नमूने उनकी एक रूपता को सुनिश्चित करने के लिए ये कपड़े नौसेना अकादमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को वहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिये आवेदनपत्र देने वाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशुल्क या उधार दिए जा सकते हैं उन्हें कुछ विशेष कपड़े भी खरीदने होंगे।

(v) प्रशिक्षण के दौरान सर्विस कैडेटों को अपने मूल रैंक के वही वेतन और वही भत्ते मिलेंगे जो कैडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे यदि उन्हें उस रैंक में वेतन वृद्धि दी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यदि उनके मूल रैंक का वेतन और भत्ते मीधे भर्ती होने वाले कैडेटों को मिलने वाली वित्तीय सहायता से कम हों तथा वह उस सहायता को प्राप्त करने के पात्र हों—तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के अन्दर की राशि भी मिलेगी।

(vi) सामान्यतः किसी कैडेट को प्रशिक्षण के दौरान त्याग पत्र देने की अनुमति नहीं दी जायेगी। जिस कैडेट को भारतीय नौ सेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा हुआ उसे सरकार के अनुमोदन से वापिस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है। इन परिस्थितियों में किसी सर्विस कैडेट को उनकी मूल सर्विस पर वापिस भेज दिया जायगा। जिस कैडेट को इस प्रकार के प्रशिक्षण से हटाया जायगा, या मूल सर्विस पर वापिस भेजा जाएगा वह परवर्ती कोर्स में दुबारा दाखिल होने का पात्र नहीं रहेगा। किन्तु जिन कैडेटों को कुछ कठिनाजन्य कारणों के आधार पर त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावगुण के आधार पर विचार किया जाता है।

2 किसी उम्मीदवार के भारतीय नौसेना में कैडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को

(क) इस आशय के प्रमाण-पत्र पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि यदि उसके पुत्र या आश्रित को प्रशिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई चोट लग जाए या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मृच्छित करने की औपश्रि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाये तो उसे या उसके पुत्र या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के दावे या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इन आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियन्त्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार प्रशिक्षण पुरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि क्षमीशन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, शुल्क, भोजन वस्त्र वेतन तथा भत्ते जो कडेट ने प्राप्त किये ह उनका मूल्य या अंश जो सरकार निर्धार करे, चुकाने की जिम्मेदारी वह लेता है।

3. वेतन तथा भत्ते :

(क) वेतन

रैंक	वेतनमान सामान्य सेवा
1	2
मिडशिपमैन	रु० 560.00
एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट	रु० 750.00
सब-लेफ्टिनेंट	रु० 830.00-870.00
लेफ्टिनेंट	रु० 1100.00-1450.00
लेफ्टिनेंट कमांडर	रु० 1450.00-1800.00
लेफ्टिनेंट कमांडर	रु० 1800.00-1900.00
(चयन ग्रेड वेतन)	
कमांडर (चयन द्वारा)	रु० 1750.00-1950.00
कमांडर (समग्र वेतनमान द्वारा)	रु० 1900.00 नियत
कमांडर (चयन ग्रेड वेतन)	रु० 2000.00-2100.00
कैप्टन	रु० 1950.00-2400.00
	(कमोडोर वह वेतन लेता है जिसका वह कप्तान के रूप में वरिष्ठता के अनुसार हकदार है)।
रियर एडमिरल	रु० 2500.00-125.00/2-2750.00
वाइस एडमिरल	रु० 3000.00
वाइस एडमिरल (बी० सी० एन० एम०/एफ० ओ० सी०)	
इन सी०)	रु० 3250.00
एडमिरल	रु० 4000.00

(ख) भत्ते :

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित भत्ते मिलते हैं :—

- (i) सिविलियन राजपत्रित अफसरों पर समय समय पर लागू दरों और भत्तों के अनुसार दरें भी नगर प्रतिकर तथा महंगाई भत्ता और अन्तिम सहायता मिलती है।
- (ii) 75/- रु० प्रति मास की दर से फिट अनुरक्षण भत्ता (कमोडोर रैंक के तथा उनसे नीचे के रैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैंक के अनुसार 50/- रुपय से 250/- रुपय तक प्रति मास प्रवास भत्ता।
- (iv) 140/- रु० प्रतिमास के हिमाब से इन अफसरों को क्षेत्र वियुक्ति भत्ता मिलेगा :—
 - (क) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
 - (ख) जिन विवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जितनी अवधि के लिए वे बेस पतनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।
- (v) (क) परिमज्जा भत्ता : प्रारम्भिक मज्जा भत्ता रुपया 2400/- है।
 - (ख) वास्तविक सेवा के प्रति सात वर्ष बाद, नवीनीकरण परिमज्जा भत्ता रु० 2100/- है।
- (vi) नॉसेना में कमोडोर (भारतीय नॉसेना) के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।
- (vii) वियुक्ति भत्ता (शांति)

रियर एडमिरल और उससे ऊपर के पद के अधिकारियों को जब परिवार आवास के उपलब्ध न होने के कारण मेषों में रहने के लिए बाध्य किया जाता है तो वे परिवार आवास के आवंटन होने तक नये स्टेशन पर ड्यूटी पर आने की तारीख से रु० 200/- प्र० मा० वियुक्ति भत्ता (शांति) प्राप्त करने के हकदार होंगे। यह भत्ता केवल उन्हीं क्षेत्रों के लिए देय होगा जहां ऐसे अधिकारी क्षेत्र सेवाएं छूट के रूप में निशुल्क राशन पाने के हकदार नहीं हैं।

टिप्पणी 1.—उपर्युक्त के अलावा मंकट के समय काम करने की राशि पनडुब्बी भत्ता, पनडुब्बी/चेरियट वेतन, प्लाइंग वेतन सर्वेक्षण, आनुतापिक/अर्हता वेतन/अनुदान तकनीकी वेतन गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को दी जा सकती है।

टिप्पणी 2.—अफसर पनडुब्बी तथा विमानन सेवाओं के लिये अपनी सेवाएं अर्पित कर सकते हैं। इन सेवाओं

में सेवा के लिए चुने गए अफसर बड़े हुए
वेतन तथा भत्तों को पाने के हक्कादार होते हैं।

4. पदोन्नति

- (क) समय वेतनमान द्वारा
मिडशिपमैन से एक्जिटिंग
सब-लेफ्टिनेंट तक 1/2 वर्ष
एक्जिटिंग सब-लेफ्टिनेंट से
सब-लेफ्टिनेंट तक 1 वर्ष
सब-लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट तक एक्जिटिंग और स्थायी सब-
लेफ्टिनेंट (वरिष्ठता के
लाभ/समपहरण के अधीन,
रूप में 3 वर्ष
लेफ्टिनेंट से लेफ्टिनेंट कमोडोर लेफ्टिनेंट के रूप में 8 वर्ष की
तक वरिष्ठता
लेफ्टिनेंट कमोडोर से कमोडोर 24 वर्ष की संभी कमीशन
तक प्राप्त सेवा
(यदि अयन द्वारा पदोन्नति
न हुई हो)

- (ख) अयन द्वारा लेफ्टिनेंट कमोडोर लेफ्टिनेंट कमोडोर के रूप में
से कमोडोर तक 2-8 वर्ष की वरिष्ठता
कमोडोर से कैप्टन तक कमोडोर के रूप में 4 वर्ष
की वरिष्ठता

कैप्टन से रियर एडमिरल और
उनसे उपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं

5. तैनाती

अफसर भारत और विदेश में कहीं भी तैनात किए
जा सकते हैं।

टिप्पणी :- यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह
निदेशक, कार्मिक सेवा, नौ सेना मुख्यालय, नई
दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

- (ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल में भर्ती होने वाले उम्मीद-
वारों के लिए :-

1. इससे पूर्व की उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कूल
मद्रास में भर्ती हो :-

- (क) उसे इस आशय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने
होंगे कि वह भलीभांति समझता है कि उसे या
उसके वैध वारिसों को सरकार से मुआवजा या
अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं
होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चोट
या शारीरिक दुर्बलता हो जाए या मृत्यु हो जाए
या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए
आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूर्छित करने की
श्रीषधि के प्रयोग के फलस्वरूप ऐसा हो जाए।

(ख) उसके माता-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर
हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके
नियन्त्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्मीदवार
कोर्स पूरा करने में पूर्व वापस जाना चाहे या यदि
दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर
ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण प्राप्त करने हुए शारी-
कर ले तो शिक्षा, खाना, वस्त्र और वेतन तथा
भत्ता जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या
उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने
के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अन्तिम रूप में चुने जाएंगे उन्हें अफसर
ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोर्स पूरा करना
होगा। इस उम्मीदवार को सेना अधिनियम के अन्तर्गत
जैण्टलमैन कैडेट के रूप में नामांकित किया जायेगा। सामान्य
अनुशासन की दृष्टि से जैण्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के
नियमों तथा विनियमों के अन्तर्गत रहेंगे।

3 प्रशिक्षण की लागत जिसमें आवास, पुस्तकें, वस्त्र व
भोजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है सरकार वहन
करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्च स्वयं वहन करना
होगा। कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के दौरान न्यूनतम रु० 90.00
प्रति मास में अधिक खर्च की संभावना नहीं है। किन्तु यदि
उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरपाटा
इत्यादि का शौक रखता हो तो उसे अनिवार्य धन की आवश्यकता
होगी। यदि कोई कैडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आंशिक
रूप से वहन नहीं कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय
दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता दी जा सकती है। बशर्ते कि
कैडेट और उसके माता-पिता/अभिभावक की आय रु० 500
प्रति मास से कम हो। वर्तमान आदेशों के अनुसार वित्तीय
सहायता की दर 90.00 रुपए प्रति मास है। जो उम्मीदवार
वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक है उसे प्रशिक्षण के
लिए अन्तिम रूप से चुने जाने के बाद निर्धारित प्रपत्र पर एक
आवेदन अपने जिले के जिला मजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी
सत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेदनपत्र को कमांडेंट अफसर,
ट्रेनिंग स्कूल मद्रास को भेज देगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अन्तिम रूप से प्रशिक्षण के
लिए चुने गए उम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमांडेंट के पास
निम्नलिखित धन राशि जमा करनी होगी :-

(क) रु० 90.00 प्रति मास की दर से दस महीने के लिए जेब खर्च	900.00 रु०
(ख) वस्त्र तथा उपकरण के लिए	500.00 रु०
योग	1400.00 रु०

यदि कैडेटों की वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त
राशि में से (ख) के मामले दी गयी राशि वापस कर दी जाएगी।

5. समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत
परिधान भत्ता मिलेगा।

कमीशन मिल जाने पर इस भत्ते से खरीदे गए वस्त्र तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जायेंगे । यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में त्याग-पत्र दे दे या निकाल दिया जाए या कमीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे वापिस ले लिया जाएगा । इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हित को दृष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा ।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान त्याग-पत्र देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण प्रारम्भ होने के बाद त्यागपत्र देने वाले जैण्टलमैन कैडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याग-पत्र स्वीकारकृत होने तक घर जाने की आज्ञा दी जा सकती है । प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भोजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च वसूल किया जाएगा । अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्हें तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आशय का एक बांड भरना होगा ।

7. जिस जैण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोर्स करने के योग्य नहीं समझा जायेगा उसे सरकार की अनुमति से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है । इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवारों को उनकी रेजिमेंट कोर में वापिस भेज दिया जाएगा ।

8. कमीशन प्रदान कर दिए जाने के बाद वेतन तथा भत्ता, वेश्म छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्तें निम्न प्रकार होंगी :—

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीदवारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैण्टलमैन कैडेटों के रूप में नामांकित किया जायेगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे, प्रशिक्षण सफलतापूर्वक करने के उपरान्त, जैण्टलमैन कैडेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सेकेंड लेफ्टिनेंट के पद पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रदान किया जाता है ।

10. सेवा की शर्तें :

(क) परिबीक्षा की अवधि :

कमीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 मास की अवधि तक परिबीक्षाधीन रहेगा । यदि उसे परिबीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुरूप उपयुक्त बताया गया तो उनकी परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है ।

(ख) तैनाती :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विदेश में कहीं भी तौकरी पर तैनात किया जा सकता है ।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोन्नति :

नियमित थल सेना में अल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान किया जाएगा जो अफसर सेना में पांच वर्ष के अल्पकालिक सेवा कमीशन की अवधि के बाद सेना में सेवा करने के इच्छुक होंगे यदि हर प्रकार से पात्र तथा उक्त सेवा कमीशन के अन्तिम वर्ष में उनको स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा जो पांच वर्ष की अवधि के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की अर्हता प्राप्त नहीं कर पाएंगे उन्हें पांच वर्ष की अवधि पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया जाएगा ।

(घ) वेतन और भत्ते :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर वही वेतन भत्ते प्राप्त करेंगे जो सेना के नियमित अफसरों को प्राप्त होता है ।

सैकेंड लेफ्टिनेंट और लेफ्टिनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है :—

सैकेंड लेफ्टिनेंट रु० 750—790 प्रति मास

लेफ्टिनेंट—रु० 830—950 प्रति मास ।

तथा अन्य भत्ते जो नियमित अफसरों को मिलते हैं ।

(ङ) छुट्टी :

छुट्टी के संबंध में ये अफसर अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसरों के लिए लागू नियमों से शासित होंगे जो सेवा अवकाश नियमावली खण्ड—I थल सेना के अध्याय पांच में उल्लिखित है, जो अफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग आउट करने पर तथा ड्यूटी ग्रहण करने से पूर्व नियम 91 में दी गयी व्यवस्था के उम्मीदवार को उनकी रेजिमेंट कोर में वापिस भेज दिया जाएगा ।

(च) कमीशन की समाप्ति :

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त अफसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त कर सकती है :—

- (i) उपचार करने या सन्तोषजनक रूप से सेवा व करने पर; या
- (ii) स्वास्थ्य की दृष्टि से अयोग्य होने पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की और अधिक आवश्यकता न होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोर्स में अर्हता प्राप्त करने में, अफल रहने पर ।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी अफसर की कर्षणाचल का अन्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति दी जा सकती है । किन्तु इसकी पूर्णतः निर्णयक भारत सरकार ही होगी । कर्षणाचल का जस्य कारणों के आधार पर कमीशन से त्याग-पत्र देने की अनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई से सवांत उपदान पाने का हकदार नहीं होगा ।

(छ) पेंशन लाभ :

(i) ये अभी विचाराधीन है

(ii) अल्पकालिक सेवा कमीशन अफसर 5 वर्ष की सेवा पूरी करने पर 50,0000 का सेवांत उपदान पाने के हक्दार होंगे।

(ज) रिजर्व में रहने का दायित्व

5 वर्ष की अल्पकालिक सेवा कमीशन, सेवा या बढ़ाई गई कमीशन सेवा पूर्ण करने के बाद से 5 वर्ष की अवधि के लिए या 40 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रिजर्व में रहेंगे।

(झ) विविध :

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तें जब तक उनका उपयुक्त उप-बन्धों के साथ भेद नहीं होता है वही होगी जो नियमन अफसरों के लिए लागू है।

(ग) वायु सेना अकादमी में प्रवेश लेने वाले उम्मीदवारों के लिए :

1. चयन :

भारतीय वायु सेना की उड़ान शाखा (पाइलट) में दो प्रकार से भर्ती की जाती है, अर्थात् संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से डायरेक्ट एन्ट्री और एन० सी० सी० वायु सेना स्कंध वरिष्ठ प्रभाग के माध्यम से।

(क) डायरेक्ट-एन्ट्री-आयोग, लिखित परीक्षा के आधार पर चयन करता है, ये परीक्षाएं एक वर्ष में मान्यतः दो बार मई और नवम्बर में ली जाती हैं। सफल उम्मीदवारों को वायु सेना चयन बोर्ड के सामने परीक्षण और साक्षात्कार के लिए भेजा जाता है।

(ख) एन सी० सी० के माध्यम से प्रवेश-राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशक द्वारा विभिन्न एन० सी० सी० यूनिटों के माध्यम से एन० सी० सी० उम्मीदवारों से आवेदनपत्रों को आमंत्रित करके उन्हें वायु सेना मुख्यालय को अग्रसारित कर दिया जाता है। पात्र उम्मीदवारों को परीक्षा और साक्षात्कार के लिए वायु सेना चयन बोर्ड के सामने प्रस्तुत होने का निदेश दिया जाता है।

2. प्रशिक्षण पर भेजना :

वायु सेना चयन बोर्ड द्वारा अनुशासित और उपायुक्त चिकित्सक प्राधिकरण द्वारा शारीरिक रूप से स्वस्थ पाए जाने वाले उम्मीदवारों को वरीयता तथा उपलब्ध रिक्तियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है। डायरेक्ट एन्ट्री उम्मीदवारों की वरीयता सूची संघ लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार की जाती है और एन० सी० सी० उम्मीदवारों की वरीयता-सूची अलग से तैयार की जाती है। डायरेक्ट एन्ट्री उड़ान (पाइलट) उम्मीदवारों की वरीयता-सूची सं०

लो० से० आ० द्वारा लिखित परीक्षण में उम्मीदवारों के प्राप्तियों तथा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों को जोड़कर कर तैयार की जाती है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के उम्मीदवारों की वरीयता-सूची उनके द्वारा वायु सेना चयन बोर्ड में प्राप्त अंकों के आधार पर तैयार की जाती है।

3. प्रशिक्षण :

वायु सेना अकादमी में उड़ान शाला (पाइलट) के लिए प्रशिक्षण की अवधि लगभग 75 सप्ताह होगी।

उड़ान प्रशिक्षण के दौरान बीमा सुरक्षा/ वायु सेना ग्रुप बीमा सोसायटी दुर्घटना की स्थिति में इस फ्लाइट कैडेट के निकटतम संबंधी को 35,000/- रुपए अनुग्रह राशि के रूप में भुगतान करेगी जो सिविल क्षेत्र से आया हो और उड़ान प्रशिक्षण पा रहा हो कोई फ्लाइट कैडेट यदि स्वास्थ्य की दृष्टि से अक्षम हो जाता है और प्रशिक्षण से मुक्त कर दिया जाता है तो उसे शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए 25,000/- रुपए अनुग्रह राशि के रूप में भुगतान किए जाएंगे तथा यह राशि इसी अनुपात में घटकर 20 प्रतिशत रह जाती है।

सरकार द्वारा फ्लाइट कैडेट को एक बार वेतन तथा भत्ते स्वीकृत कर लिए जाने पर सुरक्षा 50,000 रुपए होगी और शत-प्रतिशत अक्षमता के लिए अक्षमता सुरक्षा 25,000/- रुपए होगी वायु सेना ग्रुप बीमा सोसायटी द्वारा यह सुरक्षा उड़ान प्रशिक्षण पा रहे प्रत्येक फ्लाइट कैडेट द्वारा 76 रुपए के मासिक अप्रतिदेय अंशदान का भुगतान करने पर दी जाएगी, जिसके लिए सदस्यता अनिवार्य होगी।

वित्तीय सहायता पर लागू होने वाली शर्तें

(1) यद्यपि जगह, पुस्तक, वर्दी, ठहराने और चिकित्सा उपचार सहित, प्रशिक्षण का खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तो भी उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अपना जब खर्च स्वयं वहन करें। वायु सेना-प्रवासनिक कालिज में प्रति मास कम से कम 90 रुपए से अधिक खर्च होने की संभावना नहीं है। यदि किसी कैडेट के अभिभावक या संरक्षक उस खर्च को भी पूर्ण रूप या आंशिक रूप से वहन करने में असमर्थ है तो उसे सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है। जिस कैडेट के अभिभावक या संरक्षक की मासिक आय 500 रुपए या इससे अधिक है वह वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने का पात्र नहीं होगा। वित्तीय सहायता की पात्रता निर्धारित करने के लिए अचल सम्पत्ति तथा अन्य परिलब्धियां और सभी स्रोतों से होने वाली आय को भी ध्यान में रखा जाता है। वित्तीय सहायता प्रदान करने के इच्छुक उम्मीदवार के अभिभावक/संरक्षक को अपने पुत्र/वध्व के वायु सेना प्रशिक्षण कालिज में प्रशिक्षण हेतु अन्तिम रूप से चुन लिए जाने के तुरन्त बाद अपना आवेदन अपने जिले के जिलाधीश के माध्यम से प्रस्तुत कर देना चाहिए। जिलाधीश

उस आवेदन को अपनी अनुशंसा सहित कमांडेंट, वायु सेना प्रशासनिक कालेज, रेड फील्ड्स, कोयम्बटूर को अग्रेषित कर देगा।

(ट) वायु सेना प्रशासनिक कालिज में प्रशिक्षण हेतु अंतिम रूप में चुने गये उम्मीदवारों को आने पर निम्नलिखित रकम कमांडेंट के पास जमा करनी है :—

(क) 90 रुपए प्रति मास की दर से
5 मास के लिए जेब भत्ता 450 रुपए

(ख) वस्त्र और उपस्कर मदों के लिए 525 रुपए

योग्य 975 रुपए

उपर्युक्त रकम में से निम्नलिखित रकम कैंडेट को वित्तीय सहायता प्रदान किए जाने की स्थिति में वापस देय है :

90 रुपए प्रति मास की दर से 5 मास
के लिए जेब भत्ता 450 रुपए

4. भविष्य में पदोन्नति की संभावनायें—प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद उम्मीदवार को पाइलट अफसर का रैंक दिया जाता है। और वे उसी रैंक के वेतन तथा भत्ते प्राप्त करने के हकदार हो जाते हैं। वर्तमान दरों के आधार पर, उड़ान शाखा के अधिकारियों को लगभग रु० 2450/- प्रतिमाह मिलते हैं जिसमें उड़ान वेतन रु० 750 प्रतिमाह भी सम्मिलित है। वायु सेना का भविष्य बहुत उज्ज्वल होता है यद्यपि विभिन्न शाखाओं में इस प्रकार की संभावनाएं अलग-अलग होती हैं।

भारतीय वायु सेना में दो प्रकार से पदोन्नति होती है अर्थात् कार्यकारी रैंक प्रदान करके और स्थायी रैंक प्रदान करके प्रत्येक उच्च रैंक के लिए अतिरिक्त परिलब्धियां निर्धारित हैं। रिक्तियों की संख्या पर आधारित हर एक को उच्च कार्यकारी रैंक में पदोन्नति प्राप्त करने के अच्छे अवसर मिलते हैं। स्क्वेड्रन और विंग कमांडर के रैंक में समय वेतनमान पदोन्नति उड़ान (पाइलट) शाखा में क्रमशः 11 वर्ष की तथा 14 वर्ष की सफल सेवा पूरी करने के बाद की जाती है। विंग कमांडर और उससे ऊपर के उच्चतर पदों में पदोन्नति विधिवत गठित पदोन्नति बोर्डों द्वारा चयन के आधार पर की जाती है। उदीयमान अधिकारियों के लिए पदोन्नति के अच्छे अवसर होते हैं।

वेतन तथा भत्ते :—

मूल रैंक	उड़ान शाखा
	रुपये
पाइलट अफसर	825-865
फ्लाईंग अफसर	910-1030
फ्लाईंग लेफ्टिनेंट	1150-1550

मूलरैंक	उड़ान शाखा
स्क्वेड्रन लीडर	1450-1800
विंग कमांडर	1550-1950
ग्रुप कैप्टन	1950-2175
एयर कमांडोर	2200-2400
एयर वाइस	2550-2750
मार्शल	
एयर मार्शल	3000

महंगाई तथा प्रतिकर भत्ते—अधिकारियों को वे भत्ते भारत सरकार के सिविलियन कर्मचारियों को लागू होने वाली शर्तों के अन्तर्गत दी गई दरों पर मिलते हैं।

फिट अनुरक्षण भत्ता : 75 प्रतिमाह उड़ान वेतन; उड़ान शाखा के अधिकारी निम्नलिखित दरों पर उड़ान वेतन के हकदार होते हैं :—

विंग कमांडर और उससे नीचे रु० 750.00 प्रतिमाह
ग्रुप कैप्टन और एयर कमांडोर रु० 666.00 प्रतिमाह
एयर वाइस मार्शल और उससे रु० 600.00 प्रतिमाह ऊपर

योग्यता वेतन :—कमीशन सेवा के दो या दो से अधिक वर्ष पूरा करने वाले विंग कमांडर और उससे नीचे के रैंक के अधिकारियों को विशिष्ट योग्यताओं के लिए निर्धारित दरों पर योग्यता वेतन/अनुदान प्रदान किया जाता है। योग्यता वेतन की दर रु० 70/-, और रु० 100/- है और अनुदान रु० 6000/- रु० 4,500/- रु० 2400/- और रु० 1600/-

प्रवास भत्ता :—यहां वायुसेना अधिकारियों को टुकड़ियों के रूप में रखा जाता अपेक्षित होता है उन देशों में नियुक्त एक तृतीय सचिव, द्वितीय सचिव प्रथम सचिव कन्सुलर को दिये जाने वाले भत्ते का 25 से 40 प्रतिशत तक प्रवास भत्ते देय होता है वियक्ति भत्ता :—ऐसे विवाहित अधिकारी जिनकी नियुक्ति यूनिट में होती है, गर परिवार स्टेशन स्थित/सरकार द्वारा अधिसूचित ऐसे स्थान जहां अधिकारियों को परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं होती है उन्हें रु० 140/- प्रतिमाह की दर से वियक्ति भत्ता दिया जाएगा।

परिधान भत्ता :—वर्दी/उपस्कर जो कि प्रत्येक अधिकारी को अवश्य रखनी पड़ती है उसके मूल्य के बदले में दिया जाने वाला प्रारम्भिक परिधान भत्ता रु० 2100/- है (समय-समय पर इसमें संशोधन किया जाता है) नवीकरण के लिए हर 7 साल के बाद रु० 1800/- दिए जाएंगे, कैम्पनिट कमीशन प्रदान करते समय मुफ्त दी जाती है।

वायु सेना में एयर कमांडोर के स्तर तक मुफ्त राशन दिया जाता है।

6. छुट्टी और अवकाश यात्रा रियायत भत्ता

वार्षिक अवकाश वर्ष में 60 दिन
आकस्मिक अवकाश वर्ष में 20 दिन : एक
बार में 10 दिन से अधिक नहीं

कमीशन प्राप्त करने के एक वर्ष बाद जब भी अधिकारी वार्षिक आकस्मिक अवकाश लेंगे वे तथा उनके परिवार के सबस्य मुफ्त सवारी के हकदार होंगे चाहे अवकाश की अवधि कुछ भी क्यों न हो। जनवरी 1971 से प्रारम्भ होने वाले दो वर्षों के ब्लाक में एक बार अधिकारी अपने इयूटी स्थान (यूनिट) से घर तक आने के लिए निःशुल्क सवारी वाहन के हकदार होंगे। जिस वर्ष इस रियायत का उपयोग नहीं किया जायेगा तो उस वर्ष उसे पत्नी सहित 1450 कि० मी० के रास्ते के लिए आने और जाने दोनों तरफ की सुविधा पाने का हक होगा।

इसके अतिरिक्त उड़ान भाखा के अधिकारियों को, जो प्राधिकृत स्थापना में रिक्तियों को भरने के लिए नियमित उड़ान इयूटी पर तैनात होते हैं, अवकाश लेने पर वर्ष में एक बार वारंट पर अपने, पत्नी तथा आश्रित बच्चों के वास्ते प्रत्येक ओर से 1450 कि० मी० की दूरी को तय करने के लिए रेल द्वारा उपयुक्त क्लास में मुफ्त यात्रा करने की सुविधा होगी।

जो अधिकारी छुट्टी लेकर अपने खर्च से यात्रा करने के इच्छुक है वे कलेण्डर वर्ष में तीन बार पत्नी तथा बच्चों के रेल द्वारा प्रथम श्रेणी के किराये का 60 प्रतिशत भुगतान करके यात्रा करने के हकदार होंगे इसमें एक बार पूरे परिवार के साथ यात्रा की सुविधा दी जाएगी। परिवार में पत्नी तथा बच्चों के अलावा अधिकारी पर पूर्णतया आश्रित माता-पिता, बहन और नाबालिग भाई शामिल होंगे।

7. पेंशन लाभ :

सेवा निवृत्ति के समय अर्हक रैंक (स्पाई)	सेवा की न्यूनतम अवधि	निवृत्ति पेंशन की मानक दर	त्रमासिक पेंशन
1	2	3	4
		र० प्रतिमाह	र० प्रतिमाह
पायलट अफसर/फ्लाईंग अफसर	20 वर्ष	950.00	100.00
पाइलट लेफ्टिनेंट	20 वर्ष	1200.00	75.00
स्क्वैड्रन लीडर	22 वर्ष	1400.00	—
विंग कमांडर (समय)	26 वर्ष	1525.00	—
वेतनमान			
विंग कमांडर (स्लेक्टिव)	24 वर्ष	1575.00	—
ग्रुप कैप्टन	26 वर्ष	1850.00	—
एयर कमांडर	28 वर्ष	2025.00	—
एयर वाइस मार्शल	30 वर्ष	2275.00	—

1		3	4
एयर मार्शल	30 वर्ष	2400.00	—
एयर मार्शल बी० सी० ए० एस० और ए० ओ० एस० सी०			
इनसी	30 वर्ष	2500.00	—
एयर चीफ मार्शल	30 वर्ष	2825.00	—

8. सेवा-निवृत्ति उपदान

राष्ट्रपति की विवक्षा पर सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित है :—

(क) 10 वर्ष की सेवा के लिए र० 12,000/- पिछले रैंक के डेढ़ महीने वेतन घटाकर

(ख) प्रत्येक अतिरिक्त वर्ष के लिए र० 1200/- जिसमें से पिछले रैंक के 1/4 महीने का वेतन घटाकर।

पेंशन या उपदान के अतिरिक्त प्रत्येक छः महीने की अवधि की अर्हक सेवा के लिए कुल परिश्रमियों के चौमाई के बराबर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान देय है जोकि परिश्रमियों का 16-1/2 गुणा होगा और र० 50,000/- से अधिक नहीं होगा।

सेवा में रहते हुए मृत्यु हो जाने पर मृत्यु और सेवा-निवृत्ति उपदान निम्नलिखित रूप से होंगे :—

(क) सेवा के पहले वर्ष यदि मृत्यु हो जाए तो दो महीने का वेतन ;

(ख) एक वर्ष की सेवा के बाद तथा पाँच वर्ष की सेवा से पहले यदि मृत्यु हो जाए छः महीने का वेतन ; और

(ग) पाँच वर्ष की सेवा के बाद मृत्यु हो जाये तो कम से कम 12 महीने का वेतन।

विकलंगता पेंशन और बच्चों और आश्रितों (माता-पिता, बहन तथा भाई) की विशेष परिवार पेंशन पुरस्कार भी निर्धारित नियमों के अनुसार देय है।

9. अन्य सुविधाएं ।

अधिकारी तथा उनके परिवार निःशुल्क चिकित्सा सहायता रियायती दर पर आवास, ग्रुप बीमा योजना, ग्रुप आवास योजना, परिवार सहायता योजना, कौटीन सुविधाओं आदि के हकदार हैं।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110 011, the 2nd March 1987

No. A. 38013/3/86-Admn. III.—The President is pleased to permit Shri A. S. Bedi a permanent Assistant and officiating Section Officer on ad-hoc basis in the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to retire from Government Service, on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of the 28th February, 1987 in terms of Department of Personnel and Administrative Reform O. M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

The 31st March 1987

No. A. 19014/3/87-Admn. I.—The President is pleased to appoint Shri Narinder Singh, CSS as Under Secretary in the Office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 27th March, 1987, until further orders.

M. P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110003, the 15th April 1987

No. 3/75/75-Adm. II.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Shri O. P. Channa relinquished the charge of the post of Section Officer, CFIs, Bureau of Police Research and Development, New Delhi w.e.f. 31-3-87 (A.N.)

R. S. SAHAYE
Dy. Director

DIRECTORATE OF CO-OPERATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-3, the 9th April 1987

No. A-12011/5/86-Admn. II.—The President is pleased to appoint the following Extra Assistant Directors of Directorate of Co-ordination (Police Wireless) as Assistant Directors in Directorate of Co-ordination in the scale of pay of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000/- in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of 13th March '87 until further orders.

- 1, Shri K. C. Agnihotri
2. Shri S. K. Sharma

B. K. DUBE
Director Police Telecommunication

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE,

New Delhi-110003, the 13th April 1987

No. A-12011/5/86-Admn.II.—The President is pleased to confirm Dr. K. K. Saini in the grade of Chief Medical Officer in the CRPF with effect from 4-9-84.

No. O. II-2349/87-Estt. I.—The President is pleased to appoint Dr. Mukul Kumar as General Duty Officer Grade-II (Deputy Supdt. of Police/Company Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 29th March, 1987.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI
Assistant Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th April 1987

No. 10/11/85-Ad. I.—The President is pleased to appoint Shri Mohammed Abbas, presently working as Research Officer (Map) in the Director of Census Operations,

Bihar, to the post of Research Officer (Drawing) to the Office of the Registrar General of India, New Delhi with effect from 11-3-1987 (FN) in the pay scale of Rs. 2200-75-2800-EB-100-4000 by transfer on deputation basis for a period of three (3) years or until further orders, whichever is earlier.

V. S. VERMA
Registrar General, India and
Jt. Secy.

MINISTRY OF FINANCE

DEPARTMENT OF REVENUE

New Delhi, the 13th April 1987

CHIEF CONTROLLER GOVERNMENT OPIUM AND ALKALOID FACTORIES ESTABLISHMENT

No. II/3/4/ET/86/1638.—Shri A. K. Chakravorty, Administrative Officer, Government Opium & Alkaloid Works, Ghazipur retired from Government Service with effect from 31-3-1987 (Afternoon) on attaining the age of superannuation.

(SD./) ILLEGIBLE
Chief Controller of Factories

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110 002, the 16th April 1987

No. 761 CA.I/259-60.—On his attaining the age of superannuation Shri B. K. Chakravorty, Audit Officer (Commercial) working in Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-II, Calcutta has retired from service with effect from 28-2-1987 AN.

D. N. ANAND
Asstt. Comptroller & Auditor General (C).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 16th April 1987

No. Admn. I/O. O No. 12.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints Shri Darshan Singh, an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-3500 with effect from 1-3-1987 (A.N.).

No. Admn. I/O. O. No. 13.—The Director of Audit, Central Revenues-I, New Delhi hereby appoints Shri Kuldip Singh Illamwadi, a permanent S. O. (now Asstt. Audit Officer) of this office to officiate as an Audit Officer in the scale of Rs. 2375-3500 (Revised Scale) with effect from the afternoon of 13th April, 1987 until further orders.

(Sd./) ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 13th April 1987

No. Ad.I/8-132/87-88/DP No. 4.—Shri S. V. Subramaniam II, Audit Officer, Office of A.G. (Audit-I), A.P. Hyderabad, retired from service on the Afternoon of 31-3-1987.

The 14th April 1987

No. Admn.I/Prom./8-132/87-88/10.—The Accountant General (Audit). I, Andhra Pradesh, Hyderabad is pleased to promote the following Asstt. Audit Officer to officiate as Audit Officer in the scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500

with effect from the date noted against him until further orders.

Name and Date of assumption of charge

1. Shri M. Dakshinamurthy, 1-4-1987 F.N.

The promotion is ordered without prejudice to the claims of his seniors, if any, and is also subject to the result of the writ petition in the A.P. High Court/Supreme Court. he should exercise his option within one month of his date of promotion in terms of Government of India O.M. No. F.7/1/80-Estt. (Pt. I, dt. 26-9-81).

(Sd./) ILLEGIBLE
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) KERALA

Trivandrum, the 2nd April 1987

No. A&E/OE(E&C)/IV/10-3/5.—The following official of this office retired on superannuation from the afternoon of 31-3-1987 :—

Smt. P. Saradamony Ammal—Accounts Officer.

(Sd./) ILLEGIBLE
Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) : I MADHYA PRADESH

Gwalior, the 30th April 1987

No. Admn. XI/Gr. II/AAO-SO/Prom./25/356/676.—The Accountant General (Audit) : I, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to promote the following Section Officers as Asstt. Audit Officers in the officiating capacity in the Scale of Rs. 2000-3200 with effect from the dates noted against each : —

Sl. No.	Name	Permanent No.	Date of Promotion as Assistant Audit Officer
1	2	3	4
S/Shri		02/	
1.	S. C. Kulshreshtha	2158	18-11-1986
2.	G. D. Chandwani	2421	18-11-1986
3.	N. C. Shrivastava	2318	19-11-1986
4.	R. S. Chouhan (Bhopal)	2406	29-11-1986
5.	S. S. Sharma	526	9-12-1986
6.	Son Singh	2713	17-12-1986
7.	Y N. Sinha	355	30-12-1986
8.	R. C. Saxena	599	24-1-1987
9.	Tej Singh	1680	22-1-1987
10.	A. C. Banerjee	830	22-1-1987
11.	O. S. Bajpai	973	27-1-1987
12.	K. N. Sharma	1344	30-1-1987
13.	R. C. Varshney	1361	23-1-1987
14.	V. K. Jain	1428	24-1-1987
15.	P. N. Shrivastava (Bhopal)	1502	17-2-1987
16.	H. P. Dwivedi (Bhopal)	1526	18-2-1987
17.	M. M. Agrawal (Bhopal)	1786	19-2-1987
18.	K. P. S. Sengar	2031	14-2-1987
19.	M. K. Jain (Bhopal)	2098	17-2-1987
20.	P. L. Sahu (Bhopal)	2103	23-2-1987
21.	Girdhari Yadav (Bhopal)	2136	17-2-1987

R. C. GUPTA
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT (A&E) GENERAL I UTTAR PRADESH

Allahabad, the 15th April, 1987

No. Admn. I/11-144/Notification/2098—The Accountant General-I (A & E), U. P. Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders, in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100 3500 with effect from the dates noted against each :

- S/Shri
1. Ram Krishna Mishra 13-04-1987 F.N.
 2. Prem Narain Khanna 13-04-1987 F.N.
 3. Vipin Behari Srivastava 13-04-1987 F.N.

MINAKSHI CHAK
Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta, the 13th April, 1987

No. Admn. I/C/470/129-130—The Director of Audit, Central Calcutta has been pleased to appoint the following Assistant Audit Officers to officiate as Audit Officer (Group 'B') in scale of Rs. 2375-75-3200 EB-100-3500/- p.m. from the date noted against each in the office of the Director of Audit Central, Calcutta until further orders.

Sl. No.	Name	Date of assumption of charge
1	2	3
S/Shri		
1.	Subrata Sen	26-2-1987 (F.N.)
2.	Sukumar Saha	26-2-1987 (F.N.)
3.	Bikash Kanti Bhattacharyya	26-2-1987 (F.N.)
4.	Prabitra Kr. Sarkar II	26-2-1987 (F.N.)

(Sd./) ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (A)

MINISTRY OF LABOUR

LABOUR BUREAU

Shimla-171004, the 1st May 1987

No. 5/1/87-C.P.I.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base : 1960=100 remained stationary at 686 (Six Hundred Eighty Six) for the month of March, 1987. Converted to Base : 1949=100 the index for the month of March, 1987 works out to 834 (Eight Hundred Thirty Four).

BALRAM,
Joint Director,
Labour Bureau

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 10th April 1987

No. AN/II/2606/86.—The Controller General of Defence Accounts, New Delhi, regrets to notify the death of Shri KRISHNA KUMAR SOBTI, Accounts Officer (P/293) on 5-3-87. He has accordingly been struck off strength of the Department with effect from 5-3-87 (AN).

D. K. CHET SINGH
Addl. C.G.D.A. (AN)

MINISTRY OF DEFENCE
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 7th April 1987

No. 7/G/87.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. R. Basu, Offg. Jt. Director (Subst. & Permt. Dy. Director) retired from service with effect from 31st March, 1987/AN.

The 10th April 1987

No. 8/G/87.—Shri S. S. Guha Thakurta, Offg. Dy. Director (Subs. & Permt. S.A.) voluntarily retired from service with effect from 31st March, 1987.

M. A. ALAHAN
Jt. Director (G)
for Director General, Ordnance Factories

Calcutta, the 8th April 1987

No. 5/87/A/E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Nagendra Nath Saha, Offg. Asstt. as Offg. Assistant Staff Officer wef 11-3-87 against an existing vacancy without effect on seniority until further orders.

2. The above promotion shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.

3. Shri Saha assumed the higher duties as ASO wef 11-3-87.

4. The above Officer will be on probation for two years wef 11-3-87.

S. DASGUPTA
DDGOF/Admin.
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
(SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 3rd April, 1987

No. A-31012(44)/85-Admn. (G).—The Development Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint the following officers to the post of Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industry Development Organisation in a substantive capacity with effect from the dates indicated against each : —

Sl. No.	Name of the Officer	Date from which appointed in a substantive capacity
S/Shri		
1.	A. Chidambaram	31-12-1985
2.	C. Ranganathan	31-12-1985
3.	B. A. Kamble	31-12-1985
4.	S. K. Basu	31-12-1985
5.	V. Doraiswamy	31-12-1985
6.	S. P. Sharma	31-12-1985
7.	T. R. Murthy	31-12-1985

The 10th April 1987

No. A-19018(117)/73-Admn. (G).—Consequent on his appointment as Scientist/Engineer, 'SE' in the Department of

Electronics, New Delhi, Shri M. Ramakrishnan, relinquished charge of the post of Deputy Director (Electronics) in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries) New Delhi on the afternoon of 11th March, 1987.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-6)

New Delhi-110 001, the 22nd October 1986

No. A-17011/324/86/A-6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Shatrughan Purswani, Examiner of Stores (Engineering) in the office of Director of Inspection Bombay to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engineering) on ad-hoc basis in the same office from the forenoon of 12th September, 1986 and until further orders.

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn)
for Director General of Supplies and Disposals

New Delhi-110 001, the 22nd October 1986

No. A-17011/316/86/A-6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the UPSC, the President is pleased to appoint Shri Man Mohan Dubey in Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A', with effect from the afternoon of 29-9-86 and until further orders.

Shri Dubey assumed charge of the post of Assistant Director of Inspection/Inspecting Officer (Probation Reserve) in the office of the Director of Inspection, Bombay on 29-9-86 (A.N.) and will be on probation for a period of two years from the date.

The 28th October 1986

No. A-17011/315/86-A-6.—On the results of the Engineering Services Examination, 1984 conducted by the UPSC, the President is pleased to appoint Shri R. Karupiah (SC) to the Engineering Branch of Grade III of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 29-9-1986 and until further orders.

Shri Karupiah assumed charge of the post of Inspecting Officer (Engineering) (Probation Reserve) on the forenoon of 29-9-86. He will be on probation for a period of two years from 29-9-86

R. P. SHAHI
Dy. Director (Admn)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 10th April 1987

No. 2458B/A-19012(3-SKS)/85-19B.—Shri Swapan Kr. Sengupta, STA (Chem), Geological Survey of India is appointed by the D.G., to the post of Assistant Chemist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25-3-87, until further orders.

A. KUSHARI
Director (Personnel)

Calcutta-16, the 10th April 1987

No. 2435B/A-32013/1-DDG(Geol.)/85-19A.—The President is pleased to appoint the following officers of the Geological Survey of India, on promotion as Deputy Director

General (Geology) in the same Department on pay according to rules in the Pre-revised scale of pay of Rs. 2250-125/2-2500/- (since revised at Rs. 5900-200-6700/-) in a temporary officiating capacity with effect from the forenoon of 7th April, 1987, until further orders.

1. Shri S. K. Guha,
Director (Geology), G.S.I.
2. Shri G. J. Chandak,
Director (Geology) Sel. Grade,
G.S.I.

N. K. MUKHERJEE
Sr. Dy. Director General (Opn.)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 11th March 1987

No. 4(53)/75-SI (Vol. I).—Shri B. R. Bhargava, Programme Executive, All India Radio (now Assistant Secretary, Sangcet Natak Akademi) consequent on his permanent absorption in the Akademy resigned from Government Service with effect from 14th August, 1984.

I. L. BHATIA
Dy. Director of Administration
for Director General

DELHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 30th August 1986

ORDER

No. 5-9/85-Vig.—WHEREAS Shri Ram Sewak Singh, J.P.O. was issued a chargesheet under Rule 14 of CCS (CCA) Rules, 1965 vide this office memo of even No. dated 21-8-85 on the following charges:—

"That the said Shri Ram Sewak Singh while functioning as JPO in DMS has been absenting himself from duty unauthorisedly wef 16-9-83 onwards without prior permission and sanction of the competent authority. He is thus charged with absenting himself from duty unauthorisedly wef 16-9-83 onwards without prior permission and sanction of the Competent Authority which acts being grossly unbecoming of a Government servant and are in violation of Rule 3 of CCS (Conduct) Rules, 1964."

WHEREAS Shri B. L. Oberoi was appointed as E.O. who has conducted the enquiry proceedings and submitted his report bearing No. 115/EO/85(B) dated 17-6-86 in which the charge framed against Shri Ram Sewak Singh has been proved. The undersigned has carefully examined the findings of enquiry officer and evidence and other documents on records and agrees with the findings of E.O. He was given sufficient opportunity to defend his case but he avoided to participate in the enquiry proceedings deliberately. He has not even bothered to send leave application duly supported with medical certificate from the Competent medical authority. His remaining absent from duty since 16-9-83 onwards without any valid reasons nor joining duty even upto today is a serious offence. The undersigned agrees with the findings of E.O. that the charged levelled against him for remaining unlawful absent from duty is established. He is thus guilty of the charge. The undersigned has finally come to this conclusion that Shri Ram Sewak Singh, JPO is not a fit person to be retained in Government service.

NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under Rule 11 of CCS (CCA) Rules, 1965, for good and sufficient reasons imposes upon the said Shri Ram Sewak Singh, JPO the penalty of REMOVAL FROM SERVICE with immediate effect.

Encl. Enquiry Report.

BALDEV CHAND
Dy. General Manager (Adm.)
Disciplinary Authority

Shri Ram Sewak Singh, J.P.O.,
Vill. & P.O. Chandpur Kothia,
Samastipur, (Bihar).
Samastipur, (Bihar).

Copy to:—

1. Conf. Cell
2. Guard file
3. Accounts (E) Sec.
4. Time Office
5. Estt. II Sec.
6. General Section
7. Security Officer

FISHERY SURVEY OF INDIA

Bombay-1, the 6th October 1987

No. 2-54/86-Estt.III.—The Director as 'Head of Department' is pleased to appoint Shri G. K. Avhad to the post of Jr. Fisheries Scientist Fishery Survey of India, Bombay wef afternoon of 26-8-1986 in a temporary capacity until further orders.

DR. D. SUDARSHAN
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 7th April 1987

No. PA/79(19)/84-R-III/780.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Ulaganathan Jawahar, permanent Assistant in the Department of Atomic Energy, Bombay to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in this Research Centre with effect from the forenoon of March 27, 1987.

J. RAMAMURTHY
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 8th April 1987

No. Ref. DPS/2/1(29)/83-Adm.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. Chaudhary a permanent Storekeeper to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500 in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1987 until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI
Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 2nd April, 1987

No. A. 32013/1/82-ES.—The President is pleased to continue ad-hoc appointment of the following officers to the grade of Deputy Director/Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Department for a period of six months as shown against each or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier:—

Sl. No.	Name	Extension of period of ad-hoc appointments	
		From	To
1.	Shri M. S. Ibrahim	16-1-87	15-7-87
2.	Shri K. Prabhakar Rao	11-2-87	10-8-87

M. BHATTACHARJEE
Dy. Director (Admn.)

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Nagpur-440 001, the 14th April 1987

No. 3/1987.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer, Central Excise Group 'B', Shri P. A.

Shamdasani has assumed his charge as Administrative Officer, Central Excise Group 'B', Central Excise Division, Chandrapur in the forenoon of 31-3-1987.

J. R. KAIT
Deputy Collector (P&E)

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION

(CUSTOMS & CENTRAL EXCISE)

New Delhi, the 13th April 1987

No. 3/87.—Shri H. H. Khokar, lately posted as Appraiser Group 'B' of Bombay Customs House Bombay on his appointment as Inspecting Officer Group 'B' vide this Directorate General Order C. No. 1041/47/84-WRU dated 23-10-86, assumed charge of the post of Inspecting Officer Group 'B' in the West Regional Unit, Directorate General of Inspection Customs and Central Excise at Bombay with effect from 2-2-1987 (FN).

H. M. SINGH
Director General of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 14th April 1987

No. A-19012/1202/86-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Chander Perkash, Junior Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg) on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-EB-2300-75-3200-100-3500/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 25-8-86.

M. R. SINGLE
Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 10th April 1987

No. 3-769/86-CH(Estt).—Shri Rama Kishna is appointed as Assistant Hydrogeologist G.C.S. (Gazetted) (Group-B) on the basic pay of Rs. 2000/- in a revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board, Western Region, Jaipur with his Headquarters at State Unit Office, Jodhpur w.e.f. 30-1-1987 (FN) till further orders

B. P. C. SINHA
Chief Hydrogeologist & Member

Faridabad, the 13th April 1987

No. 3-329/73-Estt (M).—Shri R. Saxena is appointed to the post of Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 19-3-87 (FN).

S. K. DAS
Chief Engineer & Member

DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 8th April 1987

No. 27/60/78-EC IX—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri M. N. Khante, Architect attached to Senior Architect (NDZ)-III Unit, C.P.W.D., New Delhi with effect from the afternoon of 6th February, 1987.

PRITHVI PAJ. SINGH
Deputy Director of Administration-I

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Brilliant Tanners Private Limited.*

[Pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act, 1956]

Hyderabad, the 16th April 1987

No. 2353/Liq./87—By an order dated 13-12-1985 in Company Petition No. 13/82 of the High Court of Judicature Andhra Pradesh, Hyderabad It has been ordered to be wound up M/s. Brilliant Tanners Private Limited.

R. K. BHATTACHARJEE
Registrar of Companies
Andhra Pradesh, Hyderabad

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
(INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961))

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001.ACQUISITION RANGE,
PUNE
KUMAR ESTATE NEAR DHOBII GHAT,

Pune, the 6th April 1987

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/2224/1986-87.— Whereas, I, ANJANI KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 398 A, Ganesh Peth, Pune-2, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at I.A.C., Acqn. Range, Pune on 23rd Aug. 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mohanlal Sitaram Laddha,
Karnal, Sabha Apartments, Plot No. 4,
Adinath Society,
Pune-37. (Transferor)
- (2) M. S. Maunt Builders,
776/A Sadashiv Peth,
Pune-30. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE/2224/1986-87 23rd Aug. 1986).

ANJANI KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1987

G. I. R. No. S-415/Acq.—Whereas, I,
SMT. SAROJNI LAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land with bungalow
situated at Armadale, Mullital, Nainital
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Nainital
on 16-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Premawati Sah. (Transferor)
(2) Shri S. P. Nanda, Karta (H. U. F.) (Transferee)
(3) Shri S. P. Nanda.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consists of 4862 sq. mtrs. of land. One bungalow
with kitchen in this land having a covered area of 680 sq.
mtrs. and out houses having an area of 184 sq. mtrs. situated
at Armadale, Mullital, Nainital (as mentioned in 37 G form).

SMT. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Date : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mahim Chandra Bhatt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Hotel Longdale Pvt. Ltd.
Jwala Cottage, Longdale Estate,
Mallital, Nainital
Through its Managing Director
Shri Kailash Sharma

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)
THE SCHEDULE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 6th April 1987

G. I. R. No. H-64/Acq.—Whereas, I,
SMT. SAROJNI LAL,being the Competent Authority under Section 269AB of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land, called garden

situated at Longdale Estate, Ayarpata, Mallital, Nainital

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nainital

on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Plot of land called garden measuring 2000 sq. mtrs. situated
in Longdale Estate, Ayarpata, Mallital, Nainital (as men-
tioned in 37 G Form).SMT. SAROJNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
LucknowNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6-4-1987

Seal :

FORM JINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-247/86-87/SI-1289/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—

Whereas, I,

I K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing No.

119, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at

R. A., Calcutta on 20-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely :—

(1) M/s. Park Chambers Ltd.

(Transferor)

(2) Vincet Electrical Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that the Office Space No. 1 A on 1st floor along with car parking space at 119, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. I-10712 dated 20-8-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I,
Calcutta-700 016

Date : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Chitrakoot Properties Ltd. (Transferor)
 (2) Viny International Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-248/86-87/SI-1290/L.A.C./Acq. R-I/Cal.—
 Whereas, I,
 I. K. GAYEN,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 71, situated at Park Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at R. A., Calcutta on 20-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Office Space No. 1A on 1st floor at 71, Park Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-10713 dated 20-8-86.

I. K. GAYEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I
 Calcutta-700 016

Date : 6-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. TR-249/86-87/Sl-1291/1.A.C.[Acq. R-I]Cal.—
Whereas, I,
J. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 20A, situated at Broad Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at R. A., Calcutta on 20-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Amiya Kumar Mukherji,
Ajit Kumar Mukherji,
Asok Mukherji &
Amit Mukherji,
All Trustees to the Trust Estate of Saradindu Mukherji (Deceased). (Transferor)
(2) Tapan Chakraborty. (Transferee)
(3) Himalaya Ice Ltd. (Person in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that premises No. 20 A, Broad Street, Calcutta measuring 16 Cottahs more or less. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide I-10671 date 20-8-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Calcutta-700 016

Date : 6-4-87
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Dr. Somen Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/S. Denis Parekh Consortium Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Ref. No. C.A.54/86-87/SL-1292 I.A.C./Acq.R-I/Cal.--
Whereas, I, I. K. GAYEN,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 5,00,000/- and bearing

No. 15/1, situated at Loudon Street, Calcutta-700 017

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at IAC, Acq.R-I, Cal. on 6-8-86for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons
namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

All that Undivided 70% share of land and out-
houses (measuring 8 Cottahs 12 Chittacks 18 Sft.) being the
demarcated Southern Portion of Premises No. 15/1, Loudon
Street, Calcutta-17. Registered before the Competent Aut-
hority, I.A.C., Acquisition Range-I, Cal. vide Serial No. C.A.
54 dated 6-8-86,

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Calcutta

Date : 6-4-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) M. S. K. Enterprises

(Transferor)

(2) M/S. Tashi Agro Industries Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 6th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.Explanation :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No.C.A.-59/86-87/Sl.-1293 I.A.C /Acq. R-I/Cal.—
Whereas, I, I. K. GAYEN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 53A situated at Mirza Galib Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering office
at IAC, Acq.-R, Calcutta on 22-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Unit No. 3A on 3rd floor in a building premises
No. 53A, Mirza Galib Street, Calcutta.Registered before the Competent Authority,
I.A.C. Acquisition Range-I, Calcutta vide Serial No.
C.A 59 dated 22-8-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—
19—56GI/87

Date : 6-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II 37EE/8-86/48 —Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 535, Block 'B' New Friends situated at Colony New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the office of the registering Officer at I. T. Act 1961 IAC Range I New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Jaswant Singh,
8 25, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. S. N. Sareen,
B-535, New Friends Colony,
New Delhi.

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential House Property on Plot No. 535, Block 'B' New Friends Colony New Delhi, Leasehold GF. 213 Sq. Mts. FF-213 Sq. Mts. BF-40 Sq. Mts.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/8-86/33.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th share in property No. C-85, N.D.S.E., Part-II situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Ravi Singh
S/o Sh. Surinder Jit Singh
K-43, N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Jeewan Kumar Mehan
S/o Sh. Ram Dev Mehan,
R/o L-27, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III-86/34.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/4th share in property No. C-85 N.D.S.E., Part-II, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ravi Singh
S/o Sh. Surinderjit Singh,
R/o K-43, N.D.S.E. Part-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Rakesh Kumar Mehan
S/o Ram Dev Mehan,
R/o T-27, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; /

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

(1) Surinderjit Singh (HUF),
K-43, NDSE Part-II,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Dev Mehan
S/o Late Shri Mangal Sain Mehan,
R/o T-27, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/8-86/32.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/2 share in property No. C-85, NDSE Part-III situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act in the office of the registering Officer at I T. Act 1961 IAC Range I, New Delhi in August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

1/2 share in property No. C-85, measuring 500 sq. yds. NDSE II, New Delhi free-hold.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 3rd April 1987

Ref. No. IAC/Acq.II/SR-III/8-86/37.—Whereas, 1.
ASHOK KACKER,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 41, category III Group A, mg. 401-34 sq. yds. situated
situated at Kalindi Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering Officer at
New Delhi in August, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Smt. Lakshmi Dewan
W/o Sh. D. N. Dewan,
R/o Cottage No. 12, Swiss Apartments,
Delhi. (Transferor)
- (2) Vishwa Bandhu Agarwal
S/o Sh. R. K. Agarwal,
R/o D-1, Panchsheel Enclave New Delhi
and Ramesh Chandra Agarwal
S/o Sh. Rikhi Ram,
R/o C-24, NDSE-I
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 41, Category III, Group A, mg. 401-34 sq. yds.
Kalindi Colony, New Delhi.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 3-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600 006, the 27th March 1987

Ref. No. 1/August/86.—Whereas, I,

A. R. REDDY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

8, Trevelyan Basin Road, Sowcarpet, Madras situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 366/86) in August 1986 situated at Madras

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Tara Ben Doshi,
W/o Late Sri Naval Chand Doshi,
No. 8, Trevelyan Basin Street,
Madras-600 079.

(Transferor)

(2) Sarupchand Bothra and
Sri Kiran Bai Bothra,
No. 15, Veerappan Street,
Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 8, Trevelyan Basin Street, Madras-79.

(Doc. No. 366/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/C) Madras.

Dated: 27-3-87
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 2nd April 1987

- (1) Sri A. P. Sivan,
S/o Appaswamy Mudaliar,
No. 28, Venugopal Avenue,
Spur Tank Road, Chetput,
Madrass-600 031
(Transferor)
- (2) Mrs. Shah Nawaz Basha,
Power of Attorney Holder: Sri K. Ameenur
Rahman, Managing Director in Flourind Shoes
Ltd., 31, Maddox Road, Madras-600 112.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 3/August/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 28, Venugopal Avenue, Spurtank Road,
situated at Madras-31.
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet
(Doc. No. 815/86) on 4-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 28, Venugopal Avenue,
Spur Tank Road, Madras-31.
(Doc. No. 815/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 2-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

MADRAS-600 006, the 2nd April 1987

Ref. No. 5/August/86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 34 and 35, Swami Naicken Street, Chintadripet situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 848/86) on August 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—56GI/87

- (1) Sri P. S. Dayal Prasad and 4 Others,
No. 487, Pantheon Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

- (2) Sri N. Ayyanathan,
103, Jawaharlal Nehru Road,
Sivakasi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Nos. 34 and 35, Swami Naicken Street, Chintadripet, Madras-2.
(Doc. No. 848/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (I/c) Madras

Date: 2-4-1987
Seal :

FORM ITN

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600 006, the 24th March 1987

Ref. No. 6/August/86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 35, Nowroji Road, Chetput, Madras-31 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 959/86) on 29-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. M. Mangalam Ananthanarayanan,
No. 17/3, Mahadevan Street,
West Mambalam,
Madras-600 033.

(Transferor)

(2) Smt. Mulliga Jayachandran,
R-85, 4th Street,
Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 25, Nowroji Road, Chetput, Madras-31.
(Doc. No. 959/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c) Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 24-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madrass-600 006, the 7th April 1987

Ref. No. 7/August/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 3549, J. Block, No. 2 Batch No. 4, Anna Nagar,
Madrass-40
situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Madrass Central Doc. No. 1112/86 on August, 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Dr. Purani Ramachandran,
15, Manikeswari Road,
Kilpauk, Madras-10. (Transferor)
- (2) Mrs. Parvathi,
8, Nawab Habibullah
Avenue III Street,
Madras-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 3549, J Block No. 2, Batch
No. 4, Anna Nagar, Madras-40.
(Doc. No. 1112/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madrass-600 006

Date : 7-4 1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th April 1987

Ref. No. 8/Augus/86.—Whereas, I,

A. R. REDDY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 108, Angappa Naicken Street, Madras-1 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Doc. No. 1107/86) on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri P. S. Deenadayalu,
No. 51, Shanmugaroyan Street,
Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Utility Builders,
No. 16, Sunkurama Street,
Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- a() by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 108, Angappa Naicken Street, George Town, Madras-1.
(Doc. No. 1107/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-4-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd April 1987

Ref. No. 9/August/86.—Whereas, I, A. R. REDDY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 3141/8 (Part), R. S. No. 3141/3 (Part) No. 11, Harleys Road, Kilpauk, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. Nos. 1006, 1008 and 1010/86 on August, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sri N. Kumar Ratan
2. Mrs. Jayashree Ratan
3. Sri S. Parvathy Ratan
4. Sri S. Parvathy Ratan
@ S. P. Lakshmi Ratan
No. 75, Kilpauk Garden Colony,
Madras-600 010.

(Transferor)

- (2) Sri Arun Rajkumar Fredrick,
No. 12, Harleys Road,
Kilpauk,
Madras-600 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 11, Harleys Road, Kilpauk, Madras.

(Doc. Nos. 1006/86, 1008/86 and 1010/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date : 2-4-1987
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 6th April 1987

Ref. No. 3/September/86.—Whereas, I,
A. R. REDDY,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. AG 3, Shanthi Colony, Arignar Anna Nagar,
situated at Madras-40
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Anna Nagar Doc. No. 2854/86 on 27-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to bet-
ween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

(1) Sri D. Sundaramulu,
17, Ayyavoo Naidu Street,
Madras-30.

(Transferor)

(2) Smt U. Shantha Kumari,
W/o U. Shoban Babu,
No. 22, Rajaram Mehta Nagar,
Madras-600 029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. AG. 3, Shanthi Colony,
Arignar Anna Nagar, Madras-40.
(Doc. No. 2854/86).

A. R. REDDY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date : 6-4-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/46/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3rd Floor, Flat No. 1, Jaywant Apartments, Tardeo Road, Dadarkar Compound, Bombay-34, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|--|--|
| (1) V. K. Solanki & Others. | (Transferor) |
| (2) Dasharathlal Ochhavlal Kacheria & Another. | (Transferee) |
| (3) N.A. | (Person in occupation of the property) |
| (4) N.A. | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd Floor, Flat No. 1, Jaywant Apartments, Tardeo Road, Dadarkar Compound, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10692/25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Date : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/47/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the im-
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 26th, 7th Floor, Bldg. No. 7,
Navjivan Co-op. Hsg. Socy. Ltd.,
Lamington Road, Bombay-8,
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 25-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Thakarbhai Gulabhai Desai, (Transferor)
(2) Bhanwarlal Chhagalal Sanghvi. (Transferee)
(3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meanings as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 26, 7th Floor, Bldg. No. 7, Navjivan Co-op. Hsg.
Socy., Ltd., Lamington Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10687 on 25-8-
1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB Bombay.

Dated : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Kishlal Jain.

(Transferor)

(2) M/s Gita Corporation.

(Transferee)

(3) N.A.

(Person in occupation of the property)

(4) N.A.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

No. AR-IB/37EE/48/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 103, Prasad Chamberd, Opera House, Near Roxy Cinema Bombay-400 004, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 103, Prasad Chambers, Opera House, Near Roxy Cinema, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10686 on 25-8-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

21—56GI/87

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB Bombay.

Dated : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Indo Saigon Agency.

(Transferor)

(2) M/s Ankur Export International.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/49/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 204, 2nd Floor, Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound Lower Parel, Bombay-400 013 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 204, 2nd Floor, Amir Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10681 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Mrs. R. B. Sahukar. (Transferor)
 (2) Mr. Anil D. Galal & Another. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/50/86-87.—Whereas, I,
 NISAR AHMED
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
 able property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 404/B, Gold Coin Tardeo,
 Tardeo Road, Bombay-34,
 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the same is registered under section
 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the
 Competent Authority at Bombay on 28-8-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

404/B, Gold Coin Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10678/on 25-
 8-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IB, Bombay.

Dated: 6-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. E. F. Silveria & Others.

(Transferor)

(2) Lorna J. Gomes & Another.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/51/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 20, 6th Floor, Prasanna Co-op. Hsg. Socy. Ltd. Nesbit Road, Mazagaon, Bombay-400 010, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 6th Floor, Prasanna, Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Nesbit Road, Mazagaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10669 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay.

Dated: 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Nanalal Laxmichand Shah. (Transferor)
 (2) Partners of M/s H. Sharad & Co. (Transferee)
 (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/52/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 705, Prasad Chambers, Swadeshi Mill Compound Opera House, Bombay-4, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 705, Prasad Chambers Swadeshi Hill Compound, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10668 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay.

Dated: 6-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/53/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, 6th Floor, Alankar
Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 187,
Balaram Street, Grant Road,
Bombay-7,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule below),
has been transferred and the same is registered under section
269AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the
Competent Authority at Bombay on 25-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Smt. Chandrabai Parasram Jamnaney. (Transferor)
- (2) Smt. Manjulababen Dhirajlal Talajia & Others. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Grant Road, Alankar Co-op. Hsg.
Socy. Ltd., 187, Balaram Street, Grant Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent
Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10657 on 25-
8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay.

Dated: 6-4-1987
Seal :

FORM IT.N.S.—

- (1) Smt. Asha Yogeshkumar Gadhiya. (Transferor)
 (2) M/s Karishna Const. & Inv. Pvt. Ltd. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 10th April 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/54/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Property at Kazi Syed, C.S. No. 330 F.P. No. 155, Mandvi Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Property at Kazi Syed, C.S. No. 330 F.P. No. 155, Mandvi Division situated at Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10655 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IB, Bombay

Date : 6-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Bibibai Valimode Jesa Patel. (Transferee)
 (2) Shri Haji Abdul Latif Haji Hasam. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 6th April 1987

No. AR-IB/37EE/55/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 103, 1st Floor, Byculla Imran Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 8, Dr. Mr. Leela Melville Marg situated at Bombay-8, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

103, 1st Floor, Byculla Imran Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 8, Dr. Mrs. Leela Melville Marg, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10657 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IB, Bombay

Date : 6-4-1987
 Seal ;

FORM ITNS—

(1) Mr. Manohar M. Behranki.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mahendrakumar Sohanlal Jain & Other.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IB/37EE/56/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 27, Bldg. No. 14, Navjivan Socy., 7th Floor, Lamington Road, situated at Bombay-400 007 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—56GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27, Bldg. No. Navjivan Society, 7th Floor, Lamington Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomay, under S. No. AR-I/37EE/10640 on 18-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Date : 8-4-1987
Seal ;

FORM ITNS—

(1) M/s Madras Marine Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Monsher Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR-IB/37EE/57/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 15 & 16, Ground Floor, A Tania Industrial Estate, Plot No. 7, Pvt. Scheme of Shree Sitaram Mills Ltd, Lower Parel, Division, Bombay-13 Parel Division situated at Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 15 & 16, Ground Floor, A Tania Industrial Estate, Plot No. 7, Pvt. Scheme of Shree Sitaram Mills Ltd., Lower Parel Division, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10615 on 8-8-1986.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M. K. M. Abdul Malik.

(Transferor)

(2) Razia Abdul Azis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR-IB/37EE/60/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 601, 6th Floor, 'A' Wing, Agripada Rajput Villa Co-op Hsg. Socy. Ltd., 17, Mehraj, Shetty Marg, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitate the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 601, 6th Floor, 'A' Wing, Agripada Rajput Villa Co-op. Hsg. Socy. 17, Mehraj Shetty Marg. Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-I/37EE/10638-A on 8-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) J. P. Ringshia (H.U.F.).

(Transferor)

(2) M/s Clarion Advertising Services Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 8th pril 1987

No. AR-IB/37EE/61/86-87.—Whereas, I,
NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 14, Wing-A, Vikas Finaly Towers, Parel Tank Road, Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Wing-A, Vikas Finaly Towers, Parel Tank Road, Bombay-12

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/10677 on 25-8-1986.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IB, BOMBAY

Bombay, the 10th April 1987

Ref. No. AR-IB/20/37-G/10/86-87.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground with the shops standing thereon called Dawood Baug New Shops, Dawood Baug Shops, Dawood Baug Hotel, Jairajbhoy property, situated at Sookhlaji St. and bearing C.S. No. 224 of Tardeo Divn. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1987

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) His Holiness Dr. Syedna Mohan Saheb. (Transferor)
- (2) Amirali Rashid Jaffer. (Transferee)
- (3) Tenants. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom, 1825/86 and registered on 21-8-1986 with the Sub-registrar of Bombay.

All that piece or parcel of land or ground of the Foras Tenure with the shops standing thereon called Dawood Baug New Shops, Dawood Baug Shops, Dawood Baug Hotel, Jairajbhoy property, the land admeasuring 470.6 sq. mts. 210.6 sq. metres, 290.9 sq. metres, 989.8 sq. metres, 496.5 sq. metres and 6,900 sq. metres, situated at Sookhlaji Street and bearing C.S. No. 224 of the Tardeo Division.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IB, Bombay

Date: 10-4-1987
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. Vasumati H. Patel & Ors.

(Transferor)

(2) M/s, Thakkar Developments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31166/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 10,00,000/- and bearing No.

All that piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon bearing City Survey No. 563, 563 (1 & 2) bearing New Survey No. 130 Hissa No. 4 of Village Malad, Bhadran Nagar Road, Kandivli (W) admeasuring 708.10 sq. mtrs. or thereabouts in the Registration District Bombay City and Bombay Suburban District, and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land or ground together with the structures standing thereon bearing City Survey No. 563, 563 (1 & 2) bearing New Survey No. 130 Hissa No. 4 of Village Malad, Bhadran Nagar Road, Kandivli (W) admeasuring 708.10 sq. mtrs. or thereabouts in the Registration District Bombay City and Bombay Suburban District.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31166/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chandrakant N. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Shri Sitaram B. Sharma and Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31106/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

All that piece or parcel of land, situated lying and being at Village Dahisar bearing S. No. 28, H. No. 2, City Survey No. 1141, Taluka Borivli, B.S.D. Admeasuring 1547 sq. yards i.e. 1293.6 sq. mtrs. or thereabouts, in the registration District Bombay City at Bombay Suburban District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land, situate lying and being at Village Dahisar bearing S. No. 28, H. No. 2, City Survey No. 1141, Taluka Borivli B.S.D. Admeasuring 1547 sq. yards i.e. 1293.6 sq. mtrs. or thereabouts, in the registration District Bombay City at Bombay Suburban District.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31106/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Nawab Khan Gani. (Transferor)
 (2) M/s. Suria Builders & Developers. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31283/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land bearing Survey Nos. 143 to 158, 171, 185 to 193, 212 to 215, 218 to 248, Iraniwadi, Hemu Kulkarni Road, Bo 4, Kandivli (West) situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Survey Nos. 143 to 158, 171, 185 to 193, 212 to 215, 218 to 248, Iraniwadi, Hemu Kulkarni Road No. 4, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/31283/86-87 on 1-9-1986.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Dani Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Ralhan Builders Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 9th April 1987

Ref. No. ARIV/37EE/31072/86-87.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 106, Hissa No. 5 and Survey No. 107, Hissa No. 5, C.T.S. No. 1208 and 1209 respectively together with all rights title claim benefits of F.S.I. in the land reserved for Linking Road of D.P. Road and in the land reserved for play ground and municipal school lying and being in Village Eksar, Borivli (E), Bombay-400092 in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that piece or parcel of land or ground bearing Survey No. 106, Hissa No. 5 and Survey No. 107, Hissa No. 5, C.T.S. No. 1208 and 1209 respectively together with all rights title claim benefits of F.S.I. in the land reserved for Linking Road of D.P. Road and in the land reserved for play ground and municipal school lying and being in Village Eksar, Borivli (E), Bombay-400092 in Registration District and Sub-District of Bombay City and Bombay Suburban.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/31072/86-87 on 1-8-86.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—56GI/87

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Dr. Shashikant V. Welling & O's.

(Transferor)

(2) Real Investment Co. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
ROOM NO. 261A
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.III/37-EE/12374/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 10th floor 'URVASHI', T.P.S.-IV, Mahim, Bombay-400 025 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25/8/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning to given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 10th floor, 'URVASHI', T.P.S.-IV, Mahim, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/10652/85-86 dated 25/8/86.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Anuradha E. Thakur.

(Transferor)

(2) Dr. Shashikant V. Welling & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC
ROOM NO. 261A
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 'URVASHI', Mahim, Bombay-25 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14/8/1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 'URVASHI', Mahim, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/37552/85-86 dated 14/8/86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Padmaja Aji Narukar & Ors.

(Transferor)

(2) Mrs. Anjali Mathur & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
ROOM NO. 261A
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.IC/37-EE/37977/85-86.—Whereas, I,
A. K. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 131-A, 'A' Wing, 13th floor, Purshottam Towers,
Plot Nos. 884-885-886, TPS-IV (Mahim) situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 28/8/86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor, to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Flat No. 131-A, 'A' Wing, 13th floor, Purshottam Tower's,
Plot Nos. 884-885-886 of T.P.S.-IV (Mahim) Area OFF :
Gokhale Road, South, Dadar, Bombay-400028.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37.EE/37977/85-86
dated 28/8/86.

A. K. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Amritben Jamnadas.

(Transferor)

(2) Mr. Rohit P. Mehta & Ora.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. AR.III.37.EE/12160/85-86.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act', have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 13, Swastik, Wadala, Bombay-31 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 4-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Swastik, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37-EE/10160/85-86
dated 4/8/86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II (C),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 8-4-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) R. & R. Associates.

(Transferor)

(2) Mrs. Sammy Lalla & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

ANo. AR.III/37-EE/12380/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 798, Dadar Matunga Estate, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 under Registration No. 37EE/Acq. R-III/155 dated 14-7-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 798, Dadar Matunga Estate, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10866/85-86 dated 25-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

- (1) B. Y. Builders P. Ltd. (Transferor)
 (2) Mohammed Elias Abdul Reheman, (Transferee)
 Midday & Ors.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12501/85-86,—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Floor No. 12 A, Bldg. No. 5, Worli, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Floor No. 12A, Bldg. No. 5, Worli, Bombay. (Property bearing CS No. 868/1/868).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10695/85-86 AR.IC/37EE/W-16/86-87 dated 25-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987
Seal:

FORM ITNS—

- (1) Seva Samiti Co-op. Hsg. Society Ltd. (Transferor)
 (2) Dilip Deep Chand Asnani, (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-IC
 BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12428/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 10, Bldg. No. 20A, Re-development Scheme of Socy.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Building No. 20A, Re-Development Scheme of Socy.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE10672/85-86 AR.IC/37EE/S-4/86-87 dt. 23-8-1986. dated 23-8-1986.

V. B. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I (C)
 Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
 Seal :

FORM ITNS

(1) Naoshevan Nalawala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pamaben K. Shah &
Shri Premchand K. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12251/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 33, Dadar Silver Beach Co.op. Hsg. Socy. Bombay-28

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—56GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, Dadar Silver Beach, Co.-op. Hsg. Socy. Off Suravanshi S. Marg, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-II/37EE/10611/85-86 dated 14-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Khorshed Maneksha Patels & Ors.

(Transferor)

(2) R & R Associates

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12122/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269F of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 798 C.S. No. 519/10, Dadar Matunga Estate, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 798, C.S. No. 519/10, Dadar Matunga Estate, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10606/85-86 dated 1-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Miss Champa D. Jetley & Ors.

(Transferor)

(2) Jayant Vasant Sanaph & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/37488/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 16A, Avon Apartments, 153, Veer Savarkar Marg
Bombay-16
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 16A, Avon Apartments, 153, Veer Savarkar
Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/3748/85-86
AR.IC/37EE/M.53/86-87 dated

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Seva Samiti Co.op. Hsg. Socy. Ltd.

(Transferor)

(2) Indur Deepchand Asnani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12429/85-86.—

Whereas, J. V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 11, Bldg. No. 20A, Re-development Scheme of
Society
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 11, Bldg. No. 20A, Re-development Scheme of
Soc'y.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10673/85-86
AR.IC/37EE/5-5/86-87 dated

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORMS ITNS—

(1) Miss Bela N. Parekh.

(Transferor)

(2) Miss. Bina N. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12351/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 1, 3rd floor, Building No. 2, Plot C.S. No. 868 &
1/868, Worli Bombay-23

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto .
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 28-8-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective per-
sons, whichever period expires later ;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

- (a) facilitate the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor Bldg No. 2, C.S. No. 868 &
868, Worli Bombay.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/12351/85-86
dated 28-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
-
- (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
BombayNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Millind L. Upadhyaya,

(Transferor)

(2) Mr. Surendrakumar Bansidhar Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.III/37EE/12384/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 48, 7th floor, Madhuban Apts., 'A' Wing, Abdul Gaffar Khan Road, Bombay-18

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 48, 7th floor, Madhuban Apts. 'A' Wing, Abdul Gaffarkhan Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10658/85-86 AR.IC/37EE/W-12/86-87 dated 26-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-4-1987
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Scal Investments Ltd. & Ors.

(Transferor)

(2) Bharat Overseas Bank Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12293/85-86.—

Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, 103 & 104 Nestle Bldg. No. I, Pandurang Budhkar Marg, Bombay-25 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. 102, 103 & 104, NESTLE Bldg. No. 1, Pandurang Budhkar Marg, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10626/85-86 AR.IC/37EE/P-11/86-87 dated 8-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C)
Bombay

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12278/85-86.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value
exceeding Rs. 5,00,000/- and bearing No. 11A situate at
Flat No. 78, 7th Floor, B-2, Karha Kshetra, Com. Harbans-
lal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with object of :-

(1) Kalpataru (Indo Saigon) Constns
Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Jannadas Nanjee Barai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 78, 7th Floor, B-2, Karha Kshetra, Com. Harbans-
lal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.IIB/37EE/10621/
ARIC/37FE/S-3/86-87 dated 8-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Dated : 8/4/1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) Mrs Lata Kantilal Parekh. (Transferor)
 (2) Mrs. Surajbhan Babulal Agarwal. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

Ref. No. AR.IC-37EE/12466/85-86.—Whereas, I, W. B. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 4 of B. Y. Apartment Building No. 3, B. G. Kher Marg, Forli, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4 of B. Y. Apartment Building No. 3, B. G. Kher Marg, Forli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10683/85-86 AR.IC/37EE/W-14/86-87 dated 25-8-86.

V. B. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under sub-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Mrs. Madhvi Soni.

(Transferor)

(2) Mr. Philip Lobo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12330/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J-3, J-4, Eden Hall, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. J-3 & J-4, Eden Hall, Worli, Bombay-400018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.II/37EE/10641/85-86 dated 18-8-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Dated : 8/4/1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Neelam Estates.

(Transferor)

(2) M/s. Orariwalla Exports.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR/IC/37EE/12498/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. Unit No. 1, G. Floor, 'A' Wing, Service Industrial Estate, Hind Cycle Road, Worli situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18/8/1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 1, Gr. Floor, 'A' Wing, Service Industries Estate, Hind Cycle Rd., Worli.

The agreement has been registered by the Competent Unit No. 1, Gr. Floor, 'A' Wing, Service Industries Estate, Hind Cycle Rd., Worli.

Authority, Bombay under Sr. No. AR/II/37EE/10693/85-86 /AR-IC/37EE/W-15/86-87 dated 25-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Dated : 8/4/1987
Sent :

FORM ITNS

(1) M/s. Deepak Printers.

(Transferor)

(2) Shri Dhiresk P. Shah & Ora,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. AR.I/37EE/12482/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority, under sec. 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 14, 2nd floor, The Enterprise Co. op. Premises Socy. Ltd., 408, Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any assets or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 14, 2nd floor, The Enterprise Co-op. Premises Socy. Ltd., 408, Veer Savarkar Marg, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/P.13/10689/85-86 dated 25-8-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 8-4-87
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.II.37EE/12445/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, B. Y. Apartment Bld. No. 3, Worli, Estate, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sanjay Kantilal Parekh, (Transferor)
(2) Mrs. Surajbhan B. Agarwal, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 of B. Y. Apartment Bldg. No. 3, Worli Estate, B. G. Kher Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10687 AR.IC 37EE/W.13/86-87 dated 25-8-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Dated: 8-4-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. M. S. Vidyarthi.

(Transferor)

(2) Mr. Ashok Kantilal Sanghani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37EE/12349/85-86.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Madhav Apartments, 312, Veer Savarkar Marg, Bombay-28, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9, Madhav Apartments, 312, Veer Savarkar Marg, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.II/37EE/10646/AR.IC 37EE/D.25/85-86 dated 18-8-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 8-4-87
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Bonny Enterprises,

(Transferor)

(2) Mrs. Krishnabai G. Kadam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC, BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

No. AR.II/37EE/12341/85-86.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 502, Shanti Kunj,
Dadar (E), Bombay-14
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax,
Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Shanti Kunj, 87, Naigaon X Road, Dadar
(E), Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No AR.II/37FE/10643/AR IC
37EE/D-24/86-87 dated 18-8-86

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IC, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Dated: 8-4-87
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Ajit Vishnu Narurkar &
Mr. Achyut S. Nadkarni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Rekha Bhandare.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1C
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref No. AR.I/37EE/37798/85-86.—Whereas, I,
V. B. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269AB of the
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 132A in 'A' Wing, 13th Floor,
Purshottam Towers, Off. Gokhale Road,
South Dadar, Bombay-28,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office
of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 132A in 'A' Wing, 13th Floor, Purshottam
Towers, Off. Gokhale Road, South Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. ARIC/37EE/D.27/
37798/86-87 dated 28-8-1986.

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C),
Bombay

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Mohammed Habib Allana & Ors. (Transferor)

(2) The B.E.S.T. Workers Union. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.1-C/37G/17/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Allana Chambers, Bomanji Petit Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Allana Chambers Bomanji Petit Road, Bombay-36.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. ARIC/37G/1909/82 dt. 22-8-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. B. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (C),
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Mr. Yogini Bharatkumar Mehta. (Transferor)
 (2) Mrs. Jaswanti Kantilal Sanghvi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37G/18/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Apartment No. 8 (Now No. 302) Parvati Building, 3rd Floor, Opp: Sion Mun. Garden, Behind Sion Bus Depot, Sion (W), Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 8 (Now No. 302) Parvati Building, 3rd floor, Opp.: Sion Mun. Garden, Behind Sion Bus Depot, Sion (W), Bombay-22.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 1169/85 dated 23-10-1986.

V. B. GUPTA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I (C),
 Bombay

Date : 8-4-1987
 Seal :

FORM ITNS _____

(1) H.M.M. Ltd.

(Transferor)

(2) Kalpataru Habitat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IC
BOMBAY

Bombay, the 8th April 1987

Ref. No. AR.IC/37G/3923/86-87.—Whereas, I, V. B. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 382, Town Planning Scheme No. III, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-10-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 382, Town Planning Scheme No. III, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub Registering Officer at Sr. No. AR.IC/37G/2437/86 dt. 1-10-86.

V. B. GUPTA
Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I (C),
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-4-1987
Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37184/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 52, Bandra Seabreeze Apartments Co. op. Housing
Society Ltd., 50 Bullock Road, Bandstand, Bandra (W),
Bombay-50, alongwith open garage situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under section 269AB of the Income-tax
Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at
Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Mr. Sarosh Hormusji Batliwalla
(Transferor)
(2) Mr. Jagdish S. Verma &
Mrs. Deep J. Verma
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, Bandra Seabreeze Apartments Co-operative
Housing Society Ltd., 50 Bullock Road, Bandstand, Bandra
(W), Bombay-50, alongwith open garage.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37184/
86-87 on 1-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37215/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. B/B, New Kamal Co-operative Hsg. Society Ltd., Bandra (W), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s. Sweeta Enterprises,
Prop. Mrs. Zerina S. Merchant (Transferor)
- (2) Shri H. K. Gosar &
Shri H. H. Gosar (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shop No. B/B on the ground floor of New Kamal Co-operative Housing Society Ltd., 248, Linking Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/137215/86-87 on 1-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

No. A.R.-II/37EE/37244/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 'Mayfair' Plot No. 197, of Kane Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Nihalchand H. Chawla
(Transferor)
(2) Mrs. Usman A. Darvesh &
Mrs. Ayesha Usman Darvesh
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 in the building Mayfair situated at Plot No. 197 of Kane Road, Band Stand, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37244/86-87 on 4-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS— —

(1) N. G. Goradia (HUF)

(Transferor)

(2) Reliance Chemotex Industries Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038.

Bombay, the 9th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
**45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;**(b) by any other person instead in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

No. AR. II/37EE/37289/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 77-A, St. John Baptist Road, Bandra (W), Bombay-
50 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered U/s 269AB of the said
Act in the office of the Competent Authority at
Bombay on 8-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 77-A, Mona Lisa (Paschim) Co-operative Hous-
ing Society Ltd., St. John Baptist Road, Bandra (W),
Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37244/
86-87 on 8-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Dated : 9-4-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038
Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37301/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat on 4th floor, Nibbana Annexe, S. No. 257, H. No. 4 of
Danda, Pali Hill Road, Bandra (with a car park and terrace)
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 8-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri N. N. Bhojwani
(Transferor)
(2) Mrs. Kusumrani Marwah &
Mr. Sanjeevkumar Marwah
(Transferee)
(3) Nibbana Co-op. Housing Soc. Ltd.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in the writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on the 4th floor facing south in building known as
Nibbana Annexe situated on plot bearing S. No. 257, Hissa
No. 4 of Danda, Pali Hill Road, Bandra with car parking
space and terrace).

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37301/86-
87 on 8-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

- (1) M/s. Champalal K. Vardhan & Co. (Transferor)
 (2) Shri Sunil Kan Lakhani (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. II/37EE/37314/1986-87.—Whereas, I,
 K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 10,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 1, 6th floor, 'Lepapeyon' at Mount Mary Road,
 Bandra, Bombay-50, situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and registered u/s 269 AB of the said
 Act in the office of the Competent Authority at
 Bombay on 8-8-86
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 on 6th floor in 'Le-Papeyon' at Mount Mary
 Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Serial No AR. II/37EE/37314/86-
 87 on 8-8-1986

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

27—56 GI/87

Dated : 9-4-1987
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Ajit K. Sethi

(Transferor)

(2) Bhanwarlal A. Mundhra

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37331/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, Harish Bhawan, Plot No. 263, Bandra (W), Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred & registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, 'Harish Bhawan' 30th Road, Plot No. 263 TPS III, 1st floor, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37331/86-situated at Bombay

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Mrs. Noorjahan B. Kazi

(Transferor)

(2) Mr. Gervase Rupert Pereira

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR. II/37EE/37438/1986-87.—Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 13, 13th floor, Cliff Tower, Jn. of Mount Mary Road & Kane Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 13, 13th floor, Cliff Tower, Junction of Mount Mary Road & Kane Road, Bandra Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. ARII/37EE/37438/86-87 on 14-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37448/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. The J. D. Alvespremises Co-operative Housing Soc. Ltd., Hill Road, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Maria Amelia Elgenia Boccardo (Transferor)
(2) 1. Noranglal Mundhra
2. Gayatridevi Mundhra (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The J. D. Alvespremises Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 27 (Part) of TPS IV, 60A/B Hill Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37448/86-87 on 14-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Mr. Madhav Krishna Soman (Transferor)
 (2) Mrs. Pushpa S. Badiani (Transferee)
 (3) M. K. Soman & Family (Persons in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE-II
 CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
 3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37516/1986-87.—Whereas, I,
 K. C. SHAH,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 movable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing No.
 Flat No. 12, Silver Rock Co-operative Housing Society Ltd.,
 Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and agreement is registered under
 section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
 of the Competent Authority at
 Bombay on 14-8-86
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
 more than fifteen per cent of such apparent consideration
 and that the consideration for such transfer as agreed to
 between the parties has not been truly stated in the said
 instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 6th floor, Silver Rock Co-operative housing
 Society Ltd., 59-59A, Trunoor Road, Bandra (West),
 50.

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37516/
 86-87 on 14-8-1986.

K. C. SHAH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.3747/37547/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, 6th floor, 'Massabielle', Junction of Manuel Gonsalves Road & St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-86, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Pereira Construction Co. (Transferor)
- (2) Mr. Assis P. Cardoz. (Transferee)
- (3) Transferee. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 6th floor, in the proposed building, 'Massabielle' CTS No. 496 at Junction of Manuel Gonsalves Road and St. Anthony Rd., Bandra (West), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37547/86-87 on 14-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Date : 9-4-1987
Sd :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37591/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, 8th floor of Manish Sea Croft, Shirley Mala Road, Bandra, Bombay-400 050, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Poonam Hiranand Bajaj
Smt. Vandana Srichand Bajaj
Smt. Kajal Lakhmichand Bajaj (Transferor)
- (2) Shri Surendra Seth &
Shri Rajendra Seth (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 8th floor of Manish Sea Croft, Shirley Mala Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37591/86-87 on 18-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038
Bombay, the 9th April 1987

No. AR. II/37EE/37546/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, 'Massabielle' CTS No. 496, Bandra (W), Bombay-
50 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule below),
has been transferred and agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office
of the Competent Authority at
Bombay on 14-8-86
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- | | |
|-----------------------------------|---|
| (1) M/s. Pereira Construction Co. | (Transferor) |
| (2) Mrs. Irene Nair | (Transferee) |
| (3) Transferee | (Persons in occupation of the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of this said Act,
shall have the same meaning as given in this
Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on 5th floor in the proposed building 'Massa-
bielle' CTS. No. 496, at Junction of Manuel Consalves Road
& St. Anthony Road, Bandra (W), Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR. II/37EE/37546/
86-87 on 14-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Dated : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Alankar Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. S. C. Agarwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37641/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 502, God's Gift at Prof. Almeida Rd., Bandra (West), Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
28-56 GI/87

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, God's Gift at Prof. Almeida Road, Bandra (West), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37641/86-87 on 21-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay, the 9th April 1987

No. AR-II/37EE.37688/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing The Bandra Ocean View CHSL., 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Mukta Chandrasekhar Rao. (Transferor)
(2) Mr. Mohomedali Hussain Bardanwalla & 2 Ors. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/37688/86-87 on 22-8-1986.

K. C. SHAH/
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Mr. Jacob Mathai.

(Transferor)

(2) Mr. Ivan Sarat Oliveira Fernandes &
Mrs. Resl Marie Fernandes.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37704/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 3, Gr. floor, Friendship Bandra Co-op. Hsg. Society Ltd., Plot No. 54-A, 23rd Rd. TPS III, Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 3, Gr. floor, 'Friendship' Bandra Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 54-A, 23rd Road, TPS. III, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37704/86-87 on 22-8-1986.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-4-1987

Seal :

FORM NO. IT.N.S.

(1) Saquib Construction Co.

(Transferor)

(2) Mrs. Mary Lisboa.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE/37716/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearingFlat No. 203, Green Star, Rizvi Complex, Sherly Road,
Bandra, Bombay-400 050 situated at Bombay(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under sec-
tion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority atat
Bombay on 22-8-1986for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of the notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Flat No. 203, Green Star, Rizvi Complex, Sherly Road,
Bandra, Bombay-400 050.The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE/37716/
86-87 on 22-8-1986.K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay,Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-4-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) Mr. Gervase Rupert Pereira & 3 Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Patel Construction Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR.II/37EE.37730/1986-87.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 51, St. Sebastian Homes Co-op. Society's Plan No. 1 situate at 1, Rebello Rd., Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51 in the Sebastian Homes Co-op. Society's Plan No. 1, situate at 1, Rebello Rd., Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR.II/37EE.37730/86-87 on 24-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Date: 9-4-1987

Seal:

FORM I.T.N.S. ———

(1) Ramzanali Mohanbhai Daredia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) T. Badruddin J. Bawani &
Jiwabhai S. Bawani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee.

(Persons in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,
3RD FLOOR, R. K. MARG, BOMBAY-400 038Objections, if any, to the acquisition of this said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bombay-400 038, the 9th April 1987

No. AR-II/37EE.37733/1986-87.—Whereas, I,
K. C. SHAH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 8, Ocean View, 19, Hill Road, Bandra, Bombay-50,
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and agreement is registered under sec-
tion 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the
Competent Authority at
Bombay on 22-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 8, Ocean View, 19, Hill Road, Bandra, Bombay-
400 050.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/37733/
86-87 on 22-8-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 9-4-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

CONTRACTOR BUILDING, BALLARD ESTATE,

Bombay-400 038, the 9th April 1987

Ref. No. AR.II/37G.3907/Aug.86.—Whereas, I, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. A/640, Municipal No. 24/76 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 21-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Miss Mithoo Dady Baxter; 2. Miss Silloo Dady Baxter; 3. Miss Roshan Dady Baxter; 4. Miss Hilloo Dady Baxter & 5. Miss Ruby Dady Baxter. (Transferors)

(2) Shri Nikhil Ishwarlal Khandwala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1996/86 and registered on 21-8-1986 with the Sub-Registrar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent (Strike off where not applicable.)

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqn. Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-4-1987
Seal:

FORM ITNS

- (1) Mr. Y. P. Sethi
(Transferor)
- (2) M/s Midas Steel Process Pvt. Ltd.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III 37EE/41344/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala Nos. H&T, Kanjur Co-operative Indl. Estate, Ltd., Quarry Road, Bhandup, Bombay-400 078 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala Nos. H & I, Kanjur Co-operative Industrial Estate Ltd., Quarry Road, Bhandup, Bombay-400 078.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IIIx37EE/41344/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bombay

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Neelakanth Corporation.

(Transferor)

(2) Sulphur Refinery Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41359/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Flat to be constructed in proposed building on plot of land situated at Borla, Gelula village, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

29—56 GI/87

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats to be constructed in proposed building on plot of land situated at Borla, Gelula Village, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41359/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Dated : 10-3-1987.
Seal :

FORM ITNS

- (1) Sulphur Refinery Pvt. Ltd. (Transferor)
 (2) M/s Neelkanth Corporation. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
 INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
 OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
 BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41362/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 1,00,000/- and bearing

Revision No.	Sub Plot No.	Present No.	Hissa No.
83	—	—10	—
88	3	—	1
88	4	—	0
88	4	2	0
88	4	4	0
88	4	6	0
89	9	0	0

Gatla Village, Chembur, Bombay-71

situated at Bombay
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred and the agreement is registered under
 Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
 the Competent Authority at
 Bombay on 1-8-1986
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as afore-
 said exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rights, Tiltes and interest in the property situate at Borla,
 Gatla Village, Chembur, Bombay-71.

Revision No.	Survey No.	Sub(plot) No.	Present No.	Hissa No.
83	—	—	10	—
88	—	3	—	1
88	—	4	—	0
88	—	4	2	0
88	—	4	4	0
88	—	4	6	0
89	—	9	0	0

The agreement has been registered by the Competent
 Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41362/86-87
 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-III
 Bombay

Date : 10-3-1987
 Seal :

FORM TINS—

(1) Basant Vikas Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bhupishan Traders Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41415/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 9, 2nd fl., Vasant Vihar, Commercial Centre, Near
Basant Talkies, Chembur
situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 9, 2nd fl., Vasant Vihar, Commercial Centre,
Vasant Vihar, Commercial Centre, Near Basant Talkies,
Chembur, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41415/86-87
dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Ramesh Wardas Chainsukh Aggarwal & Ors.
(Transferor)(2) Diamond Builders.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37E7E/41437/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing CTS Nos. 6927, 6928, 6929, 6930, 5579A,
5580, 5581 and 5582, at Kole Kalyan C.S.T. Rd., Santacruz,
Bombay
situated at Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing CTS No. 6927, 6928, 6929, 6930, 5579A,
5579B, 5580, 5581 and 5582 at Kole Kalyan, CST Rd.,
Bombay.

The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41437/86-87
dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. M. M. Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s. M. S. Engineers.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

No. AR.III/37EE/41542/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 1, Gr. Fl., Virwani Indl. Premises Co-op. Society Ltd., Goregaon (E), Bombay-63 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule below), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 under Registration No. I 9972/86 on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 1, Ground Fl., Virwani Indl. Premises Co-op. Society Ltd. Goregaon (E), Bombay-63.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41542/86-87 dated 1-8-1987.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-consideration for such transfer as agreed to between the persons, namely :—

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS

(1) Maryland Construction Co. (P) Ltd.
(Transferor)(2) M/s. Goodwill Constructions.
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41656/86-87.—Whereas, I,

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-
and bearing No.Land at Chembur adm. to 4581.15 sq. mtr
situated at Bombay(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Land adm. 4581.15 sq. mtr. at Chembur, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41656/
85-86 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

(1) Somali Dharma Varli & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Jayantilal Investments.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41690/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 9, Hissa No. 2, S. No. 10, Hissa No. Nil and S. No. 7, Hissa No. 2, CTS No. 346, Village Pahadi, Goregaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 9, Hissa No. 2, S. No. 10, Hissa No. nil and S. No. 7, Hissa No. 2, CTS No. 346, Village Pahadi, Goregaon

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41690/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1987

Seal :

FORM ITNS—

(1) Rewachand Ladharam Ramchandani.

(Transferor)

(2) Priya Construction Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.III/37EE/41691/86-87.—Whereas, I.

A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. No. 3A and A4, plot bearing S. No. 132, 133, Hissa No. 1 (p), 134, H. No. 1 & S. No. 135 H. No. 111 (p) Shastri Nagar, L. B. S. Marg, Ghatkopar (W) Bombay-86 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 3A and A4, plot bearing S. Nos. 132, 133, Hissa No. 1 (p), 134, Hissa No. 1(p) and 135, Hissa No. 111 (p), at Off L.B.S. Shastri Marg, Shastri Nagar, Ghatkopar (W), Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41691/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-3-1987
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IIIC,
ROOM NO. 560, 5TH FLOOR,
ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41742/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All piece or parcel of land with bungalow, messuages, tenements & structures standing thereon at plot No. 9, of Pvt. Scheme, Shastri Nagar, Dremland Sct. Mulund (W), formerly bearing 5 Bi 145 (p) and present Sr. No. 146/A2 City S. No. 260 (p) and Tikka No. 40 Mulund (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr. Dharampal B. Chaudhary & Ors.
(Transferor)

(2) Mr. Jitendra P. Somaiya & Ors.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Piece or parcel of land or ground together with bungalow, messuages, tenements and structures standing thereon at plot No. 9, of private scheme and formerly bearing 5 Bi 145 (p) and at present Sr. No. 146/A2, and City Survey No. 260 (p) and Tikka No. 40, Shastri Nagar, Dremland Society, Mulund (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37EE/41742/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-3-1987

Seal :

FORM I.T.N.3.—

(1) The Late Vaidya Pandit Hariprapanna Ayurvedic Charitable Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khandelwal Const. Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.IH/37EE/41799/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. G, S. No. 329, Hissa No. 8, and CTS No. 433, bearing Municipal Ward No. P6911 and P6912, Anandilal Podar Road, Malad (E), Bombay-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. G, Survey No. 329, Hissa No. 8, and CTS No. 433 bearing Municipal Ward No. P6911 and P5912, Anandilal Podar Road, Malad (E), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.IH/37EE/41799/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITR—

(1) Shri R. K. Ladsariya.

(Transferor)

Shri Mukesh C. Kamdar & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

Ref. No. AR.III/37EE/41850/86-87.—Whereas, I,
A. PRASAD,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 4912, Bldg. No. A178, Pant Nagar,
Best Friends CHSL Ghatkopar, Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1937 (27 of 1937).

Flat No. 4912, Bldg. No. A-178, Pant Nagar, Best
Friends Co-op. Hsg. Society Ltd., Ghatkopar, Bombay-75.
The agreement has been registered by the Competent
Authority, Bombay under Sl. No. AR.III/37EE/41850/
86-87 dated 1-8-1986

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
BOMBAY

Bombay, the 10th March 1987

Ref. No. AR.III/37EE/41613/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 3, Gr. Floor Madhav Apartments, Jawahar Road, Ghatkopar (E), Bombay-77 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Guruvayurappan Nilayam & Co.
(Transferor)
- (2) T. Bhasker Shetty & Ors.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;**

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. Floor, Madhav Apartment Jawahar Road, Ghatkopar (E), Bombay-77.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/41613/86-87 dated 1-8-1986.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 10-3-1987
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 10th April 1987

C. R. No. 62/50232/86-87/ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 7 (Old No. 3 A), situated at Hayes Road, Richmond Town, Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 12-8-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M. M. T. Mandalappa alias Ravi Mandalappa, S/o late Sri M. M. Thimmiah, No. 47; Thoppa Mudaliar Street, Civil Station, Bangalore-560 001.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Mah Jabeen Fathima
W/o Sri Sadat Ali Khan,
2. Sri Liaquat Ali Khan
S/o Sri Sadat Ali Khan,
'RESHMA', No. 6,
Hayes Road (Cross),
Bangalore-560 025.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1207/86-87 Dated 12-8-86].
All that piece and parcel of land with building and other structures bearing Corporation No. 7 (Old No. 3 A), Corporation Division No. 61 (Old No. 60), Hayes Road, Richmond Town, Bangalore, admeasuring 1182.09 Sq. mts. and more fully described in the agreement to Sale dated 12-8-86.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date : 10-4-1987
Seal .

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION,
OCTOBER 1987

New Delhi, the 9th May, 1987

F.8/2/87-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing on 18th October, 1987 for admission to the undermentioned courses :—

Name of the Course and Approximate No. of Vacancies

1. Indian Military Academy, Dehra Dun 150*[@]
[Includes 32* vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing holders).]
2. Naval Academy, Goa Course commencing in July, 1988.
(a) General Service
[Including 6 reserved for NCC 'C' Certificate (Naval Wing) holders].
(b) Naval-Aviation. 32*
3. Air Force Station, Belgumpet, Secunderabad (Pre-Flying Training Course commencing in July, 1988 i.e. No. 144 F(P) Course).
4. Officers' Training School, Madras [48th (NT) Course commencing in October, 1988]. 262*[@]

*The above numbers are liable to alteration.

*[@]This includes training wastages.

N.B. (i) (a).—A candidate is required to specify clearly in col. 9 of the Application Form the Services for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, subject to the condition given at para (b) below, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointment.

(b) If two or more courses/services are being opted for then OTS will be the last choice. OTS can be the first preference only if it is the one and only choice.

(c) Candidates should note that, except as provided in N.B. (ii) below, they will be considered for appointment to those courses only for which they exercise their preference and for no other course(s).

(d) No request for addition/alteration in the preferences already indicated by a candidate in his application will be entertained by the Commission.

N.B. (ii).—The left-over candidates of IMA/Naval Academy/Air Force Academy Course for grant of Permanent Commission of this examination may be considered for grant of SSC (NT) even if they have not indicated their choice for this course in their applications, if they are subsequently willing to be considered for this Course, subject to the following conditions :—

- (i) There is a shortfall after detailing all the candidates who competed for the SSC (NT) Course; and
- (ii) The candidates who are detailed for training even though they have not expressed their preference for SSC (NT) will be placed in the order of Merit List after the last candidate who had opted for this Course, as these candidates will be getting admission to the Course to which they are not entitled according to the preferences expressed by them.

NOTE 1 : NCC 'C' Certificate (Army Wing)/(Senior Division Air Wing)/(Naval Wing) holders may also compete for the vacancies in the Short Service Commission (Non-Technical) Course, but since there is no reservation of vacancies for them in this course, they will be treated as

general candidates for the purpose of filling up vacancies in this Course. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) examination to reach the Army HQ/Rtg. 6 (SP) (c), New Delhi-110022 in case of IMA, SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&K, Sena Bhawan, New Delhi-110011, in case of Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishna Puram, New Delhi-110066 in case of Air Force first choice candidates by 30th June, 1988.

To be eligible to compete for reserved vacancies the candidates should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing/3 academic years in the Senior Division Air Wing/Naval Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 24 months for IMA/Naval Academy/Air Force Academy Courses on the last date of receipt of applications in the Commission's office.

NOTE II : In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing/Senior Division Air Wing/Naval Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill all the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course/Air Force Academy Course/Naval Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admission to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board of candidates who qualify in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particulars of services etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy and Officers' Training School and (d) Guidelines for filling in the application Form are given in Appendices I, II and III respectively.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Raipur, Shillong, Shimla, Srinagar, Tirupati, Trivandrum, Udaipur and Vishakhapatnam.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 8(ii) below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one, he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Services Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 18th September, 1987 will not be entertained under any circumstances.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality : A candidate must either be :—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or

(iii) a subject of Nepal, or

(iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda, United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii), (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will, however, not be necessary in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination provisionally subject to the necessary certificate being given to him by the Govt. before declaration of result by UPSC.

(b) Age limits, Sex and Marital Status :—

(i) For IMA—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July 1964 and not later than 1st July, 1969 only are eligible.

(ii) For Naval and Air Force Academy—Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1966 and not later than 1st July, 1969 are only eligible.

(iii) For Officers' Training School—Male candidates (married or unmarried) born not earlier than 2nd July, 1963 and not later than 1st July, 1969 are only eligible.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent Examination Certificates. These Certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes, affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases, a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificates, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

NOTE 1.—Candidates should note that only the date of birth as recorded in the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent certificate on the date of submission of application will be accepted by the Commission and no subsequent request for its change will be considered or granted.

NOTE 2.—Candidates should also note that once a date of birth has been claimed by them and entered in the records of the commission for the purpose of admission to an examination. No change will be allowed subsequently or at a subsequent examination.

(c) Educational Qualifications :—

(i) For I.M.A., and Officers' Training School—Degree of a recognised University or equivalent.

(ii) For Naval Academy—B.Sc. with Physics & Mathematics or Bachelor of Engineering.

(iii) For Air Force Academy—Degree of a recognised University or equivalent with Physics and/or Mathematics as subjects. Candidates who have passed their degree examination with subjects other than Physics and/or Mathematics as subjects are also eligible provided they have passed the Higher Secondary Examination (old pattern) or the 11th/12th Standard Examination under the 10 + 2 pattern of school education or an equivalent examination, with Mathematics and Physics as subjects of the Examination.

Graduates with first choice as Navy/Air Force are to submit proof of graduation provisional certificates within two weeks of completion of SSB interview to Army HQ [Rtg. 6 SP (c)] NHQ (R&R Section)/Air HQ-PO3A respectively.

Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Army HQ/Rtg. 6(SP)(c), New Delhi-110 022 in case of IMA/SSC(NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110 011 in case of Navy first choice candidates and PO3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Rama Krishna Puram, New Delhi-110 066 in case of Air Force first choice candidates by the following date failing which their candidature will stand cancelled :—

(i) For admission to IMA, Naval and Air Force Academy on or before 30th June, 1988.

(ii) For admission to Officers' Training School, Madras on or before 15th September, 1988.

Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the commission may treat a candidate, who does not possess any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

NOTE 1.—Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying university Examination delay in declaration of results or any other ground whatsoever.

NOTE 2.—Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.

4. FEE

(i) Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) through Central Recruitment Fee Stamps or crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

NOTE 1.—Central Recruitment Fee Stamps (Not Postage Stamps) may be obtained from the Post Office and affixed on the first page of the application form in the space

provided for the purpose. The stamps may be got cancelled from the issuing post office with the date stamp of the post office in such a manner that the impression of the cancellation stamp partially overflows on the application form itself. The impression of the cancellation stamp should be clear and distinct to facilitate identification of date and the post office of issue. *Posage Stamps will in No case be acceptable in lieu of 'Central Recruitment Fee Stamps'.*

NOTE II.—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission-Examination Fees" and attach the receipt with the application. **APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER THE FOLLOWING PARAGRAPH.**

CANDIDATES BELONGING TO SCHEDULED CASTES/SCHEDULED TRIBES ARE NOT REQUIRED TO PAY ANY FEE.

(ii) The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1-1-1964 and 25-3-1971 or is a *bona fide* displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1-6-1963 or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1-11-1964 or is a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A refund of Rs. 15/- (Rupees Fifteen) will be made to a candidate who had paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. (If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.

(iv) A refund of Rs. 28/- (Rupees Twenty eight) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination held in October, 1986 or May, 1987 and is recommended for admission to any of the courses on the results of these examinations provided his request for cancellation of candidature for the CDS Examination October, 1987 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 1st April, 1988.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

5. HOW TO APPLY : A candidate seeking admission to Examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the application form published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 9th May 1987. The candidates may utilise in original the form published in the Newspapers or in "Employment News" filling up the columns in their own handwriting with ball-point pen. They may also use the application form and the attendance sheet neatly typewritten on white paper (fool-scrape size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available from private agencies as long as the format is exactly the same as published in the Employment News/Rozgar Samachar and leading daily Newspapers dated 9th May, 1987. Candidates should note that applications filed in on the format used

for the previous examinations will not be considered. Candidates should note that they should appear in the Combined Defence Services Examination for all the papers in the examination on the same admission certificate and with the same Roll Number, even if they may have received more than one admission certificate from the Commission. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as "APPLICATION FOR COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION, October, 1987".

(a) A candidate must send the following documents with his application :

- (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Order Central Recruitment Fee Stamps or Indian Mission receipt for the prescribed fee (unless remission of fee is claimed).
- (ii) Attendance Sheet (Printed alongside) duly filled in on foolscap size paper.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (Cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iv) One self-addressed post-card.
- (v) Three self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. × 27.5 cms. size.

(b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

(c) All candidates, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for this Examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for/appearing at the examination their applications shall be rejected/candidatures shall be cancelled.

Candidates serving in the Armed Forces must submit their applications through their Commanding Officer who will forward it to the Commission.

NOTE : APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE (UNLESS REMISSION OF FEE IS CLAIMED AS IN PARA 4 ABOVE) OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES. CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATE IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULE TRIBES, AND FEE REMISSION ETC. THEY SHOULD THEREFORE, ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL. IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL ELIGIBILITY CONDITIONS, THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED.

Candidates are advised to keep ready the following documents in original alongwith their attested copies soon after the declaration of the result of the Written part of the examination which is likely to be declared in the month of January, 1988 for submission to the Army HQ/Naval HQ/Air HQ as the case may be.

- (1) Matric/Higher Secondary School Certificate or its equivalent showing may be.
- (2) Degree/Provisional degree certificate/marks sheet showing clearly having passed degree examination and eligible for award of degree.

In the first instance all qualified candidates eligible for SSB interview will carry their original Matric/Hr. Secondary School Certificate with them while going to the Service Selection Centres for SSB interview as otherwise they shall not be allowed to appear for SSB interview. No relaxation for non-submission of original Matric/Hr. Secondary School Certificate at the Selection Centre is allowed.

If any of their claims is found to be incorrect/false/fraud/fabricated they may render themselves liable to disciplinary action by the Commission in terms of para 6 below :

6. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing, irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing, doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination; or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates alongwith their Admission Certificates permitting them to take the examination; or
- (xii) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period :—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them; (ii) by the Central Government from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that

behalf, and (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

CANDIDATES MAY NOTE THAT THEY SHOULD NOT APPLY TO THE U.P.S.C. FOR APPLICATION FORM, RULES, SYLLABUS ETC. THE APPLICATION FORM PRINTED ALONGWITH THIS ADVERTISEMENT SHOULD BE USED AS EXPLAINED ABOVE.

7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS : The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoopur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 22nd June, 1987 (6th July, 1987 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manpur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh division of J&K State, Lahaul & Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 22nd June, 1987 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Lahaul & Spiti District and Pangi Sub-division of Chamba district of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 22nd June, 1987.

NOTE : (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time. (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the application delivered to any other functionary of the Commission.

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED

8. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION/ ARMY/NAVAL/AIR HEADQUARTERS.

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases :—

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidates does not ipso-facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply

with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

- (iii) Admission certificates, indicating the Roll Nos. will be issued to the candidates who are admitted to the examination and the Roll No. indicated therein will be the same as Application Registration already communicated to candidates in their Acknowledgement Cards.

No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have accepted by the Commission as true and correct.

- (iv) The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.
- (v) Candidates should note that the name in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.
- (vi) A candidate must see that communication sent to him at the address stated in his application are re-directed, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission makes every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT : All communications to the Commission should invariably contain the following particulars :—

- (1) Name of the Examination.
- (2) Month and Year of Examination.
- (3) Application registration No. Roll No. (or the date of birth of candidate if the application Registration No./Roll Number has not been communicated).
- (4) Name of candidate in full and in Block Letters
- (5) Postal Address as given in the application.

N.B. (i) Communications not containing the above particulars may not be attended to.

N.B. (ii) If a letter/communication is received from a candidate after an examination has been held and it does not give his full Name and Roll Number, it will be ignored and no action will be taken thereon.

N.B. (iii) Candidates recommended by the Commission for interview by the Services Selection Board who have changed their addresses subsequent to the submission of their applications of the examination should immediately after announcement of the result of the written part of the examination notify the changed address also to Army Headquarters A.G.'s Branch Rtg. 6(SP) (e) West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram New Delhi-110066 failure to comply with this instruction will deprive the candidate of any claim to consideration in the event of his not receiving the summons letter for interview by the Services Selection Board.

Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board should address enquiries or requests, if any relating to their interview direct to the Army Headquarters, A.G.'s Branch Rtg. 6(SP) (e) (ii) West Block 3, 2nd Floor, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 in case of candidates having IMA or Navy or OTS as their first choice and PO3(A) Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066, in the case of candidates having Air Force first choice.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call-up letter for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army Headquarters/Air Headquarters will be the sole deciding authority.

N.B.—In case a candidate does not get the interview call for SSB interview for IMA by 1st week of April, 1988 and by 4th week of July, 1988 for OTS, he should write to Army Headquarters/Rtg. 6(SP) (e) West Block III, Ramakrishnapuram, New Delhi-110066 regarding non-receipt of the call-up letter.

- (vii) *Original Certificates*—Submission of only those candidates who qualify in the SSB interview will be required to submit their original certificates along with attested copies thereof in support of educational qualification at Service Selection Centre before SSB interview or to Army HQ Rtg. 6(SP) (e) New Delhi-110022, in case of IMA/SSC (NT) first choice candidates and Naval HQ/R&R, Sena Bhawan, New Delhi-110011; in case of the Navy first choice candidates and PO 3(A)/Air Headquarters, Wing No. 7, 1st Floor, West Block No. 6, Ramakrishnapuram New Delhi-110066; in case of Air Force first choice candidates within two weeks of completion of SSB interview and not later than 30th June, 1988 15th September, 1988 in case of SSC(NT) only. Certified true copies or photostat copies of the certificates will not be accepted in any case.

9. Announcement of the Results of the Written Examination, Interview of qualified candidates. Announcement of final results and admission to the training course of the finally qualified candidates.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Services Selection Board for Intelligence and Personality Test simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course and/or Air Force Academy Course irrespective of whether they have also qualified for SSC(NT) Course or not will be detailed for S.S.B. tests in March/April, 1988 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1988.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the test there at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy, Air Force Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

NOTE : Every candidate for the Air Force and Naval Aviation is given Pilot Aptitude Test only once. The Grade secured by him at the first test will therefore hold good for every subsequent interview at the Air Force Selection Board. A candidate who fails in the first Pilot Aptitude Test cannot apply for admission for the F(P) Branch of the Indian Air Force and Naval Aviation.

10. Disqualification for Admission to the Training Course.—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy Cochin, Officers' Training School Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to

the Indian Military Academy, Naval Academy, Air Force Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy, Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the NCC and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

11. *Restrictions on Marriage during Training in the Indian Military Academy or in the Naval Academy or in the Air Force Academy.*—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course or Air Force Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or (b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for admission to the Officer's Training School/Grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

12. *Other restrictions during training in the Indian Military Academy or in the Naval Academy or in the Air Force Academy.*—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy or the Naval Academy or the Air Force Academy. The candidates who resign from IMA/NA/AFA, may be considered for induction into OTS on their merits provided there is shortfall on that particular course.

13. The Union Public Service Commission have brought out a priced publication entitled "Candidates Manual for U.P.S.C. Objective Type Examination". This Publication is designed to be of assistance to prospective candidates of U.P.S.C. Examinations or Selections. The publication is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Khara Singh Marg, New Delhi-110001, and (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan New Delhi-110011 and (iii) The Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The Manual is also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

14. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

D. P. ROY
Deputy Secretary
Union Public Service Commission

APPENDIX I

(The scheme, standard and syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

1. The Competitive examination comprises :—

(a) Written examination as shown in para 2 below :

(b) Interview for intelligence and personality test (*vide* Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.

2. The subjects of the written examination the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows :

(a) For Admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hours	100
2. General Knowledge	2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	2 Hours	100

(b) For Admission to Naval Academy

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
3. Elementary Mathematics	2 Hrs.	100

(c) For Admission to Officers' Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100

(d) For Admission to Air Force Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1. English	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
3. Elementary Mathematics	2 Hrs.	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i. e. the maximum marks allotted to the written examination and to the interviews will be 300, 300, 200 and 300 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy, Officers' Training School and Air Force Academy.

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. THE QUESTION PAPERS (TEST BOOKLETS) WILL BE SET IN ENGLISH ONLY. THE "CANDIDATES INFORMATION MANUAL" CONTAINING DETAILS PERTAINING TO OBJECTIVE TYPE TESTS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS WILL BE SUPPLIED TO CANDIDATES ALONG WITH THE ADMISSION CERTIFICATE.

4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the metric system of weights and Measures only will be set.

5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.

6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

7. The candidates are not permitted to use calculator for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the examination hall.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION.

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

SYLLABUS

ENGLISH (Code no. 01)

The question paper will be designed to test the candidates understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE (Code no. 02)

General knowledge including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS (Code No. 03)

Arithmetic

Number System—Natural numbers. Integers. Rational and Real numbers. Fundamental operations—additions, subtraction, multiplication, division, Square roots. Decimal fractions.

Unitary method—time and distance, time and work, percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss, Ratio and proportion variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11. Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Euclidean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations, simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. Theory of polynomials, Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities Laws of Indices.

Trigonometry

Sin \times , Cosine \times , Tangent \times when $0^\circ \leq \times \leq 90^\circ$

Values of sin \times , cos \times and tan \times , for $\times = 0^\circ, 30^\circ, 45^\circ, 60^\circ$ and 90°

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometric tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane figures, Theorems on (i) Properties of angles at a point (i') Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and squares, (viii) Circles and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares rectangles, parallelograms, triangle and circle. Areas of figures which can be split up into the figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders, Surface area and volume of spheres.

Statistics

Collection and tabulation of statistical data Graphical representation—frequency polygons, histograms bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning outdoor group tasks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

Physical Standards for Candidates for Combined Defence Services Examination

NOTE—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS. CANDIDATES ARE THEREFORE ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

1. A candidate recommended by the Service Selection Board will undergo a medical examination by a Board of Service Medical Officers. Only those candidates will be admitted to the academy or school who are declared fit by the Medical Board. The proceedings of the Medical Board are confidential and will not be divulged to anyone. However, the candidates declared unfit/temporarily unfit will be intimated by the President of the Medical Board and the procedure for request for a Appeal Medical Board will also be intimated to the candidate. The candidates must be physically fit according to the prescribed physical standards which are summarised below :—

- The candidate must be in good physical and mental health and free from any disease/disability which is likely to interfere with the efficient performance of duties.
- There should be no evidence weak constitution, bodily defects or over-weight.
- The minimum acceptable height is 157.5 cms (157 cms for Navy and 162.5 cms for Air Force). For Gorkhas and individuals belonging to hills of North Eastern region of India, Garhwal and Kumaon, the minimum acceptable height will be 5 cms less. In case of candidates from Lacadives, the minimum acceptable height can be

reduced by 2 cms. Height and weight standards are given below :—

Height and Weight Standards

Height in Cent meters (without shoes)	Weight in Kgs.		
	18 years	20 years	22 years
152	44	46	47
155	46	48	49
157	47	49	50
160	48	50	51
162	50	52	53
165	52	53	55
168	53	55	57
170	55	57	58
173	57	59	60
175	59	61	62
178	61	62	63
180	63	64	65
183	65	67	67
185	67	69	70
188	70	71	72
190	72	73	74
193	74	76	77
195	77	78	78

A \pm 10% (for Navy) departure from the average weight given in the Table above is to be considered within normal limit. However, in individuals with heavy bones and broad built as well as individuals with thin but otherwise healthy this may be relaxed to some extent on merit.

(d) Chest should be well developed. The minimum range of expansion after full inspiration should be 5 cms. The measurement will be taken with a tape so adjusted that its lower edge should touch the nipple in front and the upper part of the tape should touch the lower angle of the shoulder blades behind. X-Ray of the chest is compulsory and will be taken to rule out any disease of the chest.

(e) There should be no disease of bones and joints of the body.

(f) A candidate should have no past history of mental breakdown or fits.

(g) The hearing should be normal. A candidate should be able to hear a forced whisper with each ear at a distance of 610 cms. in a quiet room. There should be no evidence of present or past disease of the ear, nose and throat.

(h) There should be no sign of functional or organic disease of the heart and blood vessel. Blood pressure should be normal.

(i) The muscles of abdomen should be well developed and there should be no enlargement of liver or spleen. Any evidence of disease of internal organs of the abdomen will be cause for rejection.

(j) Un-operated hernias will make a candidate unfit. If operated, this should have been done at least a year prior to the present examination and healings is completed.

(k) There should be no hydrocele, varicocele or piles.

(l) Urine examination will be done and any abnormality, if detected will be a cause for rejection.

(m) Any disease of the skin which is likely to cause disability or disfigurement will also be cause for rejection.

(n) A candidate should be able to read 6/6 in a distant vision chart with each eye with or without glasses (For Navy and Air Force without glasses only). Myopia should not be more than 3.5 D, and hypermetropia not more than 3.5 D including Astigmatism. Internal examination of the eye will be done by means of ophthalmoscope to rule out any disease of the eye. A candidate must have good binocular vision. The colour vision standard will be CP-3. A candidate should be able to recognise red and green colours.

The candidates for Navy should have the following vision standards:—

Distant vision . . . 6/12, 6/12, Correctable to 6/6

Near vision . . . N-5 each eye

Colour Vision . . . CP-1 by MLT

Myopia is not to exceed 0.75 dioptres and hypermetropia not more than 1.50 dioptres in the better eye and 2.50 dioptres in the worse eye.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

(i) At 6 metres . . . Exophoria 8 prism dioptres,
Esophoria 8 prism dioptres,
Hyperphoria 1 prism dioptres.

(ii) at 30 cm . . . Exophoria 16 prism dioptres,
Esophoria 6 prism dioptres,
Hyperphoria 1 prism dioptres.

(o) The candidate should have sufficient number of natural and sound teeth. A minimum of 14 dental points will be acceptable. When 32 teeth are present, the total dental points are 22. A candidates should not be suffering from severe pyorr-hoea.

(p) X-Ray examination of the chest will include the lower part of cervical spine for presence of cervical ribs. X-Ray examination of other parts of spine will be taken if the SMB considers it necessary.

2. In addition to the above, the following medical standards will be applicable in respect of Air-Force candidates only :—

(a) Anthropometric measurements acceptable for Air Force are as follows :

Height 162.5 cms.

Leg Length Min. 99 cms. &
Max. 120 cms.

Thigh Length :

Sitting Max. 64 cms.

Height Min. 81.5 cms. &
Max. 96 cms.

(b) X-ray Lumbo-sacral spine will be carried out. The following conditions detected in the X-ray will be disqualifying :

(i) Granulomatous disease of Spine.

(ii) Arthritis spondylosis.

(iii) More than mild Kyphosis/Lordosis. Scoliosis More than 15 by Cobb's method will be cause for rejection.

- (iv) Spondylolisthesis spondylolysis.
- (v) Herniated Nuchus Pulposis.
- (vi) Compression fracture of Vertebra.
- (vii) Scheuermanns Disease.
- (viii) Cervical Ribs with demonstrable neurological or circulatory deficit.
- (ix) Any other abnormality, if so considered by specialist.
- (c) X-Ray Chest is compulsory.
- (d) Vision
 - Distant Vision . . . 6/6, 6/9 Correctable to 6/6
 - Near vision . . . N-5 each eye
 - Colour Vision . . . CP-1 (MLT)
 - Manifest Hypermetropia . Must not exceed 2.00 D.

Ocular Muscle Balance

Heterophoria with the Maddox Rod test must not exceed :

- (i) at 6 metres . . . Exophoria 6 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism Dioptres
- (ii) at 33 cm. . . Exophoria 16 prism dioptres
Esophoria 6 prism dioptres
Hyperphoria 1 prism Dioptres
Myopia—Nil
Astigmatism +0.75 D only.

Bionocular Vision—Must possess good binocular vision (fusion and stereopsis with good amplitude and depth).

(C) Hearing Standards

- (i) Speech test . . . Whispered hearing 610 cms each ear.
- (ii) Audiometric test . . . Audiometric loss should not exceed +10 db in frequencies between 250 Hz and 400 Hz.
- (f) Routine ECG and FCG, should be within normal limits.

3. The medical standards for candidates of Naval Aviation Branch will be the same as for flying duties Air Force.

4. Detection of any disability in the course of a special test carried out prescribed for one service, may render the candidate unfit for any other service(s), if so considered as disqualifying by Medical Board.

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

(A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN

1. Before the Candidate joins the Indian Military Academy—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or

where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances, received as may be decided upon by Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with the ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy, Dehra Dun.

3. While, the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidate will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendation forward application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

4. Candidate finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival—

- (a) Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.
 - (b) For items of clothing and equipment—Rs. 1500.00.
- Total : 1950.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them—

- Pocket allowance for five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

5. The following scholarships are tenable at the India Military Academy :—

(1) PARSHURAM BHAI PATWARDHAN scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet's making satisfactory progress. The cadets who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

(2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL scholarship.—This scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-servicemen. The Scholarship is in addition to any financial assistance from the Government.

6. An outfit allowance at the rate and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging

to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of the allowance will be—

- (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission or
- (b) if he is not granted a commission refunded to the State.

On being granted a commission article of clothing and necessaries purchased from the allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadet resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and other parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government be discharged. Any Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent.

9. Pay and allowances, pensions, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identified with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous Military training for a period of 18 months aimed at training out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(i) Pay

Rank	Pay Scale	Rank	Pay Scale
	Rs.		Rs.
2nd Lieut	750-790	Lt. Colonel	1900 fixed
Lieut	830-950	(Time scale)	
Captain	1100-1550	Colonel	1950-2175
Major	1450-1800	Brigadier	2200-2400
Major (Selection Grade Pay)	1800-50-1900	Maj. General	2500-125/2-2750
Lt. Colonel (By Selection)	1750-1950		
		Lt. General	3000 p.m.
		Lt. General	3250 p.m.
		(Army Commanders)	
Lt. Colonel	2000-50-2100		

(Selection Grade Pay)

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt. Col. and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600 -, 2400 -, 4500 - or 6000 - based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualifications Pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (City) and Dearness Allowances admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (c) *Expatriation Allowance* is admissible when serving Ex-India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of above foreign allowance.
- (d) *Separation allowance*; Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 140 p.m.
- (e) *Outfit Allowance*; Initial outfit allowance is Rs. 2100 -.

A fresh outfit allowance @ Rs. 1800 - is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

- (f) Free rations are provided upto the level of Brigadier in the Army.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotions

The following are the service limits for the grant of the substantive promotion to higher ranks :—

By time Scale

Lt.	2 years of Commissioned service
Capt.	5 years of Commissioned service
Major	11 years of Commissioned service
Lt. Col.	21 years of Commissioned service

By Selection

Lt. Col.	16 years of Commissioned service
Col.	20 years of Commissioned service
Brigadier	23 years of Commissioned service
Major, Gen.	25 years of Commissioned service
Lt. Gen. General	28 years of Commissioned service
General	No restrictions

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on complete of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies :—

Captain	3 years
Major	6 years
Lt. Colonel	6½ years
Colonel	8½ years
Brigadier	12½ years
Major General	20 years
Lt. General	25 years

(B) FOR CANDIDATE JOINING THE NAVAL
ACADEMY, GOA

1. (a) Candidates, finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Captain, Naval Academy, Goa.

(1) Candidates not applying for government financial aid :

(i) Pocket allowance for six months @ Rs. 100.00 per month	Rs. 600.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 1260.00
Total	Rs. 1860.00

(2) Candidates applying for Government financial aid :

(i) Pocket allowance for two months @ Rs. 100.00 per month	Rs. 200.00
(ii) For items of clothing and equipment	Rs. 1260.00
Total	Rs. 1460.00

(b) (1) Selected Candidates will be appointed as cadets and undergo training in Naval Ships and establishment as under :

(a) Cadets Training afloat training for 6 months	1 year
(b) Midshipmen afloat training	6 months
(c) Acting Sub-Lieutenant Technical Course	12 months
(d) Sub-lieutenants	

On completion of the above training, the officers will be appointed on board Indian Naval Ships for obtaining full Naval Watch-keeping certificates for which a minimum period of six months is essential.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, books, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will, however, be required to meet their pocket and other private expenses while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 500 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance upto Rs. 90 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Manpower Planning & Recruitment, Naval Headquarters, New Delhi-110011.

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 600 p.m.

(iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-point (ii) above will be extended to them. After six months of training in ships and establishment of the Indian Navy. When Cadets are promoted to the rank of Midshipmen they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.

(iv) In addition to the Uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost

will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets apply for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.

(v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as an apprentice at the time of selection as cadets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance they will also receive the difference between the two amounts.

(vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reverted to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds, however, be considered on merits.

2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign :—

(a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.

(b) A bond to the effect that if for any reason considered within the control of the candidate he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of the tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Rank	Pay Scale: General Service.
1	2
Midshipman	Rs. 560 00
Ag. Sub-Lieut	Rs. 750 00
Sub. Lieut	Rs. 830 00—870 00
Lieut	Rs. 1100 00—1450 00
Lieut Cdr	Rs. 1450 00—1800 00
Lieut. Cdr. (Selection Grade Pay)	Rs. 1800 00—1900 00
Commander (By Selection)	Rs. 1750 00—1950 00
Commander (By Time scale)	Rs. 1900 00 fixed
Commander (Selection Grade Pay)	Rs. 2000 00—2100 00
Captain	Rs. 1950 00—2400 00 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain)
Rear Admiral	Rs. 2500 00—125 00/2—2750 00
Vice-Admiral	Rs. 3000 00
Vice-Admiral (VCNS-FOC-IN-C)	Rs. 3250 00
Admiral	Rs. 4000 00

(b) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer, receives the following allowances :—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowance and interim relief are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civilian Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 75 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowances ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) a separation allowance of Rs. 140 p.m. is admissible to—
 - (a) married officers serving in non-family station; and
 - (b) married officers serving on board IN. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports;
- (v) (a) Outfit Allowance : Initial Outfit Allowance is Rs. 2,400/-
 (b) Renewal Outfit Allowance is Rs. 2,100/- after every 7 years of effective Service.
- (vi) Free rations are provided upto the level of Commadore (IN) in the Navy.
- (vii) *Separation Allowance (Peace)* Rear Admiral and above when forced to live in mess due to non-availability of family accommodation are entitled to Separation Allowance (Peace) of Rs. 200/- P.M. w.e.f. the date of assumption of duty at the new Station till allotment of family accommodation. This allowance would be payable only in areas where such officers are not entitled to free ration as part of field services concession.

NOTE I :—In addition certain special concessions like hard-lying money sub-marine allowance, sub-marine chariot pay, Flying Pay survey bounty, qualification pay grant, Technical Pay and diving pay are admissible to officers.

NOTE II :—Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviation Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshipman to Ag. Sub. Lieut	½ year
Ag. Su. Lieut. to Sub Lieut	1 year
Sub. Lieut. to Lieut.	3 years as Ag. and Confirmed Sub. Lt. (Subject to gain/forfeiture of seniority)
Lieut. to Lieut. Cdr.	8 years seniority as Lieut.
Lieut Cdr. to Cdr. (if not promoted by selection)	24 years (reckonable commissioned service)

(b) By Selection

Lieut. Cdr. to Cdr.	2-8 years seniority as Lieut. Cdr.
Cdr. to Capt.	4 years seniority as Cdr.
Capt. to Rear Admiral and above	No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

NOTE :—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Manpower Planning & Recruitment Naval Headquarters, New Delhi-110011.

(C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS TRAINING SCHOOL MADRAS

1. Before the candidate joins the Officer's Training School, Madras—

- (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon, or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or, fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.

2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officer's Training School, for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as gentlemen cadets. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officer's Training School.

3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during the pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 90 per month but if the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent guardian, have an income below Rs. 500 per month. The rate of assistance under the existing orders is Rs. 90.00 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant, Officer's Training School, MADRAS along with his verification report.

4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for ten month at Rs. 90.00 per month	Rs. 900.00
(b) For items of clothing and equipment	Rs. 500.00
Total	Rs. 1400.00

Out of the amount mentioned above the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under order as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessities purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from

them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

7. A Gentlemen Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.

8. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of Commission, are given below.

9. Training

1. Selected candidates will be enrolled under the Army Act as Gentlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of nine months. On successful completion of training Gentlemen cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt. from the date of successful completion of training.

10. Terms and conditions of Service

(a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated any time whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commission are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of Appointment and Promotion.

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable in the regular officers of the Army.

Rates of pay of 2/Lt. and Lieut are—

(i) Second Lieut	Rs. 750-790 p.m.
(ii) Lieut	Rs. 830-950 p.m. plus other allowances as laid down for regular officers.

(e) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol. I-Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers' Training School and before assumption of duties under the provision of the Rule 91 *ibid*.

(f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India—

- (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or
- (ii) on account of medical unfitness; or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or course.

An officer may on giving 3 months notice be permitted to resign his commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

(g) Pensionary benefits

(i) These are under consideration.

(ii) SSC officers on expiry of their five years term are eligible for terminal gratuity of Rs. 5,000.00.

(h) Reserve Liability

On being released on the expiry of five years Short Service Commission or extension thereof they will carry a reserve liability for a period of five years or upto the age of 40 years whichever is earlier.

(i) Miscellaneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

(D) FOR CANDIDATES JOINING THE AIR FORCE ACADEMY

1. Selection—Recruitment to the Flying Branch (Pilots) of the IAF is carried out through two sources i.e. Direct entry through UPSC and NCC (Senior Division Air Wing).

(a) Direct Entry—Selection is made through a written examination conducted by the Commission twice a year normally in May and November. Successful candidates are then sent to the Air Force Selection Boards for tests and interviews.

(b) NCC Entry—Application from NCC candidates are invited by Director General NCC through respective NCC units and forwarded to Air HQ Eligible candidates are directed to report to AFSBs for tests and interviews.

2. Detailing for Training.—Candidates recommended by the AFSBs and found medically fit by appropriate medical establishment are detailed for training strictly on the basis of merit and availability of vacancies. Separate merit lists are prepared for Direct Entry candidates through UPSC and for NCC candidates. The merit list for Direct Entry Flying (Pilot) candidates is based on the combined marks secured by the candidates in the tests conducted by the UPSC and at the AF Selection Boards. The merit list for NCC candidates is prepared on the basis of marks secured by them at AFSBs.

3. Training.—The appropriate duration of training for Flying Branch (Pilots) at the Air Force Academy will be 75 weeks.

Insurance cover during Flying Training.—Air Force Group Insurance Society would pay Rs. 35,000/- as Ex-gratia award to the next-of-kin of a flight cadet drawn from Civil life and undergoing flying training in an unfortunate eventuality. In case flight cadet undergoing flying training is medically invalidated and banded out, he would be paid Rs. 20,000 as Ex-gratia award for 100% disability and this reduces proportionately upto 20%.

Once, flight cadets are granted pay and allowances by Government, the death cover would be Rs. 50,000/- and the disability cover would be Rs. 25,000/- for 100% disability. This cover would be provided by AFGIS on payment of monthly non-refundable contribution of Rs. 76/- by each flight cadet undergoing flying training for which membership would be compulsory.

Conditions governing Financial Assistance

(i) While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Air Force Administrative College are not likely to exceed Rs. 90.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly partly even this expenditure, financial assistance may be granted by the Government. No cadet

whose parent or guardian has an income of Rs. 500.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all sources are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance. The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately, after his son/ward has been finally selected for training at the Air Force Administrative College, submit an application through the District Magistrate of his district who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant Air Force Administrative College, Red Fields, Coimbatore.

(ii) Candidates finally selected for training at the Air Force Administrative College will be required to deposit the following amount with the commandant on arrival :—

(a) Pocket allowance for five months @ Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

(b) For item of clothing and equipment Rs. 525.00 Total : Rs. 975.00.

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned :—

Pocket allowance for the five months at Rs. 90.00 per month—Rs. 450.00.

4. Career Prospects

After successful completion of training, the candidates pass out in the rank of Pilot Officer and become entitled to the pay and allowances of the rank. At the existing rates, Officers of the Flying Branch get approximately Rs. 2450/- p.m. which includes flying pay of Rs. 750/- p.m. Air Force offers good career prospects though it varies from branch to branch.

There are two types of promotions in the IAF i.e. grant of higher Acting rank and Substantive rank. Each higher rank carries with it extra emolument. Depending on the number of vacancies, one has a good number of chances to get promotion to the higher Acting rank. Time-scale promotion to the rank of Squadron Leader and Wing Commander is granted after successful completion of 11 years for Flying (Pilot) branch and 24 years of service respectively. Grant of higher rank from Wing Commander and above is by selection, carried out by duly constituted promotion Boards. Promising Officers have good chances of higher promotions.

5. PAY AND ALLOWANCES

Substantive Rank	Flying Branch
	Rs.
Plt. Offr.	825-865
Flg. Offr.	910-1030
Flt. Ltd.	1150-1550
Sqn. Ldr.	1450-1800
Wg. Cdr.	1550-1950
GP Capt.	1950-2175
Air Comde.	2200-2400
Air Vice Marshal	2550-2750
Air Marshal	3000

Dearness and compensatory Allowances.—Officers are entitled to these allowance at the rates under condition applicable to civilian employees of Government of India.

Kit Maintenance Allowance.—Rs. 75/- p.m. Flying Pay; Officers of the Flying Branch are entitled to get Flying Pay at the following rates :—

W Cdr. and below	Rs. 750.00 P.M.
Gp. Capt. and Air Comde	Rs. 666.00 P.M.
Air Vice Marshal and above	Rs. 600.00 P.M.

Qualification Pay.—Officers of the rank of Wing Commander and below who have completed two or more years of commissioned service are eligible for qualification pay grant at prescribed rates in respect of certain specified qualifications. Rates of qualification pay Rs. 70/- and 100/- and grants are Rs. 6,000/- Rs. 4,500/-, Rs. 2,400/- and Rs. 1,600/-.

Expatriation Allowance.—Ranging from 25 per cent to 40 per cent (depending upon the rank held) of the Foreign Allowance admissible to a single Third Secretary/Second Secretary/First Secretary/Counsellor, serving in the country where IAF Officers are required to move as body of troop.

Separation Allowance.—Married Officers posted to Units Formations located at non-family stations/areas notified as such by Government for this purpose, where families are not permitted to accompany them will receive separation allowance of Rs. 140/- p.m.

Outfit Allowance.—Rs. 2,100/- initially (as modified from time to time) towards cost of uniform/equipment which an officer has to possess : Rs. 1,800/- for renewal after every seven years.

Camp Kit.—Free issue at the time of commissioning.

Free rations are provided upto the level of Air Commodore in the Air Force.

(6) *Leave and leave travel Concession :*

Annual Leave.—60 days a year.

Casual Leave.—20 days a year not more than 10 days at a time.

Officers and their families are entitled to free conveyance when proceeding on annual/casual leave irrespective of its duration one year after commissioning. Once in a block of two years, commencing from January, 1971 the conveyance is admissible from place of duty (unit) to home. The year in which this concession is not availed of free conveyance for a distance of 1450 kms each way is admissible for self and wife.

In addition officers of Flying Branch employed on regular flying duties in vacancies in authorised establishment are allowed, while proceeding on leave once every year on warrant a free rail journey in the appropriate class upto a total distance of 1450 Kms each way is admissible for self, wife and dependent Children.

Officers when travelling on leave at their own expense are entitled to first class travel on payment of 60 per cent of the fare for self, wife and children from unit to any place within India thrice in a calendar year. One of these may be availed of for the entire family. In addition to wife and children family includes parents, sisters and minor brothers residing with and wholly dependent upon the officers.

7. Pensionary Benefits

Retiring Rank	Minimum Length of qualifying service	Standard rate of retiring Pension	Personal pension
(1)	(2)	(3)	(4)
Flt. Offr./Fg. Offr.	20 years	950.00 P.M.	100.00 P.M.
Plt. Lt.	20 years	1200.00 P.M.	75.00 P.M.
Sqn. Ldr.	22 years	1400.00 P.M.	—
Wg. Cdr. (Time Scale)	26 years	1525.00 P.M.	—
Wg. Cdr. (Selective)	24 years	1575.00 P.M.	—
Gp. Capt.	26 years	1850.00 P.M.	—
Air Comde.	28 years	2025.00 P.M.	—
Air Vice Marshal	30 years	2275.00 P.M.	—

(1)	(2)	(3)	(4)
Air Marshal	30 years	2400.00 P.M.	—
Air Marshal VCAS and AOSC- in-C	30 years	2500.00 P.M.	—
Air Chief Marshal	30 years	2825.00 P.M.	—

8. *Retiring Gratuity*

Retiring gratuity at the discretion of the President is as under :—

- (a) For 10 years service—Rs. 12,000/- less 1½ month's pay of rank last held.
- (b) for every additional year—Rs. 12,000/- less ¼ month's pay of rank last held.

In addition to pension or gratuity a death-cum-retirement gratuity, equal to ½th of emoluments for each completed six

monthly period of qualifying service subject to maximum of 16½ times of the emoluments not exceeding Rs. 50,000/- is admissible. In case of death while in service the amount of death-cum-retirement gratuity will be as follows :—

- (a) two months pay, if death occurs in the first year of service;
- (b) six months pay, if death occurs after the first year but before completion of five years;
- (c) minimum of 12 months pay, if death occurs after five years.

Disability pension and Special Family Pensionary award, including awards to children and dependents (parents, brothers and sisters), are also payable in accordance with the prescribed rules.

9. *Other privileges*

The Officers and their families are entitled to free medical aid, accommodation on concessional rent, group insurance scheme, group housing scheme, family assistance scheme, canteen facilities etc.